E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -114 | प्रयागराज, शनिवार 12 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प ने कनाडा पर 35फीसदी टैरिफ लगाया:बोले- अगर जवाब दिया तो और बढ़ा देंगे; बाकी देशों पर भी 15-20फीसदी टैरिफ लगेगा

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा से आने वाले सामान पर 35फीसदी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। ट्रम्प ने गुरुवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को लेटर भेजकर यह ऐलान किया। लेटर के मुताबिक अमेरिका 1 अगस्त 2025 से कनाडा पर नए टैरिफ लागू होंगे। ट्रम्प ने चेतावनी भी दी कि अगर कनाडा ने इसका जवाब दिया, तो यह टैरिफ और बढ़ा दिया जाएगा। अमेरिका पहले ही कनाडा पर मार्च 2025 में 25फीसदी टैरिफ लगा चुका है। यह कदम दोनों देशों के दशकों पुराने व्यापारिक और कूटनीतिक रिश्तों में बड़ी दरार एक माना जा रहा है। ट्रम्प ने इस फैसले के पीछे कनाडा से अमेरिका में हो रही फेंटानिल की तस्करी को वजह बताया है। हालांकि उन्होंने लेटर में लिखा 'फेंटानिल ही एकमात्र समस्या नहीं है। कनाडा के पास कई तरह की टैरिफ और नॉन-टैरिफ नीतियां हैं, जो अमेरिका के व्यापार के खिलाफ हैं।' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को ब्राजील से आयात होने वाले सामानों पर 50 टैरिफ लगाने की घोषणा की है। इसे लेकर उन्होंने ट्रुथ सोशल पर एक लेटर शेयर किया। इसमें उन्होंने ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति और अपने दोस्त जायर बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहे मुकदमे की निंदा की। ट्रम्प ने कहा कि बोल्सोनारो के खिलाफ चल रहा मुकदमा ब्राजील के लिए एक 'अंतरराष्ट्रीय शर्मिंदगी' है, यह एक तरह 'विच हंट' (बिना किसी ठोस सबूत के आरोप लगाना) है। बोल्सोनारो पर 8 जनवरी 2023 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में हुए दंगों के लिए कथित रूप से तख्तापलट की कोशिश का आरोप है।ट्रम्प ने कहा- ब्राजील में फ्री इलेक्शन पर हमला हो रहा है और अमेरिकी लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी को कंट्रोल किया जा रहा है। इस वजह से 1 अगस्त 2025 से ब्राजील से अमेरिका आने वाले सभी उत्पादों पर 50फीसदी टैरिफ लगाया जाएगा।' ट्रम्प ने लिखा- ब्राजील ने पूर्व राष्ट्रपति बोल्सोनारो एक सम्मानित नेता थे। उनके साथ जो व्यवहार किया, वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मनाक है। यह मुकदमा तुरंत खत्म होना चाहिए।' उन्होंने ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बोल्सोनारो को अगले चुनाव में भाग लेने से रोकने और ट्रम्प के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल और रंबल पर सेंसरशिप आदेशों का भी जिक्र किया।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को 1 अगस्त से 7 और देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की। इन देशों में फिलीपींस, ब्रुनेई, अल्जीरिया, मोल्दोवा, इराक और लीबिया का नाम शामिल है। ट्रम्प ने इन देशों के नेताओं को भेजे गए ऑफिशियल लेटर में टैरिफ की डिटेल शेयर की। अल्जीरिया, इराक, लीबिया और श्रीलंका पर 30फीसदी टैरिफ लगाया गया। वहीं, ब्रुनेई, मोल्दोवा पर 25-25फीसदी और फिलीपींस पर 20फीसदी टैक्स लगाया। ट्रम्प की यह घोषणा दक्षिण कोरिया और जापान सहित 14 देशों पर टैरिफ की घोषणा के एक दिन बाद की गई है। ट्रम्प ने सोमवार को बांग्लादेश-जापान समेत 14 देशों पर टैरिफ बढ़ाने का ऐलान किया था। ट्रम्प प्रशासन ने सोमवार को सभी प्रभावित देशों को औपचारिक रूप से लेटर भेजकर इस निर्णय की जानकारी दी। इस फैसले के तहत कुछ देशों पर 25फीसदी टैक्स लगाया गया, जबकि कुछ पर 30फीसदी से 40फीसदी तक का भारी शुल्क लगाया गया। दक्षिण कोरिया और जापान के नेताओं को ट्रम्प ने सबसे पहले लेटर भेजा और कहा कि उनके देश से आने वाले सामान पर अब 25फीसदी शुल्क लगेगा। उन्होंने लिखा कि ये टैक्स इसलिए जरूरी हैं, ताकि अमेरिका और इन देशों के बीच व्यापार में जो असंतुलन है, उसे सुधारा जा सके। ये टैरिफ 1 अगस्त से लागू होंगे। इसके साथ ही ट्रम्प ने 1 अगस्त से ग्लोबल टैरिफ लगाने की घोषणा की। पहले ट्रम्प 9 जुलाई को इसका ऐलान करने वाले थे।

ऑपरेशन सिंदूर- एनएसए डोभाल:कहा- एक फोटो दिखाएं जिसमें भारत का नुकसान नजर आए,हमने 9 आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया। उन्होंने कहा कि कई विदेशी मीडिया संगठनों ने पाकिस्तान के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर सवाल उठाए। भारत को नुकसान की खबर चलाई। उन्होंने कहा कि विदेश मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज यह नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। पूरे ऑपरेशन में 23 मिनट लगे। डोभाल ने शुक्रवार को यह बात आईआईटी मद्रास के कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा 'वे कहते रहे कि पाकिस्तान ने ये किया और वो किया, लेकिन एक भी फोटो, जिसमें भारत का कोई नुकसान दिखे। एक शीशा तक टूटा हो।' बता दें कि 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या की थी। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी।

एनएसए ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर पर हमें नाज। डोभाल ने कहा, 'टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस ऑपरेशन के दौरान हमने स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया। हमने सीमापार नौ पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले का फैसला किया था। इनमें सीमावर्ती इलाके में एक भी ठिकाना नहीं था। हमारे सभी निशाने सटीक रहे।

हमने सिर्फ आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद किया। उन्होंने कहा, आप एक ऐसे देश, एक ऐसी सभ्यता से ताल्लुक रखते हैं, जो हजार सालों से संकटग्रस्त और लहूलुहान रही है। हमारे पूर्वजों ने बहुत कुछ सहा है। मुझे नहीं पता कि राष्ट्र की इस धारणा को जिंदा रखने के लिए उन्होंने कितना अपमान और तकलीफ सही होगी। राष्ट्र, राज्य से अलग होता है। भारत एक राष्ट्र के रूप में हजारों सालों से अस्तित्व में है।'

भागवत ने कहा -75 की उम्र के बाद दूसरों को मौका मिले,शॉल ओढ़ाने पर समझें उम्र हुई, राउत ने कहा- मोदी 75 के हो रहे

नागपुर। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 75 की उम्र होने के बाद दूसरों को भी अवसर देना चाहिए। जब आपको 75 साल पूरे दिया था। अब देखते हैं क्या मोदी इसका खुद पालन करेंगे या नहीं।भाजपा के भीतर एक निश्चित उम्र तक पद पर बने रहने को लेकर के नेताओं को रिटायर करने का ट्रेंड शुरू। पहली बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में इससे कम उम्र के नेताओं को ही जगह दी थी। को टिकट नहीं दिया गया। इसी तरह 2024 लोकसभा चुनाव में राजेंद्र अग्रवाल, संतोष गंगवार, सत्यदेव पचौरी, रीता बहुगुणा जोशी का टिकट

होने पर शॉल ओढ़ाई जाती है तो इसका मतलब होता है कि हमारी उम्र हो चुकी है, अब थोड़ा किनारे हो जाना चाहिए। भागवत ने ये बातें 9 जुलाई को रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रेरक दिवंगत मोरोपंत पिंगले पर लिखी पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में कहीं। हालांकि भागवत ने अपने बयान में पीएम मोदी का नाम नहीं लिया लेकिन विपक्ष इसे प्रधानमंत्री से जोड़ रहे हैं। मोदी इस साल सितंबर में 75 साल के हो जाएंगे। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा- पीएम मोदी ने आडवाणी, मुरली मनोहर, जसवंत सिंह जैसे बड़े नेताओं को जबरन रिटायरमेंट दिला कोई आधिकारिक नियम नहीं है। हालांकि, कुछ स्तरों पर उम्र सीमाएं लागू की गई हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ भाजपा ने मंडल अध्यक्ष पद के लिए 35 से 45 साल और जिला अध्यक्ष पद के लिए 45 से 60 साल की उम्र सीमा निर्धारित की है। वहीं भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 75 साल से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नेताओं को टिकट नहीं दिया था। इसमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन, कलराज मिश्र, जैसे कई नेता शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में 75 साल की उम्र से ज्यादा लालकृष्ण आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को मार्गदर्शक मंडल में शामिल किया गया। 2016 में जब गुजरात की मुख्यमंत्री आनंदीबेन पटेल ने इस्तीफा दिया तो उस समय उनकी उम्र भी 75 साल थी। उसी साल नजमा हेपतुल्लाह ने भी मोदी कैबिनेट से इस्तीफा दिया, जिनकी उम्र 76 साल थी। 2019 लोकसभा चुनाव से पहले तब के भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने एक इंटरव्यू में कहा- 75 साल से ऊपर के किसी भी व्यक्ति को टिकट नहीं दिया गया है। यह पार्टी का फैसला है। उस चुनाव में सुमित्रा महाजन और हुकुमदेव नारायण यादव जैसे नेताओं 75 साल से ज्यादा उम्र की वजह से काट दिया गया।लोकसभा चुनाव के दौरान भी पीएम मोदी के रिटायरमेंट को लेकर खूब बयानबाजी हुई थी। मई, 2024 में अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि अगर भाजपा लोकसभा चुनाव जीत गई तो मोदी अगले साल तक ही प्रधानमंत्री रहेंगे। पीएम मोदी ने खुद यह नियम (75 साल की उम्र में रिटायरमेंट) बनाया है। उसी दिन गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भाजपा के संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। मोदी जी 2029 तक देश का नेतृत्व करेंगे।

ब्रिटिश फाइटर जेट अगले हफ्ते वापस जाएगा:विमान के हाइड्रोलिक फेल थे

तिरुअनंतपुरम। ब्रिटिश फाइटर जेट एफ -35 की मरम्मत करके अगले हफ्ते तक ब्रिटेन भेज दिया जाएगा। हाइड्रोलिक फेल होने की वजह से जेट उड़ान नहीं भर पा रहा था। अगले कुछ दिनों में विमान उड़ान भरने लायक स्थिति में आ जाएगा। एक भारतीय अधिकारी ने एपी को यह जानकारी दी। विमान ठीक करने के लिए 25 इंजीनियरों की टीम 6 जुलाई को ब्रिटेन से भारत पहुंची थी। यह 14 जून की रात जॉइंट समुद्री अभ्यास के तहत अरब सागर के ऊपर नियमित उड़ान पर था। खराब मौसम और कम ईंधन की वजह से केरल के तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। लैंडिंग के बाद जेट में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण यह वापस नहीं जा सका। 918 करोड़ रुपए का यह विमान ब्रिटेन की रॉयल नेवी के एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स कैरियर स्ट्राइक ग्रुप का हिस्सा है। इसे दुनिया भर में सबसे एडवांस्ड फाइटर जेट में से एक माना जाता है। ब्रिटिश सेवा में लाइटनिंग के नाम से जाना जाने वाला एफ -35 मॉडल फाइटर जेट का शॉर्ट टेक ऑफ/वर्टिकल लैंडिंग वैरिएंट है जिसे शॉर्ट-फील्ड बेस और एयर कैपेबल जहाजों से ऑपरेट करने के लिए डिजाइन किया गया है। एफ -35बी पांचवीं पीढ़ी का एकमात्र लड़ाकू जेट है जिसमें छोटी उड़ान और वर्टिकल लैंडिंग की कैपेसिटी है। जो इसे छोटे डेक, साधारण ठिकानों और जहाजों से संचालन के लिए आदर्श बनाती हैं। एफ -35बी को लॉकहीड मार्टिन कंपनी ने डेवलप किया है। इस प्लेन को 2006 से बनाना शुरू किया गया था। 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना में शामिल है। ये पेंटागन के इतिहास का सबसे महंगा विमान है। अमेरिका एक एफ -35 फाइटर प्लेन पर औसतन 82.5 मिलियन डॉलर (करीब 715 करोड़ रुपए) खर्च करता है।

बेटे की मौत का गम बर्दाश्त नहीं कर सके माता-पिता, बुजुर्ग दंपती ने जहर खाकर दे दी जान

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद से एक बेहद दर्दनाक घटना सामने आई है। नई मंडी थाना क्षेत्र स्थित बिंदल मार्केट में एक बुजुर्ग दंपती ने अपने बेटे की मौत के सदमे में कथित रूप से आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मकान का दरवाजा तोड़कर जब घर के अंदर प्रवेश किया, तो पति-पत्नी दोनों जमीन पर मृत अवस्था में पड़े मिले। पास में सल्फास के खाली रैपर और दो गिलास भी बरामद हुए हैं, जिससे प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है। थाना नई मंडी क्षेत्र निवासी अनुभव गोयल ने पुलिस को सूचना दी कि उनके माता-पिता अशोक गोयल और पुष्पा गोयल सुबह से न तो फोन उठा रहे हैं और न ही दरवाजा खोल रहे हैं। इस सूचना पर थाना नई मंडी पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। मकान का मुख्य दरवाजा अंदर से बंद था, जिस पर पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया।अंदर कमरे में दोनों बुजुर्ग जमीन पर मृत अवस्था में पड़े मिले। पास में सल्फास के खाली पाउच और दो गिलास रखे हुए थे, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि दोनों ने मिलकर सल्फास खाकर आत्महत्या की है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुछ दिन पहले मृत दंपती के बड़े बेटे का आकस्मिक निधन हो गया था, जिससे वे गहरे मानसिक तनाव में थे। बेटे की असमय मौत ने उन्हें अंदर से तोड़ दिया था और संभवतः इसी कारण उन्होंने यह कठोर कदम उठाया।थाना नई मंडी पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना परिवार के अन्य सदस्यों को दे दी गई है। फिलहाल पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है और आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

कोचिंग संचालक ने प्रतियोगी छात्रा का बनाया अश्लील वीडियो,प्रयागराज में एक साल तक किया ब्लैकमेल, संबंध बनाने के बाद दी धमकी

प्रयागराज। प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रा को ब्लैकमेल करने

का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक साल तक रिलेशनशिप में रहने के बाद अब फोटो एवं अश्लील वीडियो वायरल कर जिंदगी बर्बाद करने की धमकी दी जा रही है। बिजनौर पुलिस से शिकायत के बाद केस को प्रयागराज ट्रांसफर कर दिया गया है। साइबर क्राइम थाना पुलिस ने गगन राज पर केस दर्ज कर लिया है। जांच भी शुरू कर दी है।छात्रा ने शिकायत में बताया- वह बिजनौर की रहने वाली है। वह प्रयागराज में किराये पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही थी। वहीं पर कोचिंग करने के दौरान गगन राज से उसकी मुलाकात हुई थी। वह मेरठ के मवाना थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। दोनों रिलेशनशिप में रहने लगे। उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध भी बनाया। लड़की ने जब शादी के लिए दबाव बनाया तो मना कर दिया। उसने कहा कि उसकी फोटो और अश्लील वीडियो, रिकार्डिंग उसके पास है। अगर उसका कहना नहीं माना तो उसकी जिंदगी खराब कर देगा। नौकरी भी नही लगने देगा। धमकी देकर उसने रुपए भी ऐंठने शुरू कर दिए। लड़के का किसी अन्य लड़की के साथ भी संबंध है। इस समय वह कोचिंग सेंटर चला रहा है। छात्रा का कहना है कि उसे अब जान का खतरा है। आरोपी उसकी हत्या करा सकता है।

प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर में उमड़े श्रद्धालु,भक्तों को पारंपरिक वस्त्रों में ही मिलेगी प्रवेश की अनुमति

प्रयागराज। सावन के पहले दिन प्रयागराज में शिवभक्ति का उल्लास चरम पर है। शुक्रवार सुबह से ही शहर के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी

भीड़ देखने को मिली, खासकर दारागंज स्थित प्राचीन मनकामेश्वर मंदिर में। यहां सुबह से ही हर-हर महादेव के जयकारों के बीच भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। यह मंदिर शिवभक्तों के बीच विशेष आस्था का केंद्र है क्योंकि मान्यता है कि यहां भगवान भोलेनाथ स्वयं प्रकट हुए थे। इसी वजह से इसे 'मनोकामना पूर्ण करने वाला शिव मंदिर' भी कहा जाता है। यहां सावन के महीने में विशेष रूप से बड़ी संख्या में भक्तगण जलाभिषेक, बेलपत्र, दूध और धतूरा अर्पित कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।इस वर्ष मंदिर प्रशासन ने एक अहम निर्णय लेते हुए ड्रेस कोड लागू किया है। श्रद्धालुओं को अब पारंपरिक भारतीय परिधान में ही मंदिर में प्रवेश मिलेगा। महिलाओं को साड़ी या सलवार-सूट पहनना अनिवार्य होगा, जबकि पुरुषों को कुर्ता-पायजामा या धोती-कुर्ता में दर्शन करने की अनुमति होगी। यह नियम सावन के पहले सोमवार से प्रभावी होगा। मंदिर प्रशासन का मानना है कि यह निर्णय परंपरा और संस्कृति को बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। इस अवसर पर सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में पुलिस बल तैनात किया गया है। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। भक्त विपिन यादव का कहना है कि वे हर साल सावन में यहां जल चढ़ाने आते हैं और उनकी हर मनोकामना पूरी होती है। वहीं श्रद्धालु आकांक्षा पांडेय ने मंदिर के ड्रेस कोड को सराहते हुए कहा कि यह संस्कृति से जुड़ने का सुंदर प्रयास है।

डेंजर लेवल से महज 5 मीटर नीचे गंगा का जलस्तर,नागवासुकि मंदिर के करीब पहुंचा पानी

प्रयागराज। अब बाढ़ का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। गंगा

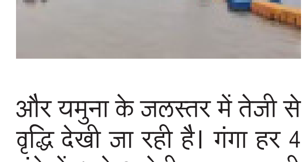

और यमुना के जलस्तर में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। गंगा हर 4 घंटे में 4 से 8 सेमी. तक बढ़ रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर भी बढ़ता ही जा रहा है। आज शुक्रवार की सुबह गंगा का जलस्तर 79 मीटर के ऊपर पहुंच गया है, लगभग इतना ही नहीं यमुना का जलस्तर भी रिकार्ड किया गया है। गंगा अभी डेंजर लेवल से महज 5 मीटर नीचे से बह रही हैं। दरअसल, यहां डेंजर लेवल 79 मीटर पर बनाया गया है। यदि इसी तरह आगे भी जलस्तर में वृद्धि होती रही तो 6 से 7 दिन में डेंजर लेवल के करीब पहुंच जाएगा पानी। गंगा जी का पानी नागवासुकि मंदिर के सामने तक पहुंच चुका है। इसी तरह रामघाट, दशाश्वमेघ, दारागंज घाट पर गंगा का जलस्तर बढ़ता हुआ देखा रहा है।दरअसल, तटीय या कछार इलाके में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए अब तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए प्रशासन की ओर से आसपास के स्कूलों को नोटिस भी दी जा रही है कि वह अपने स्कूल व कॉलेज को शरणालय के लिए तैयार रखें। वहीं, जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की ओर से सभी एसडीएम व तहसीलदार अपनी-अपनी तहसीलों में जलस्तर की स्वयं निगरानी करने के लिए निर्देशित किया गया है।सभी एसडीएम व तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि प्रभावित गांवों में प्रतिदिन बाढ़ अवधि तक निरीक्षण करेंगे तथा आख्या प्रतिदिन आपदा कार्यालय एवं वाट्सएप 7524921390 पर उपलब्ध कराते रहेंगे।

प्रयागराज में 3 सुसाइड,बच्चा नहीं होने से परेशान महिला ने जान दी, अलग-अलग इलाकों में हुई घटनाएं

प्रयागराज। बीते 24 घंटे में सुसाइड के तीन मामले सामने आए

हैं। यह तीनों मामले अलग-अलग इलाकों के हैं। सुसाइड करने वालों में एक छात्रा और 2 महिलाएं शामिल हैं। हालांकि तीनों सुसाइड में कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं। पुलिस तीनों मामलों की जांच पड़ताल करने में जुटी है और सुसाइड के पीछे की वजह क्या है इसके लिए परिवार वालों से भी पूछताछ कर रही हैं।एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में एक महिला ने गले में फंदा लगाकर अपने कमरे में ही सुसाइड कर लिया। बताया जा रहा है कि जलालपुर भारती गांव निवासी 31 वर्षीया राम सखी थी। उसे बच्चा नहीं हो रहा था इससे वह तनाव में थी। परिवार वालों ने बताया इससे वह उदास थी।दूसरा केस. कुछ महीने पहले शादी, आज सुबह शव मिला।इसी तरह धूमनगंज थाना क्षेत्र में सुसाइड का मामला है। प्रीतमनगर निवासी दीपा यादव कुछ महीने ही शादी हुई थी। आज उसके कमरे में सुबह उसका शव मिला। यहां भी पुलिस को कोई सुसाइड केस नहीं मिला है। तीसरा केस. श्रेयसी की लाश मिली, सुसाइड नोट नहीं मिला। तीसरा केस कर्नलगंज थाना क्षेत्र की है। गाजीपुर के सिकड़ी गांव की रहने वाले 20 वर्षीय श्रेयसी का है। वह यहां बड़ी बगिया में किराए के कमरे में रहती थी। उसका भी शुक्रवार को उसका शव पाया गया। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम हाउस के लिए भेज दिया है। जांच पड़ताल किया जा रहा है।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/दस्तक अभियान की प्रथम अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न,मुख्य विकास अधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

रायबरेली। मुख्य विकास

अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/दस्तक अभियान की प्रथम अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित महात्मा गाँधी सभागार में की। बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान में सहयोगी विभागों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गईं। सीडीओ ने इस अवसर पर अभियान के द्वितीय माह(जुलाई) के पर्यवेक्षण में लगाई गई मॉनिटरिंग एजेंसियों डब्ल्यूएचओ,यूनिसेफ व पाथ संस्था द्वारा कार्यक्रम के संबंध में दिए गए फीडबैक पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को गंभीरता से लिया जाए इसके लिए जो भी दिशा निर्देश दिए गए हैं उनका पालन कराया जाए। 11से 18 जुलाई तक मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा इसके उपरांत परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से 18 जुलाई 2025 तक विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की बैठक हुई। बैठक में एसीएमओ डॉ अरविंद ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें सभी विभागों से सहयोग लेते हुए सारथी वाहन के माध्यम से जनपद व ब्लॉक स्तर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम व साधनों के प्रति जन जागरूकता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना है। साथ ही सास-बेटा-बहू सम्मेलन के माध्यम से समस्त नगरीय एवं ग्रामीण आशा के सहयोग से बेटा बहू सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जन जागरूकता के लिए सोशल मीडिया कैंपन का भी आयोजन किया जाएगा। सीडीओ ने इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया उक्त पखवाड़े को संपन्न कराने में अपना अपना सहयोग प्रदान करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा, डीडीओ अरुण कुमार व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सोनभद्र में शहरी स्वास्थ्य सभन्वय समिति का हुआ गठन

सोनभद्र। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्साधिकारी महोदय द्वारा शहरी स्वास्थ्य समन्वय समिति को से समन्वय स्थापित करते हुए निराकरण कराना है। जिससे की सचिव, डा0 गुलाब शंकर, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, डा0

शुक्रवार को जनपद सोनभद्र में शहरी स्वास्थ्य सभन्वय समिति का गठन करते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर डा0 प्रेमनाथ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, नोडल एन0यू0एच0एम0, द्वारा शहरी स्वास्थ्य समन्वय समिति के गठन हेतु अध्यक्ष मुख्य चिकित्साधिकारी एवं समस्त संयुक्त अध्यक्ष व समिति के सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक का शुभारम्भ किया गया। उक्त बैठक में अपर मुख्य अवगत कराया गया कि जनपद में 3 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, (राबर्ट्सगंज, ओबरा एवं रेनुकूट पिपरी) एवं 6 अर्बन आयुष्मान आरोग्य मन्दिर का संचालन किया जा रहा है। जिसमें समस्त स्वास्थ्य सम्बन्धित सेवायें प्रदान की जा रही है। तपश्चात नोडल एन0यू0एच0एम0 द्वारां शहरी स्वास्थ्य समन्वय समिति के कार्य एवं दायित्वों के बारे में विस्तार से बताया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्र में आने वाली विभिन्न समस्याओं का सम्बन्धित विभागो शहरी क्षेत्र के मलिन बस्ती, संवेदनशील आबादी को चिन्हित करते हुए उनको स्वास्थ्य लाभ प्रदान कराना। निर्धारित लक्ष्यों के प्रति मासिक उपलब्धियों एवं कमियों आदि के कारणों की समीक्षा करना। बैठक में बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 अश्वनी कुमार, अध्यक्ष रूबी प्रसाद, अध्यक्ष नगर पालिका (संयुक्त अध्यक्ष), दिग्विजय सिह अध्यक्ष नगर पंचायत पिपरी, डा0 टी0पी0 सिंह, आई0एम0ए0 अध्यक्ष, डा0 एच0पी0 सिंह, आई0एम0ए0 प्रेमनाथ, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, नोडल एन0यू0एच0एम0, डा0 गिरधारी लाल, जिला प्रतिरक्षण आधिकारी, डा0 जे0पी0 सिंह, प्रभारी चिकित्साधिकारी, हरिमोहन, सी0डी0पी0ओ0, बृजेश पटेल, सिटी मैनेजर, डूडा, राकेश कुमार कन्नौजिया जिला शहरी स्वास्थ्य समन्वयक एवं यूपीसेफ, टी0एच0एस0यू0, डब्लू0एच0ओ0 के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सीएमएस के पास से किशोरी को अगवाकर बेचा, लखनऊ पुलिस ने किया गैंग का खुलासा, दो नाबालिग भी छुड़ाईं

लखनऊ। कृष्णानगर इलाके से

नाबालिग लड़की को अगवा करके बेचने वाले गिरोह के दो सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों के चंगुल से दो नाबालिग लड़कियों को पुलिस ने बरामद भी किया है। कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी कि इलाके की एक किशोरी 30 जून को घर से बिना बताए कहीं निकल गई थी। डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि पड़ताल के दौरान सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में किशोरी एक संदिग्ध व्यक्ति के साथ जाते हुए दिखाई दी। पुलिस को गुरुवार को सूचना मिली कि किशोरी को अगवा करने वाले लोग अवध चौराहे के पास मौजूद हैं।पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम प्रयागराज निवासी डबलू उर्फ संतोष साहू बताया। वह मध्यप्रदेश का रहने वाला है। दूसरे आरोपी ने अपना नाम राजस्थान स्थित अजमेर निवासी मनीष भंडारी उर्फ मोनू बताया। वह भंडारी टूर ऐंड ट्रेवल्स के वाहन चलाता है। आरोपियों के पास से पुलिस ने कृष्णानगर इलाके से अगवा की गई किशोरी को बरामद की।

शिवांग-इरफान की जोड़ी ने रचा नया इतिहास,मदन मोहन मालवीय स्टेडियम से अमेरिका तक

प्रयागराज।अमेरिका के अलबामा में आयोजित वर्ल्ड पुलिस एंड फायर गेम्स 2025 में भारत को बड़ी सफलता मिली है। भदोही मालवीय स्टेडियम में रोज़ घंटों प्रैक्टिस, फिर रात को किसी पेड़ के नीचे बैठकर अगले दिन की योजना–यही दिनचर्या थी। जब यूपी अमेरिका की धरती पर भारतीय झंडे के लिए पसीना बहाया और मेडल लेकर लौटे तो न सिर्फ अपने परिवारों के लिए बल्कि पूरे प्रदेश

के इरफान पठान और प्रयागराज के शिवांग मिश्रा ने देश के लिए पदक जीतकर इतिहास रच दिया है।इन दोनों खिलाड़ियों का स्वागत प्रयागराज के मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में किया गया। यह वही स्टेडियम है, जहां दोनों ने अपने करियर की शुरुआत की थी। स्टेडियम में ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ जोरदार स्वागत हुआ। इरफान और शिवांग की कहानी प्रेरणादायक है। इसी स्टेडियम की मिट्टी में उन्होंने कुश्ती के दांव-पेंच सीखे। कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता से दोनों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि ने साबित किया है कि प्रतिभा को बस सही दिशा और अवसर की जरूरत होती है।इरफान पठान का घर भदोही में है वहीं, गली के नुक्कड़ पर अब भी उनके पिता सब्जी का ठेला लगाते हैं। वही पुरानी झोपड़ी, वही संघर्ष। तीन भाइयों में सबसे छोटा इरफान जब खेल के मैदान में उतरा, तो न जूते थे न ग्लव्स। बस सपना था–एक दिन तिरंगा ऊंचा होगा, और उसे ऊंचा करने वाली उनकी मेहनत होगी। कभी-कभी पेट की भूख और जेब की खाली पोटली ने उन्हें रोकने की कोशिश की, पर इरफान झुके नहीं। प्रयागराज के मदन मोहन पुलिस में भर्ती हुए तो एक उम्मीद मिली कि अब परिवार का पेट भी भर पाएगा और खेल भी जारी रहेगा। उसी उम्मीद ने आज उन्हें अमेरिका तक पहुंचाया, जहां इरफान ने अपने देश के लिए मेडल जीतकर गरीबी की उस लकीर को मिटा दिया, जिसे कभी उनके गांव में किस्मत कहा जाता था। डाभी गांव का लाल–शिवांग मिश्रा- प्रयागराज के करछना तहसील के डाभी गांव से निकला यह नाम कोई अचानक पैदा नहीं हुआ। पिता सीआईएसएफ में रहे और भाई अमित मिश्रा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी। घर में अनुशासन के साए में पला शिवांग बचपन में स्कूल से आते तो किताबों के बोझ से नहीं, प्रैक्टिस के जुनून से थकते थे। गांव की गलियों से स्टेडियम तक का रास्ता आसान नहीं था। गांव के दोस्त खेल छोड़ते गए, लेकिन शिवांग हर हार को सीढ़ी बनाते गए। स्टेडियम में पहली बार इरफान से मिले तो जैसे दोनों की कहानियां आपस में मिल गईं। एक गरीब बस्तियों का लाल, दूसरा अनुशासन और समर्पण का प्रतीक दोनों की दोस्ती मजबूत होती गई।स्टेडियम में साथ पसीना बहाते-बहाते यह जोड़ी यूपी पुलिस में भी साथ भर्ती हुई। फिर एक ही दिन अमेरिका जाने की फ्लाइट में चढ़े। के लिए मिसाल बन गए।स्टेडियम में ऐतिहासिक स्वागत जब दोनों प्रयागराज लौटे तो मदन मोहन मालवीय स्टेडियम फिर से गवाह बना। इस बार इरफान और शिवांग के संघर्ष की जीत का। बच्चों ने नाच-गाकर, लोगों ने जयकारे लगाकर स्वागत किया। फूल मालाओं से लदे दोनों खिलाड़ियों ने मंच पर खड़े होकर बीते दिनों को याद किया।इरफान ने कहा, 'अगर शिवांग भाई साथ न होते तो मैं शायद हिम्मत हार जाता।' वही शिवांग बोले, 'इरफान सिर्फ दोस्त नहीं, मेरे लिए वो सपना हैं, जो बताते हैं कि गरीबी से बड़ा कोई डर नहीं।'नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा

आज यह जोड़ी केवल पदक जीतकर नहीं लौटी, बल्कि एक ऐसा रास्ता दिखाकर लौटी है, जो बताता है कि गांव की मिट्टी, टूटी चप्पल और खाली जेब भी किसी सपने को बड़ा होने से रोक नहीं सकती। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम की यह मिट्टी आज फिर कह रही है कि सपने वहीं उगते हैं जहां पसीना गिरता है।प्रयागराज को इरफान और शिवांग पर गर्व है, और अब पूरे प्रदेश को भी। ये दो नाम अब हजारों गांवों में, गलियों में, खेल मैदानों में पसीना बहा रहे बच्चों के लिए उम्मीद बन गए हैं।

आबकारी कर्मचारी रिश्वत लेते गिरफ्तार,शराब दुकान के लाइसेंस फीस के लिए 13 हजार मांगे, एंटी करप्शन टीम ने किया गिरफ्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के

भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन टीम) प्रयागराज मण्डल को शुक्रवार को बड़ी सफलता मिली जब आबकारी विभाग के कनिष्ठ सहायक को ?13,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर्मचारी की पहचान राम कुमार सोनकर, पुत्र स्व. राजाराम सोनकर, निवासी ग्राम व पोस्ट गौसगंज मुसानगर, थाना मुसानगर, जनपद कानपुर देहात के रूप में हुई है। वह वर्तमान में कार्यालय उपायुक्त आबकारी मंडल प्रयागराज में तैनात था।शिकायतकर्ता श्री शिखर कुशवाहा, पुत्र श्री विनोद कुशवाहा, निवासी 87 पुष्पांजलि नगर, भावपुर, थाना करेली, प्रयागराज ने आरोप लगाया कि उसकी मां के नाम वर्ष 2024-25 में चौफटका, प्रयागराज स्थित देशी शराब की दुकान (लाइसेंस संख्या 29817) की प्रतिभूति धनराशि वापस कराने के लिए राम कुमार सोनकर ने ?13,000 की घूस की मांग की थी।शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निवारण संगठन, प्रयागराज मण्डल की टीम ने आज दिनांक 11 जुलाई 2025 को ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। तय योजना के तहत आबकारी गोदाम के प्रथम तल की गैलरी में जब शिकायतकर्ता ने ?13,000 की राशि सौंपनी शुरू की, तो टीम ने तत्काल मौके पर दबिश देकर राम कुमार सोनकर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को प्रयागराज कमिश्नरेट के थाना कैंट ले जाया गया, जहां उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही करते हुए अभियोग पंजीकृत कराया गया है। इस कार्रवाई से सरकारी महकमे में हड़कंप मच गया है और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सख्त संदेश गया है।

100 यूनिट का बिजली बिल 840 रुपए लेने की तैयारी,यूपी में अभी तक लगते हैं 640 रुपए

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के 3.45 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को जल्द ही बड़ा झटका लग सकता है। बिजली कंपनियों ने दरों में रिकॉर्ड 45फीसदी तक सामने उपभोक्ताओं, कारोबारियों ने एक स्वर में केस्को के 18 से 40 फीसदी तक टैरिफ बढ़ाने के प्रस्ताव का विरोध किया। आपत्तियों में घरेलू उपभोक्ताओं फिक्स चार्ज भी बढ़ाया गया है। शहरी फिक्स चार्ज 110 से बढ़ाकर 190 रुपए प्रति किलोवाट और ग्रामीण क्षेत्र में फिक्स चार्ज 90 से बढ़ाकर 150 रुपए प्रति इससे मीटर रीडिंग जंप कर रही है। भार जंप कर रहा है। इस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। मल्टी स्टोरी परिसर में रहने वाले विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली

की बढ़ोतरी का प्रस्ताव विद्युत नियामक आयोग के सामने रखा है। बुधवार को इस पर पहली जनसुनवाई कानपुर के केस्को मुख्यालय में, तो शुक्रवार को पूर्वांचल बिजली वितरण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की सुनवाई वाराणसी में हुई। इसमें उपभोक्ताओं, कारोबारी संगठनों और परिषदों ने मीटर रीडिंग से लेकर बिलिंग गड़बड़ी, ट्रिपिंग और ओवर चार्जिंग तक के मुद्दे गिनाते हुए विरोध दर्ज कराया। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने आरोप लगाया कि प्रदेश में उपभोक्ताओं का 33,122 करोड़ रुपए का सरप्लस है। फिर भी कंपनियां दरों में बढ़ोतरी कर जनता पर बोझ डाल रही हैं। प्रस्ताव के लागू होते ही घरेलू उपभोक्ताओं के बिल 30 से 45फीसदी तक बढ़ सकते हैं। नई दरों में प्रति यूनिट रेट 8 से 12 रुपए तक पहुंच जाएगा। आयोग टैरिफ याचिका पर आपत्तियों की सुनवाई जुलाई में पूरी कर लेगा। सितंबर तक नई दरों के लागू होने की बात कही जा रही है। आखिर क्यों बिजली की दरों में बढ़ोतरी को प्रदेश की एक ट्रिलियन इकॉनामी तक पहुंचने में सबसे बड़ा बाधा बताया जा रहा है? राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की दलील है कि जब किसी राज्य में उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड़ सरप्लस निकल रहा है। तब कोई भी कानून दरों में बढ़ोतरी की इजाजत नहीं देता। इसे लौटाने पर कोई बात नहीं हो रही। उलटे 45फीसदी तक दरों में वृद्धि कर सीधे आम आदमी पर भारी बोझ डाला जा रहा है।

विद्युत नियामक आयोग के और कारोबारियों कहा कि टैरिफ लगाने से बिजली के रेट में कई गुना इजाफा हो जाएगा। इससे महंगाई बढ़ने के साथ ही उद्योग भी प्रभावित होंगे। दलील दी जा रही है कि एक तरफ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की औद्योगिक व्यवस्था को एक ट्रिलियन करने का लक्ष्य रखा है, जबकि टैरिफ लगाने से बिजली की 9 से 10 रुपए यूनिट हो जाएंगी। इसका असर सीधे आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। पावर कॉर्पोरेशन की ओर से विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल की गई है। इसके मुताबिक, बिजली दरों में 40-45 फीसदी बढ़ोतरी का प्रस्ताव पेश किया गया है। इसमें ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं के लिए अधिकतम फिक्स चार्ज 8 और शहरी के लिए 9 रुपए प्रति प्रति यूनिट का प्रस्ताव है। इसी तरह अधिकतम फिक्स चार्ज के साथ प्रति किलोवाट फिक्स चार्ज, विद्युत कर और दूसरे शुल्क जोड़कर प्रति यूनिट 12 से 13 रुपए चुकाने होंगे। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद का आरोप है- पावर कॉर्पोरेशन ने फिक्स चार्ज में बड़ा खेल किया है। एक तरफ भाजपा के संकल्प पत्र में गरीबों को 100 यूनिट तक 3 रुपए प्रति यूनिट देने की बात कही गई है। प्रस्तावित टैरिफ याचिका लागू हुआ तो ये भी 4 रुपए प्रति यूनिट हो जाएगा। पहले बिजली दरों के 4 स्लैब थे, जिन्हें 3 कर दिया गया है। कुछ स्लैब में बिजली दरों में 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। फिक्स चार्ज पर इस तरह बढ़ोतरी का प्रस्ताव उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने बताया कि प्रस्तावित याचिका के अनुसार किलोवाट प्रस्तावित है। अगर यह प्रस्ताव लागू हो गया तो आम घरेलू उपभोक्ताओं का मासिक बिजली बिल 100 यूनिट खपत पर 660 से बढ़कर 840 रुपए हो जाएगा। इससे हर वर्ग पर सीधा असर पड़ेगा- चाहे वो घरेलू हो या औद्योगिक उपभोक्ता। वर्मा ने केस्को के आंकड़ों को भ्रामक बताया, नियामक आयोग के सदस्यों को कंपनियों की संदिग्ध कार्यशैली के दस्तावेज सौंपे। आरोप लगाए कि केस्को कानपुर में काम कर रही दो बड़ी कंपनियां, जिन्हें 100 करोड़ से ज्यादा का काम मिल है, वह साल-2023 और 2024 में दूसरे राज्यों में ब्लैक लिस्ट हो चुकी हैं।जनसुनवाई में उपभोक्ता परिषद की ओर से बताया गया कि दक्षिणांचल-पूर्वांचल का निजीकरण होने की दशा में सबसे ज्यादा असर केस्को कानपुर के उपभोक्ता पर पड़ेगा। अभी तक जो बल्ब सप्लाई टैरिफ है, उसके आधार पर पावर परचेज एग्रीमेंट बिजली कंपनियों को अलॉट है। उसके आधार पर बीएसटी (बल्क सप्लाई टैरिफ) का अलॉटमेंट चल रहा है। इसमें सबसे सस्ती बिजली दक्षिणांचल और पूर्वांचल को अलॉट है। सबसे महंगी 7.18 रुपए प्रति यूनिट बीएसटी दर केस्को को अलॉट है। अभी पूरे प्रदेश में बिजली दर समान है। निजीकरण हो जाने के बाद सभी कंपनियों की बिजली दर अलग-अलग होगी। उस दशा में सबसे ज्यादा बिजली दर में बढ़ोतरी का प्रभाव केस्को कानपुर के विद्युत उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।वर्तमान में प्रदेश में लग रहे स्मार्ट प्रीपेड मीटर के अंदर जो कंपोनेंट है, वह चीनी है। बिल का डिटेल नहीं मिलता। इसके लिए आयोग ने वेबसाइट बनाकर पूरा डिटेल डालने के लिए आदेशित किया है। लेकिन, इसे कंपनियों की ओर से अभी तक लागू नहीं किया गया। इस पर सख्त कदम उठाया जाए। 1 किलोवाट तक के जो घरेलू विद्युत उपभोक्ता अपनी जीविका चलाने के लिए घर में दुकान खोल लेते हैं, उन्हें घरेलू टैरिफ की व्यवस्था दी जाए। पिछले दिनों में 65 फीसदी तक बिजली चोरी में छूट दी गई। इसका खामियाजा प्रदेश की जनता पर ना डाला जाए।उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष ने कहा कि नई वर्टिकल व्यवस्था केस्को कानपुर के विद्युत उपभोक्ताओं के लिए पावर क्रिटिकल व्यवस्था बन गई है। केस्को कानपुर में लगभग 4872 मिलियन ड्यूटी बिजली की आवश्यकता होती है। आज भी 3फीसदी बिजली चोरी हो रही है। इस तरह केस्को कानपुर में साल में लगभग 87 करोड़ की बिजली चोरी होती है। मतलब, हर महीने लगभग 7 करोड़ 25 लाख की बिजली चोरी हो रही है। बिजली रुकेगा, तो फायदा भी होगा और बिजली दरों में कमी भी आएगी। पहली सुनवाई में इस तरह की आपत्तियां पेश की गईं नेट बिलिंग की समस्या बड़ी है। पहले इसे सुधारें, फिर टैरिफ बढ़ाएं। 3 साल से मल्टी पॉइंट कनेक्शन के लिए चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं।

बिजली दरों में 30-40फीसदी वृद्धि व्यापारियों की कमर तोड़ देगी। प्रस्तावित टैरिफ लागू हुआ तो उद्योग बंद होने की कगार पर आ जाएंगे। बिजली दर वृद्धि की कानूनी बाध्यता पर सवाल उठा। बिजली चोरी पर नियंत्रण की मांग (केवल केस्को में रु 87 करोड़ की चोरी हो रही)। बिजली की दरों को महंगा करना, मतलब जनता को लालटेन युग में ले जाने की साजिश है।

स्मार्ट मीटरिंग और नेट बिलिंग में सुधार की मांग। ग्रामीण दुकानदारों और औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष कनेक्शन नीति की जरूरत है।आयोग ने केस्को को ये निर्देश दिए. फिक्स चार्ज खत्म करना संभव नहीं। प्रत्येक सर्किल में उपभोक्ता फोरम गठित कर शिकायतों की सुनवाई हो। आयोग की ऑनलाइन वेबसाइट में ऑनलाइन और ऑफ लाइन शिकायतें दर्ज कराई जा सकती हैं। स्मार्ट मीटरिंग लगाने की रफ्तार को बढ़ाया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों के छोटे दुकानदारों से अलग से कनेक्शन देने की सुविधा प्रदान की जाए। औद्योगिक क्षेत्र को स्काडा से जोड़ने की व्यवस्था का प्लान तैयार किया जाए। वाराणसी की सुनवाई में इस तरह की आपत्तियां पेश हुईं वाराणसी में हुई जनसुनवाई में उपभोक्ताओं की ओर से कहा गया कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में एक साल में कुल 38,779 मिलियन यूनिट बिजली की खरीदी होनी है। इसमें 7फीसदी बिजली चोरी हो जाती है। मतलब हर साल 1628 करोड़ की बिजली चोरी होती है। हर महीने 136 करोड़ का आंकड़ा बनता है। प्रदेश में प्राइवेट सेक्टर से महंगी बिजली खरीदी जाती है। इसका खामियाजा प्रदेश की जनता भुगत रही है। प्रदेश में मुआवजा कानून लागू है। फिर भी आज तक किसी उपभोक्ता को मुआवजा नहीं दिया गया। जबकि वर्ष 2022-23 में 18372, वर्ष 2023 -24 में 51437, वर्ष 2024 -25 में 28509 बिजली का कनेक्शन 30 दिन के बाद दिया गया था। ऐसे में सभी को मुआवजा मिलना चाहिए था। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम की बैलेंस शीट बता रही है कि सरकारी विभागों पर 3 सालों का 4489 करोड़ का बकाया है। उसे सरकार क्यों नहीं दे रही है। अतिरिक्त सब्सिडी के माध्यम से भी पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम को उत्तर प्रदेश सरकार से 8115 करोड़ लेना है। बिजली कंपनी कहां घाटे में है? ऐसे में घाटे के नाम पर निजीकरण की बात करना गलत है। प्रदेश की बिजली कंपनियों का घाटा जहां 1.10 लाख करोड़ है। वहीं उपभोक्ताओं पर 1.15 लाख करोड़ है। यदि बकाया वसूल ली, तो बिजली कंपनियां फायदे में पहुंच जाएगी। छोटे उपभोक्ता जो अपने घर में छोटी-मोटी दुकान खोल लेते हैं उन्हें बिजली चोरी में ना फंसाया जाए। इसके लिए 1 किलो वाट 100 यूनिट तक घरेलू में ही एक नई बिजली दर की स्लैब बनाया जाए।

गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर राधा कृष्ण मंदिर में संपन्न हुआ गुरु पूजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। श्रीदेवी संपन्न मंडल आश्रम राधा कृष्ण मंदिर छोटी बाजार रायबरेली मैं आज दिनांक 10 जुलाई 2025 आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर जो कि गुरु पूर्णिमा के नाम से प्रचलित है, पर संस्था के ब्रह्मलीन पूज्य स्वामी सहजानंद जी सरस्वती जी महाराज की मूर्ति पर पूजन अर्चन संपन्न किया गया । आचार्य पंडित इंद्र कुमार पाठक के नेतृत्व में पूजन प्रारंभ किया गया सर्वप्रथम मूर्ति पर गंगाजल से स्नान कराया गया इसके बाद चंदन , रोली,इत्र, समर्पित किया गया एवं गुलाब की माला पहनाई गई । लाल रंग का अचला भी पहनाया गया। आम ,केला ,मीठा प्रसाद का भोग लगाया गया । उसके पश्चात आरती की गई आरती में मुख्य रूप से मंटू शुक्ला, श्रीमती शिशिर शुक्ला, ईशान , इंजीनियर डीपी शर्मा, स्वामी विज्ञान आनंद, स्वामी शिवानंद, मोती एवं पुजारी सौरभ शुक्ला उपस्थित थे आचार्य जी के द्वारा स्वास्थ वचन का पाठ किया गया एवं गुरु वंदना का सस्वर उच्चारण किया गया।

जिला स्वच्छता समिति/जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेंट कमेटी की बैठक सम्पन्न, लक्ष्य के सापेक्ष शीघ्र पूर्ण कराए शौचालय निर्माणःसीडीओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। जिला स्वच्छता समिति/जिला स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) मैनेजमेंट कमेटी की बैठक महात्मा गांधी सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन के तहत हुए कार्यो की समीक्षा की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेस २ के अंतर्गत फिकल स्जल मैनेजमेंट इकाई की स्थापना हेतु भूमि चयन के प्रस्ताव के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन हेतु चयनित मॉडल ग्रामों की प्रगति, व्यक्तिगत शौचालय हेतु प्राप्त आवेदन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण की प्रगति, रिसोर्स रिकवरी सेंटर के संचालन की स्थिति, सीएससी संचालन की समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन की प्रगति जानते हुए प्रबंधन में नवाचार को अपनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ने कहा कि व्यक्तिगत शौचालय आवेदन में हुई कार्यवाही समय से पूरी कराई जाए। इनकी मोनिटरिंग भी की जाए।बैठक में जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार, पीडी सतीश प्रसाद, जिला समाज कल्याण अधिकारी सृष्टि अवस्थी, स्वच्छ भारत मिशन सदस्य राघवेंद्र सिंह सहित सभी एडीओ पंचायत उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत फलदार और छायादार रोपित किए गए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। आज लायंस क्लब इलाहाबाद एंजिल्स द्वारा उच्च प्राथमिक विद्यालय हैवेट रोड प्रयागराज में वसुधा को हरा-भरा बनाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत फलदार और छायादार पौधे अमरूद, आँवला, आम, नीम, जामुन आदि रोपित किए गए। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों को भी शामिल किया गया जिससे वो पौधे लगाने और पौधे के महत्व को समझ सके। इसके अतिरिक्त पर्यावरण जागरूकता के अंतर्गत पन्नी हटाओ - थैला अपनाओ मुहिम की कड़ी में विद्यालय के स्टाफ और कई अन्य लोगों को कपड़े के थैले दिए गए। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में अध्यक्षा लायन अंजना शुक्ला, एनवायरमेंट चेयरपर्सन लायन मंजुला श्रीवास्तव, जोन चेयरपर्सन लायन शिवाली पीटर, जोन चेयरपर्सन लायन एस.पी. श्रीवास्तव एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। लायन अंजना शुक्ला अध्यक्ष (2025-26) लायंस क्लब इलाहाबाद एंजिल्स प्रयागराज।

जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा-06 में प्रवेश हेतु करें ऑनलाइन आवेदन

रायबरेली। जवाहर नवोदय विद्यालय रायबरेली के प्रभारी-

प्राचार्य बी0के0 पाठक ने बताया है कि जवाहर नवोदय विद्यालय रायबरेली में सत्र 2026-27 में कक्षा-06 में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किए जा रहे हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2025 निर्धारित है।उन्होंने बताया कि केवल वही अभ्यर्थी प्रवेश परीक्षा में प्रतिभाग कर पायेंगे जो ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करेंगे। अधिक जानकारी हेतु नवोदय विद्यालय समिति की अधिकारिक वेबसाइट https://navodaya.gov.in [eGve}es[keâe अवलोकन कर सकते है। आवेदन की जानकारी हेतु इन नम्बरों 8318660476, 9653059158, 9415524308 पर भी संपर्क कर सकते है।

भूमि की सार्वजनिक नीलामी 22 जुलाई को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी सदर रायबरेली प्रफुल्ल कुमार शर्मा ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि न्यायालय देय के बकायेदार गणेश सिंह पुत्र छत्रपाल सिंह निवासी कल्यानपुर रैली परगना व तहसील सदर जिला रायबरेली की भूमि की सार्वजनिक नीलामी 22 जुलाई 2025 समय प्रातः 10:00 बजे तहसील परिसर स्थित नायब तहसीलदार पश्चिमी/नीलाम अधिकारी कक्ष में प्रस्तावित है। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित तिथि व समय, स्थान पर उपस्थित होकर नीलामी में प्रतिभाग कर सकते है। नीलामी सम्बन्धी शर्तें संबंधित कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

गुरु मेरी पूजा, गुरु गोविंदा। गुरु मेरा पार ब्रम्ह, गुरु भगवन्ता।।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। गुरु पूर्णिमा पर्व स्वामी स्वात्मानंद सूर्यप्रबोधाश्रम के फतेहपुर असनी स्थित आश्रम में बड़ी धूमधाम से मनाया गया।गुरुदेव भगवान द्वारा सुबह - सुबह दैनिक नित्यक्रम से निपट कर भक्तों को दर्शन प्रदान किया गया। आश्रम में शाम से ही सुदूर से भक्तगण उपस्थित होने लगे थे और अपने गुरु के दर्शन के लिए आतुर थे। हजारों की संख्या में उपस्थित अपने भक्तों को गुरु जी द्वारा निराश नहीं किया गया। भक्तों द्वारा गुरु जी का अभिषेक करते हुए चंदन का लेप, फूलमाला पहनाकर पूजन अर्चन किया गया।उनकी तथा आश्रम में अन्य ऋषियों के स्मारकों की आरती उतारी गई तथा प्रसाद का भोग लगाया गया। गुरु भगवान द्वारा सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया तथा अपने उद्बोधन में अनुशासन का पाठ पढ़ाया। गुरु ने भक्तों एवं शिष्यों के बीच संबंधों के बारे में विस्तार से बताया । आश्रम की तरफ से सभी भक्तों को पूड़ी,सब्जी,खीर का प्रसाद वितरण भी किया गया। इस अवसर पर सभागार में उपस्थित अन्य संतो का प्रवचन भी हुआ। गुरुपूर्णिमा के अवसर पर हजारों की संख्या में बड़ी दूर से आए भक्त उपस्थित रहे।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जनपद प्रयागराज के जिलाध्यक्ष शंकर चन्द्र ने प्राथमिक विद्यालय बरहुला के इन्चार्ज प्रधानाध्यापक मनोज कुमार शुक्ल को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक इकाई जसरा - प्रयागराज का ब्लाक अध्यक्ष मनोनीत किया है। तथा ब्लाक अध्यक्ष को एक माह के अन्दर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लाक इकाई जसरा की कार्यकारिणी गठन का निर्देश दिया है।। तथा शिक्षक एवं संगठन हित मे कार्य और दायित्व का निर्वहन का का दिशानिर्देश दिया।

आईडीबीआई बैंक की नैनी शाखा का भव्य शुभारंभ, ग्राहकों को मिलेगी बेहतर बैंकिंग सुविधा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

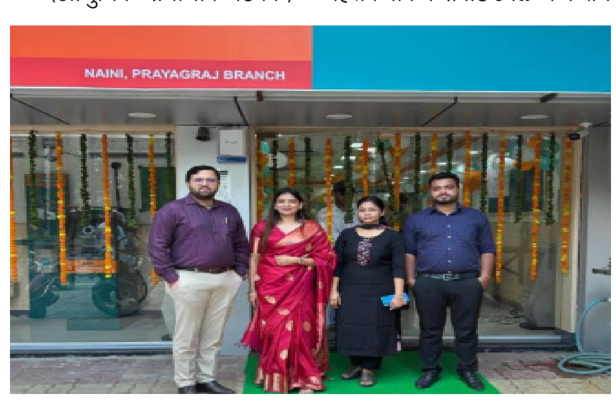

प्रयागराज। नैनी के कॉटन मिल क्षेत्र में आईडीबीआई बैंक की नई शाखा का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। इस मौके पर बैंक प्रबंधन द्वारा ग्राहकों को आधुनिक और बेहतर बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। शाखा का भव्य शुभारंभ कार्यक्रम में प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। जॉर्ज टाउन ब्रांच के हेड प्रवीण थोरत, चौक शाखा के प्रमुख अनंत सिंह, सिविल लाइंस शाखा के डीजीएम रितेश गुप्ता, रिलेशनशिप मैनेजर विवेक शुक्ला, रूमा मद्धेशिया, ब्रांच एजीएम ध्रुव चंद्र तथा सर्विसेज एंड ऑपरेशंस मैनेजर अपर्णा की गरिमामयी उपस्थिति रही। शाखा प्रबंधकों ने बताया कि नैनी क्षेत्र के ग्राहकों को अब उनके ही क्षेत्र में सहज, सुरक्षित और तीव्र बैंकिंग सेवाएं मिल सकेंगी। बैंक डिजिटल बैंकिंग, लोन, खाता संचालन से लेकर निवेश योजनाओं तक सभी सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। स्थानीय लोगों ने बैंक का शुभारंभ का स्वागत करते हुए कहा कि अब उन्हें बैंकिंग के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। नई शाखा से क्षेत्रीय विकास को भी बल मिलेगा।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 12 से 15 जुलाई तक की समय सारणी निर्धारितः क्रीडाधिकारा

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी/टीम अपनी प्रविष्ट एक दिन पूर्व से जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में कराये दर्ज : क्रीडाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। क्रीडाधिकारी धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम ने बताया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0 लखनऊ द्वारा जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला खेल कार्यालय, पं0 मोतीलाल नेहरू स्टेडियम रायबरेली में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन 12, 13, 14 एवं 15 जुलाई 2025 की समय सारणी के अनुसार किया जा रहा है। उन्होंने कहा है कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक/बालिका खिलाडियों की प्रविष्टि निःशुल्क है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बालक/बालिका दोनो वर्गों के दोनों एवेन्टस के स्थान पाने वाले विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये जायेगें। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले इच्छुक खिलाड़ी/टीम अपनी प्रविष्ट एक दिन पूर्व से जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में दर्ज करा सकते है। क्रीडाधिकारी ने बताया है कि निर्धारित समय सारणी के अनुसार 12 जुलाई 2025 को प्रातः 07:00 बजे से एथलेटिक्स बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता एवं 13 जुलाई को प्रातः 07:00 बजे से फुटबॉल बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन फिरोज गांधी डिग्री कॉलेज ग्राउंड रायबरेली में आयोजित किया जायेगा। एथलेटिक्स बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के आयोजन हेतु शोएब खान मो0नं0 8756388231 व फुटबॉल बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए श्रद्धा सोनकर मो0नं0 9235046677 पर सम्पर्क कर सकते है।इसी प्रकार 14 जुलाई को प्रातः 08:00 बजे से वालीबॉल बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता, प्रातः 10:00 बजे से टेबिल-टेनिस बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता, प्रातः 11:00 बजे से कबड्डी बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता एवं 15 जुलाई को प्रातः 08:00 बजे से ताइक्वांडो बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन, जिला खेल कार्यालय, रायबरेली में आयोजित किया जायेगा। वालीवॉल बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए लीना सिंह मो0नं0 8765876135, टेबिल-टेनिस बालक/बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए धीरेन्द्र कुमार पुरुषोत्तम मो0नं0 9450450252, कबड्डी बालिका जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए पिन्कू कुमार मो0नं0 8896183578, ताइक्वांडो बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए नरेश कुमार निषाद मो0नं0 9415887829 पर सम्पर्क कर सकते है।14 से 15 जुलाई को प्रातः 07:00 बजे से क्रिकेट बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता का आयोजन नदीम क्रिकेट सिद्दीकी क्रिकेट ग्राउंड रायबरेली में किया जायेगा। क्रिकेट बालक जूनियर वर्ग प्रतियोगिता के लिए अश्वनी कुमार चन्द्रा मो0नं0 8707511137 से सम्पर्क कर सकते है।

14 जुलाई से दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन शिविर का आयोजन होगा प्रारम्भः डीएम

दिव्यांग बच्चों को चिकित्सकीय परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र, सहायक उपकरण व अन्य योजनाओं के लाभ हेतु विशेष अभियान 14 जुलाई से 02 अगस्त तक : हर्षिता माथुर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने बताया है कि शासन के निर्देशानुसार दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन हेतु जनपद के ब्लॉक स्तर पर शिविर का आयोजन कर उनके चिकित्सकीय परीक्षण, दिव्यांग प्रमाण पत्र, उनकी आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण व अन्य योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु 14 जुलाई 2025 से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में विकास खण्ड परिसर में निर्धारित तिथियों में प्रातः 10:00 बजे से 03:00 बजे तक चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि निर्धारित तिथियों के अनुसार 14 जुलाई को विकास खण्ड परिसर अमावां में दिव्यांग बच्चों के चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार 15 जुलाई को विकास खण्ड परिसर बछरावां में, 16 जुलाई को छतोह में, 17 जुलाई को डलमऊ में, 18 जुलाई को डीह में, 19 जुलाई को दीनशाहगौरा में, 21 जुलाई को हरचन्दपुर में, 22 जुलाई को जगतपुर में, 23 जुलाई को खीरों में, 24 जुलाई को लालगंज में, 25 जुलाई को महराजगंज में, 26 जुलाई को राही में, 28 जुलाई को रोहनियां में, 29 जुलाई को सलोन में, 30 जुलाई को सरेनी में, 31 जुलाई को सतांव में, 01 अगस्त को शिवगढ़ में, 02 अगस्त को विकास खण्ड परिसर ऊँचाहार में चिन्हांकन शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि चिन्हांकन शिवर में चिकित्सक दल द्वारा दिव्यांग बच्चों का चिकित्सकीय परीक्षण किया जायेगा। जिन बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र नहीं बने है उनका दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाया जायेगा। जिन बच्चों के यू0डी0आई0डी0 कार्ड नहीं बने है उनके यू0डी0आई0डी0 कार्ड बनाये जायेंगे तथा दिव्यांग बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण हेतु चिन्हांकन कर लाभान्वित किया जायेगा। शिविर में पंजीकरण कराने हेतु दिव्यांग बच्चों को आय प्रमाण पत्र, आधार कार्ड दिव्यांग प्रमाण पत्र/यू0डी0आई0डी0 कार्ड की छायाप्रति एवं दिव्यांगता प्रदर्शित करती हुए 02 पास्पोर्ट साईज फोटोग्राफ लाना आवश्यक होगा।

16 जुलाई को मानचित्रों को स्वीकृत/निस्तारित करने हेतु समाधान दिवस/कैंप का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आम जन मानस को सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत शमन मानचित्र एवं ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर प्राप्त मानचित्रों को स्वीकृत/निस्तारित करने हेतु जिलाधिकारी/ उपाध्यक्ष रायबरेली विकास प्राधिकरण हर्षिता माथुर की अध्यक्षता में 10 जुलाई 2025 को पूर्वान्ह 10:30 बजे से अपरान्ह 01:30 बजे तक कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन सभागार में आयोजित होने वाला समाधान दिवस/कैम्प का आयोजन अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए, अब दिनांक 16 जुलाई 2025 को पूर्व निर्धारित समय व स्थान पर आयोजित किया जाएगा, जिसमें शमन मानचित्र एवं ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर ग्रुप मानचित्रों की स्वीकृति/निस्तारण एक ही पटल पर किया जायेगा। इस सम्बन्ध में अपना आवेदन शमन मानचित्र प्राधिकरण कार्यालय व भवन मानचित्र ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर जमा कर सकते है। जन मानस से अपील है कि अपने भवनों का शमन/ओ0बी0पी0ए0एस0 पोर्टल पर मानचित्रों की स्वीकृति/निस्तारण कराने हेतु आयोजित समाधान दिवस कैम्प मे उपस्थित होकर निस्तारण करा सकते है।

रायबरेली बनेगी स्मार्ट पालिका, सदर विधायक ने विशेष सचिव नगर विकास के साथ निरीक्षण भवन में की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। विशेष सचिव नगर

विकास महेंद्र बहादुर का आगमन जनपद में हुआ। उन्होंने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में सदर विधायक अदिति सिंह के साथ नगर पालिका को स्मार्ट बनाए जाने और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किए जाने विषयक कार्य योजना ईवी चार्जिंग सेंटर, सेंसर सोलर लाइट, डिजिटल होर्डिंग, डिजिटल आंगनवाड़ी, नगर क्षेत्र में बस संचालन आदि से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस संबंध में उन्होंने नगर पालिका ईओ स्वर्ण सिंह से जानकारी भी ली। विशेष सचिव ने कहा कि पालिका को स्मार्ट बनाने के लिए सभी कार्य योजना समय से तैयार कर ली जाए। इसके लिए संबंधित विभागों का सहयोग भी लिया जाए। इसके उपरांत सदर विधायक और विशेष सचिव नगर विकास ने कैनाल रोड स्थित सिटी रिसोर्स बिल्डिंग का भी निरीक्षण किया। ईओ नगर पालिका को निर्देश दिया की बिल्डिंग के डीपीआर का सीएनडीएस के माध्यम से एक्सेसमेंट कराकर विस्तृत जाँच रिपोर्ट और इसे पूर्ण कराने की आगामी कार्ययोजना शासन को शीघ्र प्रेषित की जाए ताकि अधूरी पड़ी बिल्डिंग का काम शीघ्र अति शीघ्र पूरा करा लिया जाए। कार्य गुणवत्तापूर्ण कराया जाए। किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल अवगत कराया जाए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक विशाल यादव भी उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/दस्तक अभियान की प्रथम अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक संपन्न,मुख्य विकास अधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान/ दस्तक अभियान की प्रथम अंतर्विभागीय समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित महात्मा गाँधी सभागार में की।बैठक में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान में सहयोगी विभागों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा की गई। सीडीओ ने इस अवसर पर अभियान के द्वितीय माह(जुलाई) के पर्यवेक्षण में लगाई गई मॉनिटरिंग एजेंसियों डब्ल्यूएचओ,यूनिसेफ व पाथ संस्था द्वारा कार्यक्रम के संबंध में दिए गए फीडबैक पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान को गंभीरता से लिया जाए इसके लिए जो भी दिशा निर्देश दिए गए हैं उनका पालन कराया जाए।***11से 18 जुलाई तक मनाया जाएगा विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा इसके उपरांत परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 11 से 18 जुलाई 2025 तक विश्व जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा की बैठक हुई।***

बैठक में एसीएमओ डॉ अरविंद ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रकार की गतिविधियां कराने के निर्देश दिए गए हैं। जिसमें सभी विभागों से सहयोग लेते हुए सारथी वाहन के माध्यम से जनपद व ब्लॉक स्तर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम व साधनों के प्रति जन जागरूकता हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जाना है। साथ ही सास-बेटा-बहू सम्मेलन के माध्यम से समस्त नगरीय एवं ग्रामीण आशा के सहयोग से बेटा बहू सम्मेलन का आयोजन किया जाना है। जन जागरूकता के लिए सोशल मीडिया कैंपन का भी आयोजन किया जाएगा। सीडीओ ने इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया उक्त पखवाड़े को संपन्न कराने में अपना अपना सहयोग प्रदान करें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी नवीन चंद्रा, डीडीओ अरुण कुमार व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्री के बी सिन्हा राजकीय बालिका इण्टर कालेज रायबरेली में चला वृक्षारोपण महाभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। विद्यालय श्री के बी सिन्हा राजकीय बालिका इण्टर कालेज देवानन्दपुर रायबरेली परिसर में जिला विद्यालय निरीक्षण रायबरेली द्वारा वृक्षारोपण महाभियान 2025 एवं एक पेड मॉ के नाम 2.0 के अन्तर्गत 225 पौधरोपण कराया गया जिला विद्यालय निरीक्षण रायबरेली द्वारा चन्दन व पीपल बरगद आम नीम अशोक जामुन अमरूद बेल के पौध रोपण किया गया। जनपदीय नोडल डॉ0 राजेश यादव प्रधानाचार्य द्वारा सहजन एवं प्रधानाचार्या डॉ0 बरखा भारती द्वारा नीम का पेड रोपण किया गया एवं एक पेड माँ के नाम के अन्तर्गत 10 छात्राओं एवं उनकी माता जी से पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उपस्थित समस्त अध्यापिकाए एवं स्टाफ, अभिभावक एवं विद्यालय के अन्य सदस्यो ने वृक्षारोपण का कार्यक्रम कराया गया।

आबकारी विभाग ने अवैध शराब निर्माण में दो पर की सुसंगत धाराओं में कार्यवाही,20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

रायबरेली। अवैध शराब के निर्माण , बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण में अपराध निरोधक क्षेत्र एक के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। आबकारी निरीक्षक अखिलेश कुमार, रॉबिन आर्या, रमेश यादव, खगेन्द्र सिंह वर्मा की संयुक्त टीम द्वारा थाना मिलएरिया के अन्तर्गत सिद्धा का पूर्वा, मालिन का पूर्वा में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों / संदिग्ध घरों पर दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान लगभग 20 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई तथा लगभग 200 किलोग्राम महुआ लहन मौके पर नष्ट किया गया तथा आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में 02 अभियोग पंजीकृत किए गए। जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

गुरु के बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया, रॉबट्र्सगंज नगर स्थित मारवाड़ी धर्मशाला राजस्थान भवन में हुआ आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रॉबट्र्सगंज नगर स्थित

मारवाड़ी धर्मशाला राजस्थान भवन बड़ौदा बैंक के पीछे वृहस्पतिवार को प्रातःकालीन सामूहिक योगाभ्यास के बाद पतंजलि किसान सेवा समिति जिला संगठन मंत्री मोहर देव पांडेय के अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा पर्व बड़े धूमधाम से मनाया गया। सभी योग साधक गुरु के चरणों में शीश झुकाए तथा गुरु के बताएं मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सर्वप्रथम प्रमुख शिक्षक ओम प्रकाश यादव व सुनील कुमार श्रीवास्तव का सभी योग साधकों ने स्वागत सम्मान किया।तत्पश्चात यज्ञ, हवन, पूजन व भजन के साथ गुरु पूर्णिमा पर्व मनाया। विमला इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य शिव नारायण लाल श्रीवास्तव व जिला महामंत्री भारत स्वाभिमान सुनील कुमार चौबे द्वारा गुरु की महिमा पर प्रकाश डाला गया। दयानंद मौर्य व शाखा स्वयं सेवक राजेंद्र द्वारा बहुत सुंदर गुरु गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश त्रिपाठी, नगर संरक्षक शेषमणी तिवारी, तहसील प्रभारी दिलीप कुमार सिंह ,नगर संयोजक दिनेश लाल श्रीवास्तव, वरिष्ठ अधिवक्ता/ योग साधक अमरेश चन्द्र त्रिपाठी, चंद्र बहादुर सिंह ,लक्ष्मी नारायण पांडेय ,उमेश तिवारी, धनंजय कुमार मिश्रा, प्रेम प्रकाश शुक्ला ,अशोक कुमार गुप्ता, गोपाल दास केसरी, पुरुषोत्तम, नागेंद्र नाथ चौबे ,रूप नारायण सिंह ,पुरुषोत्तम प्रजापति ,देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अनुराग, रामसेवक पांडेय ,पंचम, अनिल शर्मा,सतनाम , दीपू सहित काफी संख्या में योग साधक उपस्थित रहे, अन्त में शांति पाठ के साथ समापन कर सभी को फल व मिष्ठान खिलाकर गुरु पूर्णिमा पर्व की ढेर सारी बधाई दी गई।

नपा अध्यक्ष ने जल जमाव निकासी स्थल का किया निरीक्षण,पानी निकासी की समुचित व्यवस्था के लिए ईओ व जेई को दिया निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रावटसगंज नगर पालिका क्षेत्र में विगत कई दिनों से हो रही बरसात को लेकर रह वासियों से मिल रहे शिकायतों पर शुक्रवार को नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा वार्डों में पानी निकासी को लेकर निरीक्षण किया गया इस दौरान अधिशासी अधिकारी व जेई को कड़े दिशा निर्देशित किए गए की पानी निकासी को लेकर गंभीरता दिखाते हुए समुचित व्यवस्था तत्काल उपलब्ध काराए किसी भी

प्रकार से नगर के वार्डों में पानी सड़कों पर ना लगे, वही नपा अध्यक्ष ने बताया कि फ्लावर के नीचे अतिक्रमण करने वाले लोगों को तत्काल नोटिस उपलब्ध कराए नोटिस के बाद लोक अतिक्रमण नहीं हटते हैं तो जुर्माना लगाया जाए फिर भी अगर कोई पहल नहीं होती है तो पुलिस प्रशासन की मदद से अतिक्रमण हटाने की व्यवस्था की जाएगी। अध्यक्ष ने बताया कि हो रही बरसात से नगर में पानी निकासी के लिए संबंधित सभासद व नगर पालिका कर्मचारियों को भी पूर्व में भी अवगत कराया गया है पुनः सूचना दिए जाएंगे कि अपने-अपने जल भराव स्थान को चिन्हित कर बताएं जिससे कि उसके समाधान के लिए तत्काल कोई वैकल्पिक प्रबंध किया जा सके इस मौके पर जेई राज कुमार, सभासद अनवर अली, मनोज चौबे,सफाई नायक आकाश,अमित दुबे सहित कई लोग मौजूद रहे।

नरहटी में बारिश से गिरा कच्चा मकान, तीन लोगों की बची जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रहे माया देवी, देवांश कुमार , ज्योति भागने में सफल रहे और वहीं देखते

कोन / सोनभद्र - विकास खण्ड कोन के ग्राम पंचायत चांची कला के नरहटी गांव में रात को हुई भारी बारिश में आनंद कुमार का कच्चा मकान बारिश से धाराशायी हो गया। जहाँ मकान में मकान सो कुमारी बाल-बाल बच गए। जिसके क्रम में माया देवी ने बताया कि वे तीनों एक साथ सो रहे थे कि अचानक रात में भारी बारिश के दौरान अचानक दीवार गिरने की आवाज आई जहाँ चारपाई से उठकर ही देखते दीवार धराशायी हो गया। वहीं मकान स्वामी आनंद कुमार ने कहा कि वे गरीबी के कारण कच्चे मकान में रहते अब वे बेघर हो गए हैं। उन्होंने जिला अधिकारी समेत संबंधित अधिकारियों से मदद की गुहार लगाई है।

दुर्घटनाओं को दावत दे रही गड्ढों में तब्दील कोन-विंढमगंज मार्ग,जलमग्न होने से लोगों की परेशानी बढ़ी,सावन महीने में नहीं बंद हुई मीट मछली की दुकान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोन / सोनभद्र। सोनभद्र जिले के कोन-विंढमगंज मार्ग पर जलजमाव से लोगों जन प्रतिनिधि सहित स्थानीय लोगों ने कई बार प्रदर्शन के साथ संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया फिर

की मुसीबतें बढ़ी। जहाँ वर्षों से गड्ढों में तब्दील सड़क लोगों के जानलेवा साबित हो रहा है। जिसके क्रम में स्थानीय भी आज तक किसी के कान तक इसकी आवाज नहीं पहुंचा जिसका नतीजा है कि आय दिन लोग सड़क पर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। स्थानीय दुकानदार संतोष कुमार व भरतलाल ने बताया कि सड़क गड्ढायुक्त व जल भराव होने से लोगों को बीमारियों से संक्रमण होने के साथ साथ धंधा प्रभावित हो रहा है और वहीं लोग आय दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बताते चलें कि कोन विंढमगंज मार्ग अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है वहीं दूसरी ओर श्रावण मास प्रथम दिन पर जहाँ प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूजा पाठ कर प्रदेशवासियों के लिए मंगल कामनाएं की और वहीं का कचनर वा के लोगों द्वारा बीच बाजार व बागेसोती मार्ग पर मुर्गा, मछली की दुकानें लोगों के लिए मुसीबत बना हुआ है। जहाँ प्रदेश के मुखिया का स्पष्ट निर्देश है कि सड़क किनारे मुर्गा मछली की दुकानें न खोली जाय। जिसके क्रम में बिहारी प्रसाद यादव, प्रदीप, रघुवर, कैलास राम आदि ने जिला प्रसासन से जल निकासी के साथ अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग किया है।

श्रावण मास कावड़ यात्रा - वर्ष 2025 ,जनपद सोनभद्र हेतु यातायात डायवर्जन प्लान

श्रावण मास में कावड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जनपद सोनभद्र में विशेष यातायात डायवर्जन व्यवस्था प्रभावी की जा रही है। यह डायवर्जन प्लान निम्नलिखित तिथियों को लागू रहेगाः14 जुलाई 2025,21 जुलाई 2025, 23 जुलाई 2025 (श्रावण शिवरात्रि) 28 जुलाई 2025, 04 अगस्त 2025 उक्त सभी तिथियों से तीन दिन पूर्व पड़ने वाले शुक्रवार शाम से प्रारंभ होकर मंगलवार तक डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी। यह व्यवस्था यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम यातायात संचालन के दृष्टिगत लागू की जा रही है।

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र।जनपद सोनभद्र से मीरजापुर की तरफ जाने वाले भारी वाहनों को हिन्दुआरी से होकर वाया सुकृत,अहरौरा होते हुये अपने गनतव्य को जायेगें। चोपन की तरफ से आने वाले बड़े/ भारी वाहन जिन्हें मीरजापुर, भदोही व प्रयागराज जाना है वे रा0गंज फ्लाई ओवर ब्रीज होते हुये वाया हिन्दवारी,अहरौरा, टेंगरा मोड़ होते हुये अपने गनतव्य को जायेगें। रायपुर-पन्नूगंज से कस्बा रा0गंज या घोरावल तथा चोपन रोड पर जाने वाले भारी वाहन बेलखुरी मोड़ से मधुपुर होते हुये अपने गन्तव्य को जायेगें। घोरावल-शाहगंज रोड से रा0गंज शहर की तरफ आने वाले भारी वाहन शाहगंज तिराहे से वाया राजगढ़ होकर अपने गनतब्य को जायेगें । मारकुण्डी की तरफ से कचहरी होते हुये पन्नूगंज जाने वाले भारी वाहन रा0गंज फ्लाई ओवर ब्रीज होते हुये मधुपुर से बेलखुरी तिराहा होकर अपने गनतव्य को जायेगी।राजगढ़/ रा0गंज की ओर से ट्रैक्टर से आने वाले श्रद्धालुओं/ कांवरियों को शाहगंज से 04 किमी0 आगे ओदार नामक स्थान से सीधे शिवद्वार मंदिर घोरावल की ओर मोड़ दिया जायेगा। विजयगढ़ किला से वाया रा0गंज-शाहगंज से कस्बा घोरावल होते हुए शिवद्वार मंदिर को जाने वाले कांवड मार्ग पर रा0गंज क्षेत्रान्तर्गत छपका तिराहा व धर्मशाला तिराहा पर कांवरियों की भीड़ बढ़ने पर,वाहनों को रोककर कांवरियों/ श्रद्धालुओं को पास कराया जाता है । कस्बा रा0गंज में डायवर्जन हेतु कोई वैकल्पिक मार्ग नही है, फिर भी जिलाधिकारी कार्यालय मुख्य मार्ग गेट से छपका तिराहा होते हुये धर्मशाला चौराहा तक भीड़ बढ़ने पर वन-वे किया जायेगा।

पुलिस अधीक्षक सोनभद्र के निर्देशन में जनपद सोनभद्र के समस्त थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज-5.0' के तहत आज दिनांक 11.07.2025 को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम/ एण्टीरोमियो टीम व महिला पुलिस कर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र में प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

एबीवीपी के 77 वें स्थापना दिवस (राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस) के पखवाड़ा के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज दिनांक 11

जुलाई 2025 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का 77वां स्थापना दिवस (राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस) पखवाड़ा के अंतर्गत जनजाति विद्यार्थी कार्य के माध्यम से रॉबट्र्सगंज के उरमौरा में स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय बालिका विद्यालय एवं राजकीय अनुसूचित जनजाति छात्रावास (बालिका) निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया चूंकि एबीवीपी के स्थापना दिवस इस अवसर को 'राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस' के रूप में मनाया जाता है जो राष्ट्र निर्माण में छात्रशक्ति के योगदान को समर्पित है। अभाविप के कार्यकर्ता देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों में संगोष्ठियों, छात्र रैलियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, और रक्तदान शिविरों का आयोजन कर इस पर्व को बड़ी धूम धाम से मनाते हैं। परिषद के कार्यकर्ताओं ने छात्रहित, शिक्षा सुधार और राष्ट्रभक्ति जैसे विषयों पर संवाद स्थापित किया। प्रवासी कार्यकर्ता प्रदेश जनजाति विद्यार्थी कार्य संयोजक श्री मनमोहन निषाद ने इस अवसर पर कहा की 'छात्र केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के जिम्मेदार कर्ताधारी हैं। एबीवीपी का उद्देश्य विद्यार्थियों को राष्ट्र के प्रति सजग और समर्पित बनाना है। राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस, छात्रों की ऊर्जा और संकल्प को एक दिशा देने का प्रयास है।' विद्यार्थी परिषद छात्रों को कल का नही अपितु आज का नागरिक मानते हुए उनके अंदर नेतृत्व क्षमता विकसित कर रही है। वही प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनमोल सोनी ने बताया की अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) जिसकी स्थापना 9 जुलाई 1949 को हुई थी, आज यह भारत ही नही अपितु विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन चुका है। यह संगठन न केवल शैक्षणिक परिसरों में छात्र कल्याण के लिए कार्य करता है, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय योगदान भी देता है। प्राचार्य डॉ. कल्पना सिन्हा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया और विद्यार्थी को अध्ययन के साथ साथ देशहित व समाजहित के कार्यक्रम मे सम्मिलित होते हुए अपनी भूमिका सुनिश्चित करने का आह्वान किया। इस शिविर में कुल 410 स्कूली विद्यार्थी 40 शिक्षक शिक्षिका एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों ने लाभ प्राप्त किया। इस दौरान प्रवासी कार्यकर्ता प्रदेश जनजाति विद्यार्थी कार्य संयोजक श्री मनमोहन निषाद, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अनमोल सोनी, नगर सह मंत्री अभय मौर्य उपस्थित रहे।

प्राप्त जन शिकायतों के त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद के समस्त

राजपत्रित पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थानों पर सुनी जा रही जन शिकायतें।प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक- 11.07.2025 को श्री अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/ शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

विश्व जनसंख्या दिवस पर निकाली गई सारथी वाहन रैली,नगर स्थित सीएमओ ऑफिस से हरी झंडी दिखाकर हुई रवाना,जिले के सभी ब्लॉकों में 11 जुलाई से 18 तक चलेगा अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। रावटसगंज नगर स्थित

सीएमओ कार्यालय पर शुक्रवार को सीएमओ डॉक्टर अश्वनी कुमार द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस जन जागरूकता सारथि वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। वहीं सीएमओ डॉ अश्वनी कुमार ने बताया कि विश्व जनसंख्या दिवस एव स्थिरता पखवाड़ा अभियान चलाया जा रहा है जो 11 जुलाई से 18 जुलाई तक चलेगा जिले के सभी ब्लाकों पर वाहनों के माध्यम से गांव-गांव तक पहुंच कर लोगों को जन जागरूक करने का काम किया जाएगा,जिसमें आज के दिन ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगवा, करमा, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र,ककरही, एवं चतरा में भी आयोजित किया गया है। वहीं सीएमओ ने बताया कि हर साल 11 जुलाई को वैश्विक जनसंख्या वृद्धि से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1989 में स्थापित, यह दिवस परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान आकर्षित करता है।अब जब वैश्विक जनसंख्या 8 अरब से अधिक हो गई है, विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह सुनिश्चित करने की हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी की याद दिलाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य, शिक्षा और प्रजनन एवं पारिवारिक जीवन के बारे में सूचित निर्णय लेने की स्वतंत्रता प्राप्त हो।वही अश्वनी कुमार ने कहा कि युवाओं को एक निष्पक्ष और आशावान दुनिया में अपने मनचाहे परिवार बनाने के लिए सशक्त बनाना,यह विषय प्रजनन क्षमता पर प्रकाश डालता है–यह सुनिश्चित करना कि दुनिया की अब तक की सबसे बड़ी युवा पीढ़ी के पास अधिकार, साधन और अवसर हों ताकि वे इस बारे में सोच-समझकर निर्णय ले सकें कि उन्हें कब, कितने और कितने बच्चे पैदा करने हैं । इस मौके पर डॉ . आर. जी.यादव डी. टी. ओ ,डॉ. जी. एस. यादव नोडल फैमिली प्लानिंग, डॉ. पी. के. राय,अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर. सी. एच. ,रिपुंजय श्रीवास्तव डी.पी. एम. एन.एच. एम आदि लोग मौजूद रहे।

गोंगपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच किया प्रदर्शन,एसपी से मिलकर जान माल की सुरक्षा की उठाई मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) कार्यकर्ताओं ने दबंगों से परेशान दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के दर्जनों गांवों से आए आदिवासियों के साथ शुक्रवार को कलेक्ट्रेट पहुंच कर प्रदर्शन किया और अपने 20 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एडीएम रमेशचंद्र यादव को सौंपा। इसके अलावा एसपी एके मीणा से मुलाकात कर जानमाल की सुरक्षा की मांग उठाई। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के जिलाध्यक्ष रामनरेश पोया ने कहा कि आदिवासियों का उत्पीड़न किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके लिए चाहे जितना बड़ा संघर्ष क्यों न करना पड़े किया जाएगा। जिला प्रवक्ता एडवोकेट संतोष कुमार ने कहा कि दबंगों द्वारा आदिवासियों का घर व मकान ढहा दिया गया है। जमीन भी हड़पने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा दहशत भी फैलाया जा रहा है। जिसकी वजह से आदिवासियों का जीना दुश्वार हो गया है। अगर शीघ्र मामले को गम्भीरता से नहीं लिया जाता तो किसी भी दिन बड़ी घटना घटित हो सकती है। दिए ज्ञापन पत्र में आरोप लगाया गया है कि दबंगों द्वारा बाबूलाल, रामसुंदर, रामप्रसाद, लालबहादुर, अमृतलाल, रीता देवी व लीलावती की जमीन हड़पने व घर ढहाने का प्रयास किया जा रहा है। आए दिन जाति सूचक शब्दों से गाली देकर अपमानित करने के साथ ही दहशत फैलाने का काम किया जा रहा है। दबंगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई किए जाने, जानमाल की सुरक्षा करने, आदिवासी इलाकों में निःशुल्क दवा वितरण कराए जाने, आंगनवाड़ी केंद्र खोले जाने, कल कारखानों में नौकरी के साथ ही रोजगार दिलाने, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी, पेंशन आदि मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने की मांग की गई है। दोनों अधिकारियों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जुरेल ने चोटिल पंत की जगह विकेटकीपिंग की,रेड्डी को 1 ओवर में 2 विकेट,रूट के भारत के खिलाफ 3000 टेस्ट रन पूरे

नयी दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला जा रहा है। गुरुवार को मुकाबले के पहले दिन भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत चोटिल हो गए। उनकी जगह ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की। नीतीश रेड्डी ने अपने पहले ही ओवर में 2 विकेट लिए। वहीं जो रूट ने भारत के खिलाफ 3 हजार टेस्ट रन पूरे कर लिए।लॉर्ड्स टेस्ट में पहले दिन के मोमेंट्स- 1. तेंदुलकर ने घंटी बजाकर मैच शुरू किया क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने ऐतिहासिक लॉर्ड्स स्टेडियम में लगी घंटी बजाकर मैच शुरू कराया। घंटी बजते ही दोनों देशों का राष्ट्रगान हुआ और कुछ देर बाद ही मैच की पहली गेंद फेंकी गई। 2. एमसीसी म्यूजियम में सचिन की पेंटिंग लगी लंदन में बने क्रिकेट के एमसीसी म्यूजियम में सचिन तेंदुलकर की पेंटिंग लगाई गई। मुकाबला शुरू होने से पहले तेंदुलकर की पेंटिंग का उद्घाटन किया गया। सचिन की 2007 में ली गई फोटो की पेंटिंग आर्टिस्ट स्टुअर्ट पियर्सन राइट ने बनाई। फोटो साल खत्म होने तक एमसीसी म्यूजियम में रहेगी, जिसे 2026 में लॉर्ड्स के पवेलियन में लगाया जाएगा।3.

रेड्?डी को पहले ओवर में 2 विकेट नीतीश कुमार रेड्डी 14वें ओवर में पहली बार बॉलिंग करने आए। उन्होंने इस ओवर में इंग्लैंड के दोनों ओपनर को पवेलियन भेज दिया। रेड्डी ने ओवर की तीसरी गेंद बेन डकेट को बाउंसर फेंकी और उन्हें विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। फिर ओवर की आखिरी बॉल पर जैक क्रॉली को भी कॉट बिहाइंड करा दिया। इसी ओवर की चौथी बॉल पर कप्तान शुभमन गिल से गली पोजिशन में ओली पोप का कैच छूट गया। रेड्डी ने ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ पर आउट स्विंगर फेंकी। पोप ड्राइव करने गए, लेकिन गेंद गिल की ओर चली गई। उन्होंने डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई।4. पंत चोटिल हुए, जुरेल ने विकेटकीपिंग की 34वें ओवर में जसप्रीत बुमराह की बॉलिंग पर विकेटकीपिंग करने के दौरान विकेटकीपर ऋषभ पंत चोटिल हो गए। बुमराह ने लेग स्टंप के बाहर बॉल फेंकी, पंत ने डाइव लगाकर गेंद पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से टकराकर बाउंड्री की ओर चली गई। पंत की उंगली चोटिल हो गई, टीम फिजियो उन्हें चेक करने के लिए आया और पंत को अपने साथ ले गया। 35वें ओवर से फिर 12वें खिलाड़ी ध्रुव जुरेल ने पंत की जगह विकेटकीपिंग की। उन्होंने ओली पोप का कैच भी पकड़ा।5. रूट के भारत के खिलाफ 3 हजार टेस्ट रन पूरे इंग्लैंड के मिडिल ऑर्डर बैटर जो रूट ने भारत के खिलाफ टेस्ट में 3 हजार रन पूरे कर लिए। वे भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर भी हैं। रूट ने अपनी पारी में 45वां रन बनाते ही 3 हजार टेस्ट रन पूरे किए। रूट एक टीम के खिलाफ 3 हजार प्लस टेस्ट रन बनाने वाले दुनिया के 9वें ही प्लेयर बने। रूट ने मुकाबले के पहले दिन फिफ्टी भी लगाई। यह टेस्ट करियर में उनकी 67वीं हाफ सेंचुरी है। वे टेस्ट में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने के रिकॉर्ड में अब सचिन तेंदुलकर से महज 2 फिफ्टी दूर हैं। सचिन के नाम 68 टेस्ट फिफ्टी हैं।6. जडेजा ने रूट को रन लेने का लालच दिया पहले दिन का 83वां और आखिरी ओवर आकाशदीप ने फेंका। उन्होंने ओवर की चौथी बॉल ऑफ स्टंप के बाहर फेंकी। जो रूट ने कट शॉट खेला और गेंद डीप बैकवर्ड पॉइंट पर खड़े रवींद्र जडेजा के पास चली गई। रूट ने एक रन पूरा किया, इतने में जडेजा ने गेंद उठा ली। जडेजा ने फिर रूट को लालच दिया कि वे एक और रन दौड़ लें और उन्होंने गेंद जमीन पर रख दी। रूट आधी पिच तक आ भी गए, लेकिन दूसरे एंड पर बेन स्टोक्स आगे नहीं बढ़े। रूट को 1 ही रन मिला और वे दिन का खेल खत्म होने तक 99 रन पर ही नॉटआउट रहे।

रेड्डी ने बॉलिंग में सुधार का श्रेय कमिंस-मॉर्कल को दिया,बोले- उनके साथ काम से सुधार हुआ,लॉर्ड्स टेस्ट में पहले दिन 2 विकेट लिए

नयी दिल्ली। भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन दो विकेट झटके। उन्होंने उम्मीद है वो करना चाहता हूं। मुझे लगता है कि मैं अब तक वैसा करने में सफल रहा हूं। मैंने आज जिस तरह से

अपने पहले ही ओवर में इंग्लैंड के दोनों ओपनर बेन डकेट और जैक क्रॉली को आउट किया। नीतीश ने अपने आईपीएल कप्तान पैट कमिंस और भारतीय बॉलिंग कोच मोर्ने मॉर्कल को अपनी गेंदबाजी में आए सुधार का श्रेय दिया है। रेड्डी ने पहले दिन का खेल खत्म होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद मुझे महसूस हुआ कि मुझे अपनी बॉलिंग पर काम करने की जरूरत है। मैंने पैट से जब इस बारे में बात की तो उन्होंने मुझे बताया कि मुझे ऑस्ट्रेलिया में कैसी गेंदबाजी करनी चाहिए थी और मैं ऑस्ट्रेलिया में कैसी गेंदबाजी कर सकता हूं। यह मेरे लिए बड़ा अनुभव था।' उन्होंने आगे कहा, 'इस दौरे की शुरुआत से पहले मॉर्कल के साथ काम करना भी मेरे काम आया। वह पिछले कुछ हफ्ते से मेरे साथ लगातार काम कर रहे हैं और हमने मेरी गेंदबाजी में बहुत सुधार देखा है। उनके साथ काम करने में मजा आ रहा है।' मैं मूवमेंट का लुत्फ उठाना चाहता हूं रेड्डी ने कहा, 'आईपीएल सीजन के अंत में मैंने गेंदबाजी करना शुरू किया और मुझे अच्छा महसूस हुआ। मैं मूवमेंट का लुत्फ उठाना चाहता हूं और मेरी टीम को मुझसे जो गेंदबाजी की उससे मैं खुश हूं और कल भी मैं ऐसी ही गेंदबाजी करना चाहता हूं।'उन्होंने कहा, 'मुझे दोनों ओर स्विंग मिलती है इसलिए हम लगातार मेरी निरंतरता पर काम कर रहे हैं। मैं काफी मेहनत कर रहा हूं लेकिन आखिरी में चीजों को समझना और खुद पर विश्वास रखना सबसे अहम है। जब आप खुद पर विश्वास करते हैं तभी आपकी कड़ी मेहनत रंग लाती है। और मुझे अब यह बात समझ आ रही है।' रेड्डी को पहले ओवर में 2 विकेट, ओपनर्स आउट लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन भारतीय कप्तान शुभमन गिल 14वें ओवर में नीतीश कुमार रेड्डी को लेकर आए।

रेड्डी ने अपने पहले ओवर में दो विकेट झटके।ओवर की तीसरी बॉल पर बेन डकेट को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। डकेट 23 रन बनाकर आउट हुए। ओवर की चौथी बॉल पर कप्तान शुभमन गिल से स्लिप पर ओली पोप का कैच ड्रॉप हुआ। यहां पोप ने पहली बॉल का सामना किया था। ओवर की आखिरी बॉल पर जैक क्रॉली को विकेटकीपर ऋषभ पंत के हाथों कैच कराया। क्रॉली 18 रन बनाकर आउट हुए। रेड्डी ने इस ओवर में महज 5 रन दिए।

विंबलडन सेमीफाइनल में हारीं नंबर-1 एरिना सबालेंका,अमेरिका की एनिसिमोवा फाइनल में पहुंचीं,स्वातेक ने सीधे सेटों में सेमीफाइनल जीता

लंदन। विमेंस टेनिस सिंगल्स में नंबर-1 रैंक बेलारूस की एरिना सबालेंका को विंबलडन सेमीफाइनल में हारकर बाहर होना पड़ा। उन्हें अमेरिका की अमांडा

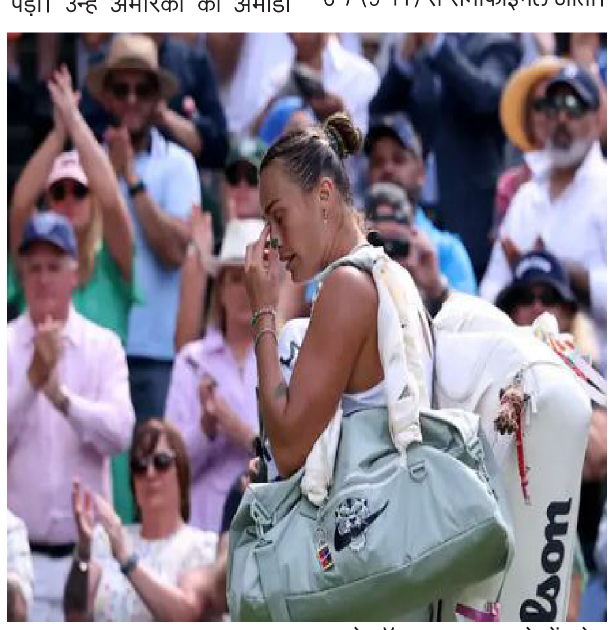

एनिसिमोवा ने 3 सेट के सेमीफाइनल में हरा दिया। दूसरे सेमीफाइनल में वर्ल्ड नंबर-8 पोलैंड की इगा स्वातेक ने जीत दर्ज कर ली। 12 जुलाई को फाइनल में उनका सामना एनिसिमोवा से ही होगा। स्वातेक सीधे सेटों में जीतीं विमेंस सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में एनिसिमोवा ने सबालेंका को 6-4 से पहला सेट हरा दिया। सबालेंका ने वापसी की और दूसरा सेट 6-4 के अंतर से ही जीत लिया। एनिसिमोवा ने फिर कमबैक किया और तीसरा सेट 6-4 से अपने नाम कर मैच भी जीत लिया। दूसरे सेमीफाइनल में स्वातेक ने स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनकिक को 6-2, 6-0 के अंतर से सीधे सेटों में ही हरा दिया।मेंस डबल्स में भी दोनों सेमीफाइनल के नतीजे आ गए। वर्ल्ड नंबर-1 और नंबर-4 जोड़ी को हार का सामना करना पड़ गया। अल साल्वाडोर के मार्सेलो अरेवालो और क्रोएशिया के मैट पाविच की नंबर-1 जोड़ी को नीदरलैंड के डेविड पेल और ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाता की गैर वरीय जोड़ी ने 3 सेट में हराया। दोनों ने 7-6 (7-2), 6-7 (5-7), 6-7 (9-11) से सेमीफाइनल जीता। दूसरे नॉकआउट मुकाबले में स्पेन के मार्सेल ग्रानोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबालोस की नंबर-4 जोड़ी को ब्रिटेन के लॉयड ग्लासपूल और जूलियन कैश की नंबर-5 जोड़ी ने सीधे सेट में हराया। ब्रिटिश पेयर ने 6-3, 6-4 से मुकाबला जीता। मेंस सिंगल्स का सेमीफाइनल लाइन-अप मेंस सिंगल्स में नोवाक जोकोविच, जैनिक सिनर, कार्लोस अल्काराज और टेलर फ्रिट्ज ने सेमीफाइनल में जगह बना ली। टॉप-4 के मुकाबले 11 जुलाई को खेले जाएंगे। 9 जुलाई को देर रात वर्ल्ड नंबर-1 इटली के जैनिक सिनर ने अमेरिका के बेन शेल्टन को 7-6 (7-2), 6-4, 6-4 के अंतर से हराकर बाहर किया। सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने इटली के फ्लाविया कोबोली को 4 सेट में हराया। जोकोविच ने पहला सेट 6-7 (6-8) के अंतर से गंवाया। हालांकि, उन्होंने वापसी की और 6-2, 7-5, 6-4 से बाकी 3 सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

बांग्लादेश प्रीमियर लीग चुनाव के चलते पोस्टपोन होगी:चैयरमैन अनाम बोले- टूर्नामेंट मई में हो सकता है, नए स्टेडियम होंगे शामिल

ढाका। बांग्लादेश प्रीमियर लीग पोस्टपोन हो सकता है। बीपीएल के चेयरमैन महबूब अनाम ने कहा है कि आने वाला बीपीएल सीजन दिसंबर-जनवरी की जगह मई में कराया जा सकता है। महबूब अनाम ने यह जानकारी गुरुवार (10 जुलाई) को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुई बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की आपात बैठक के बाद दी। अनाम ने कहा,यह फैसला देश में 2026 की शुरुआत में होने वाले आम चुनावों को ध्यान में रखकर लिया जाएगा। इससे एक दिन पहले ही चीफ एडवाइजर प्रो. मुहम्मद यूनुस ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिया था कि वे दिसंबर तक चुनाव की तैयारी पूरी कर लें। सरकार के फैसले के बाद आगे की बात करेंगे- महबूब महबूब ने कहा, बीपीएल की तारीख चुनावों के कारण बदल सकती है। यह या तो दिसंबर से पहले होगा या फिर मई में कराए जाने की योजना है। सरकार के फैसले के बाद ही हम अगला कदम उठाएंगे।बीपीएल आयोजन में पहले कई बार विवाद हो चुके हैं। इस बार बीपीएल (बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) एक अनुभवी स्पोर्ट्स मार्केटिंग एजेंसी को नियुक्त करना चाहता है, जो पहले इंटरनेशनल टी 20 लीग्स का आयोजन कर चुकी हो। आयोजन पर महबूब ने कहा, पहले हमने कुछ अनाड़ी एजेंसियों को जिम्मेदारी दे दी थी जिससे नुकसान हुआ। इस बार अनुभवी और योग्य एजेंसी को ही चुना जाएगा।

गुरुग्राम में इंटरनेशनल टेनिस खिलाड़ी की हत्या,एकेडमी चलाने से नाराज ?पिता ने मारी 3 गोलियां, बोला- लोग ताने मारते थे

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम में इंटरनेशनल स्तर की टेनिस खिलाड़ी राधिका यादव की उसके ही पिता ने गोली मारकर हत्या कर दी। बाप-बेटी के बीच टेनिस एकेडमी को लेकर विवाद की खबर है। परिजन के मुताबिक एकेडमी के लिए सवा करोड़ रुपए पिता दीपक यादव ने ही दिए थे। एक महीने बाद ही उसने एकेडमी बंद करने के लिए बेटी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। परिजन के मुताबिक 15 दिन से घर में क्लेश था। बाप-बेटी में रोजाना झगड़ा हो रहा था। पुलिस की शुरूआती जांच में सामने आया है कि राधिका टेनिस एकेडमी चलाती थी, जिससे अच्छी कमाई हो रही थी। उसके पिता को लोग ताने मारते थे कि बेटी की कमाई खा रहा है। आरोपी पिता ने उसे टेनिस एकेडमी बंद करने को कहा। मगर, राधिका नहीं मानी और दोनों के बीच बहस हो गई। जिसके बाद आरोपी ने गुस्से में आकर उसे गोलियां मार दीं। मामला गुरुग्राम के सेक्टर 57 स्थित सुशांत लोक फेस टू में सामने आया। चाचा की एफआईआर में क्या, 3 पॉइंट- 1. किचन में खाना बनाते वक्त 3 गोलियां मारींआरोपी दीपक के भाई कुलदीप यादव ने पुलिस में शिकायत की। कुलदीप ने बताया कि गुरुवार सुबह दीपक का अपनी बेटी राधिका के साथ एकेडमी बंद करने को लेकर विवाद हुआ था। जब राधिका किचन में खाना बना रही थी, उसी वक्त दीपक ने पीछे से उसे अपनी लाइसेंसी पिस्टल से 3 गोलियां मार दीं। 2. रसोई में खून से लथपथ पड़ी थी राधिका कुलदीप ने कहा कि सुबह के समय मैं ग्राउंड फ्लोर पर था। मैंने तेज आवाज सुनी और जब मैं पहली मंजिल पर गया तो राधिका को रसोई में खून से लथपथ पड़े पाया। जबकि पिस्टल ड्राइंग रूम में पड़ी थी। मैं और मेरा बेटा उसे एशिया मैरिंगो अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। 3. मर्डर के बाद वहीं बैठा रहा पिता कुलदीप के कहा मेरे भाई ने .32 बोर की पिस्टल

का इस्तेमाल किया और वह उसी की थी, जिसका लाइसेंस भी है। राधिका किचन में खून से लथपथ पड़ी थी और दीपक भी पास में बैठा था। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने दीपक को हिरासत में ले लिया।पिता की जुबानी- बेटी राधिका यादव बड़ी खिलाड़ी थीः सेक्टर थाना 57 के प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि आरोपी दीपक बिल्डर है। फ्लैट बनाकर किराए पर देता है। पूछताछ में दीपक ने कहा कि राधिका बड़ी खिलाड़ी थी। नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर कई पदक जीत चुकी थी। इस बात पर पूरे परिवार को गर्व था। मैं भी बेटी राधिका पर गर्व करता था। कंधे में चोट लगी तो टेनिस एकेडमी खोल लीः दीपक ने कह कि करीब 3 माह पहले राधिका के कंधे में चोट लग गई थी। यह चोट टेनिस खेलते वक्त ही लगी थी। उन्होंने डॉक्टर से इलाज कराया। चोट से तो आराम मिल गया, लेकिन बेटी ने टेनिस खेलना छोड़ दिया। इसके बाद राधिका ने अपनी एकेडमी खोल ली, जहां वह लड़के-लड़कियों को टेनिस सिखाती थीं।लोग मारते थे ताना, बेटी की कमाई खा रहा हैः दीपक ने आगे कहा कि जब मैं दूध लेने जाता था तो लोग ताना मारते थे। कहते थे तेरी बेटी तो बढ़िया पैसा कमा रही है। तेरे मजे है, तू बेटी की कमाई खा रहा है। मजे हैं तेरे और तेरे परिवार के। लोगों की यह बात मुझे चुभती थी। मैंने कई बार इस बारे में राधिका से भी बात की थी। बेटी को खेल छोड़ने का कहा, नहीं मानी, झगड़ा कियाः दीपक ने कहा कि लोगों के ताने सुन-सुनकर मैं परेशान हो गया था। मैंने राधिका से कहा था कि ये एकेडमी बंद कर दे। हमारा परिवार संपन्न है, कोई दिक्कत नहीं होगी। इस पर राधिका ने कहा था कि लोग क्या कहते हैं, मुझे इसकी परवाह नहीं है। खेल ने उसका करियर बनाया है, तो इससे पैसा कमाना कौन सी बुरी बात है।गुरुवार को भी समझाया, नहीं मानी तो गोली मार दीः दीपक ने आगे कहा कि गुरुवार को भी मैंने राधिका से एकेडमी न जाने के लिए कहा था, मगर वह नहीं मानी। मुझे झगड़ने लगी। लोगों के तानों की वजह से मैं काफी परेशान हो चुका था। ऐसे में जब बेटी नहीं मानी तो अपनी लाइसेंसी पिस्टल से उसे गोली मार दी। इंटरनेशनल लेवल पर भी पहचान बना चुकी थीं राधिका- करियर की हाई आईटीएफ रैंकिंग लगभग 1638 रहीः राधिका यादव नेशनल स्तर की टेनिस खिलाड़ी थीं। 23 मार्च, 2000 को जन्मी राधिका ने कई इंटरनेशनल टेनिस फेडरेशन और विमेंस टेनिस एसोसिएशन टूर्नामेंट्स में भाग लिया था। राधिका के करियर की हाई आईटीएफ रैंकिंग लगभग 1638 रही है। राधिका ने महिला युगल वर्ग में हरियाणा में पांचवां स्थान हासिल किया। ट्यूनीशिया में हुए डब्लू15 टूर्नामेंट में पहुंचीः राधिका जून 2024 में ट्यूनीशिया में हुए डब्लू 15 टूर्नामेंट में पहुची थी। इसके अलावा फरवरी 2017 में ग्वालियर में हुए मैच में राधिका का सामना ताइवान की खिलाड़ी हसीन-युआन शिह से हुआ था। राधिका का रजिस्ट्रेशन ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन में भी है। एकल और युगल मुकाबलों में कई बार बढ़ाया मानः एआईटीए गर्ल्स अंडर-18 वर्ग में राधिका 22 जनवरी, 2018 को 75वें स्थान पर पहुंचीं थी। एआईटीए महिला एकल में वे 12 फरवरी, 2018 को 35वें स्थान पर पहुंचीं थी। महिला युगल में 5 अप्रैल, 2021 को राधिका का सर्वश्रेष्ठ 53वां स्थान रहा। महिला युगल में शीर्ष 100 में 112 सप्ताह तक अपना स्थान बनाए रखा। एआईटीए महिला युगल में शीर्ष 100 में जगह बनाने वाली राधिका हरियाणा की केवल चार खिलाड़ियों में से एक थीं। 4 नवंबर 2024 तक महिला युगल में उनकी आईटीएफ रैंकिंग 113 करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंक थीं। पिता को घर से ही अरेस्ट किया। एसएचओ विनोद कुमार ने बताया कि आरोपी दीपक यादव को घर से ही अरेस्ट किया है। पुलिस इस मामले की आगे जांच कर रही है। आज शव का पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा।

गिल के बाद पंत ने ड्यूक बॉल पर सवाल उठाए,कहा- कभी गेंद को इतना खराब होते नहीं देखा,समझिये पूरी कंट्रोवर्सी

लंदन। भारत के इंग्लैंड टूर के बीच ड्यूक बॉल का विवाद

थमाने का नाम नहीं ले रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल के बाद बुधवार को उपकप्तान ऋषभ पंत ने ड्यूक बॉल की क्वालिटी पर सवाल उठाए हैं। 27 साल के भारतीय विकेटकीपर ने एक सवाल के जवाब में कहा- 'मैंने अपने करियर में कभी गेंद को इतनी जल्दी खराब होते नहीं देखा।' ऋषभ ने लीड्स टेस्ट के तीसरे दिन भी अंपायर्स से बॉल खराब होने की शिकायत की थी। इतना ही नहीं, वे बॉल नहीं बदलने पर अंपायर पर भड़क भी गए थे। इस पर आईसीसी ने उन्हें फटकार लगाई थी और एक डिमेरिट पॉइंट दिया था। भारत के इंग्लैंड दौरे में उपयोग होने वाली ड्यूक बॉल जल्दी खराब

हो रही है। इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स सहित कई खिलाड़ी अंपायर्स से गेंद बदलने की मांग कर चुके हैं। गेंद खराब होने से गेंदबाजों को मदद नहीं मिल पा रही और बैटिंग आसान हो रही है।आगे समझिए बॉल जल्दी क्यों खराब हो रही और इससे गेम में क्या असर पड़ता है?ड्यूक बॉल पर विवाद बढ़ने के पीछे ये दो बयान हैं। 2 दिन पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने बर्मिंघम टेस्ट जीतने के बाद गेंद की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। गिल के बाद पंत ने भी बयान दिया है। दो बयान- 1. भारत के उप कप्तान ऋषभ पंत- 'गेंद बहुत जल्दी अपनी शेप खो रही है। यह खिलाड़ियों के लिए परेशान करने वाली बात है, क्योंकि जब गेंद नरम हो जाती है, तो उससे कोई मदद नहीं मिलती। फिर जब नई गेंद आती है, तो वो (बॉल) अचानक बहुत कुछ (स्विंग, सीम और जंप) करने लगती है। यह क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।' भारतीय कप्तान शुभमन गिल- 'गेंद बहुत जल्दी नरम हो रही है। मुझे नहीं पता कि यह क्या है, यह विकेट हो या कुछ और। लेकिन, यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल है। गेंदबाजों के लिए थोड़ी मदद होनी चाहिए।'ड्यूक बॉल जल्दी खराब क्यों हो रही? लेदर की क्वालिटी समझौता एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि इसे बनाने वाली कंपनी ने बॉल की सिलाई और लेदर क्वालिटी में समझौता किया है। इससे गेंद जल्दी घिस जाती है और शेफ खो रही है। वातावरण में नमी व बादल इंग्लैंड में इस समय समर सीजन चल रहा है। एजबेस्टन में बारिश भी हुई थी। वहां के मौसम में इस समय नमी और बादल थे। ज्यादा नमी या फिर गीली आउटफील्ड गेंद को वजनी और सॉफ्ट बना देता है। इससे सिलाई ढीली होती है। फ्लैट पिचें बनवाई जा रही इंग्लैंड में इस सीरीज में अब तक सपाट और कम घास

वाली पिचें देखने को मिली हैं। इससे बॉल ज्यादा रगड़ खा रही है और जल्दी खराब हो रही है। पिछले मैच में तो भारतीय टीम ने 1000 से ज्यादा रन बना दिए थे।गेंद सॉफ्ट होने पर बल्लेबाजी बेहद आसान हो जाती है। इसमें बॉलर्स के लिए कोई मदद नहीं होती है। बॉल की स्पीड कम हो जाती है, साथ ही जंप भी कम हो जाता है। इसके अलावा, बॉल का आकार बड़ा होने पर इसको पकड़ (ग्रिप) भी कठिन होने लगता है। ड्यूक बॉल बनाने वाले दिलीप जगजोडिया ने गेंद की गुणवत्ता पर इंडियन एक्सप्रेस से कहा- 'इस बार इंग्लैंड में गर्मी ज्यादा है और पिचें सूखी व सपाट हैं। इन हालातों में गेंदबाजों को विकेट लेने में परेशानी हो रही है। आगे 3 सवाल- सवाल-1ः गेंद जल्दी नरम क्यों हो रही है? हर गेंद को 80 ओवर तक चलना होता है। उसी के हिसाब से बॉल धीरे-धीरे नरम होती है, लेकिन आज के समय में खिलाड़ी और दर्शक जल्दी परिणाम चाहते हैं। अगर 30 ओवर में विकेट नहीं मिले तो खिलाड़ी तुरंत नई गेंद मांगने लगते हैं। फिर भी तो रिजल्ट आए हैं, भारत ने 20 विकेट भी लिए और मैच पांच दिन चला, इससे ज्यादा क्या चाहिए? सवाल-2ः प्लेयर्स की शिकायत पर क्या कहेंगे? क्रिकेट एक बदलता हुआ खेल है। इस बार गर्मी ज्यादा है, पिचें सूखी हैं और कवर की गई थीं, जिससे उनमें नमी नहीं है। ऐसे में रन बनना भी आसान हो गया है। अगर मैच ढाई दिन में खत्म हो जाए तो लोग कहते हैं गेंदबाजों को मदद मिल रही है। अगर 5 दिन में रिजल्ट आए तो फिर गेंद की आलोचना होने लगती है। सवाल-3ः सॉफ्ट और हार्ड बॉल के बीच संतुलन कैसे बनाए रखते हैं? अगर हम बहुत सख्त गेंद बनाएंगे तो बल्ले टूटने लगेंगे। हमें ध्यान रखना होता है कि नियमों के अनुसार गेंद 80 ओवर तक धीरे-धीरे खराब होनी चाहिए। अगर 20 ओवर में ही खिलाड़ी कहें कि गेंद काम नहीं कर रही, तो ये सही नहीं है। हां, अगर कोई असली खराबी है तो गेंद बदली जा सकती है।

मौसम का विरोधाभासी व्यवहार चिंताजनक संकेत देता है

आज दुनिया में मौसम जिस तरह से चकमा दे रहा है और पारिस्थितिकी-तंत्र जैसे रूप बदल

रहा है, उसे किस तरह से लिया जाए? एक तरफ तो ये वर्ष दुनिया के लिए गर्म रहा, वहीं अपने देश में सब कुछ सामान्य दिखाई दिया। इतना ही नहीं, मौसम के पैटर्न ने पारिस्थितिकी समझ को भी चकरा दिया। इस वर्ष कुछ देशों में गर्मी ने फिर वही हालात बनाए रखे, जैसे कि गत वर्षों में थे। और अन्य जगह सब कुछ सामान्य से नीचे स्तर का था। इसके पीछे कई कारण रहे हैं, विशेषकर उत्तरी गोलार्ध में पश्चिम-मध्य एशिया, पूर्वोत्तर रूस और पश्चिमी अंटार्कटिका में अत्यधिक गर्मी दर्ज की गई, जबकि हडसन खाड़ी से लेकर उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और पूर्वी अंटार्कटिका तक अपेक्षाकृत ठंडक बनी रही। भारत भी इन असमान व्यवहार वाले क्षेत्रों में शामिल रहा। इस तरह का मौसम-व्यवहार कई बातों की ओर इशारा करता है। अब हमारे पास देश से जुड़ी भी कई असामान्य खबरें हैं। भारत के कई हिस्सों में मई के दौरान सामान्य से 20-40 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई और तापमान 4 से 6 डिग्री तक गिर गया।वे शहर जो आमतौर पर अधिक तापमान के लिए जाने जाते हैं- जैसे दिल्ली, लखनऊ, पटना- वहां इस बार की गर्मियों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। दुनिया में महत्वपूर्ण खबर यह रही कि ग्रीनलैंड और आइसलैंड में बर्फ पिघलने की घटनाएं सामने आईं। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह के वैज्ञानिकों ने बताया कि वहां तापमान 3 डिग्री तक बढ़ गया, जिससे भारी मात्रा में बर्फ पिघली। इसका कारण मानवीय गतिविधियां तो हैं ही, यह भी देखा गया कि कई अन्य क्षेत्रों में तापमान गत वर्षों की प्रवृत्ति जैसा ही रहा। मई का महीना दुनिया भर में अब तक का सबसे गर्म महीना पाया गया। क्लाइमेट चेंज सर्विस की रिपोर्ट में बताया गया कि मई में वैश्विक सतह तापमान 1850-1900 के औद्योगिक युग की तुलना में 1.4 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। परंतु, भारत, अलास्का, दक्षिण अफ्रीका और पूर्वी एशिया जैसे क्षेत्रों में मई का तापमान सामान्य से नीचे रहा था। इस तरह का विरोधाभासी मौसम व्यवहार यह स्पष्ट करता है कि क्लाइमेट के सिस्टम में बड़ी गड़बड़ हो चुकी है। 2025 में सतह का औसत तापमान 15.79 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो 1991-2020 की तुलना में 0.5 डिग्री अधिक था। यह 2020-2024 की सबसे गर्म मई से केवल 0.12 डिग्री कम था। इससे स्पष्ट है कि वैश्विक तापमान में मामूली गिरावट तो है, परंतु मौसम का असामान्य व्यवहार बना हुआ है। यह वृद्धि मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों के जलने से हुए उत्सर्जन का परिणाम है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 22 में से 21 महीने ऐसे रहे हैं, जिनमें वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा। इससे पहले मार्च, अप्रैल और फरवरी भी इतिहास के सबसे गर्म महीनों में शामिल रहे। भारत में फरवरी 2025, पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म रहा। परंतु मई और जून के महीने ला-नीना प्रभाव के कारण अपेक्षाकृत शीतल रहे। इस दौरान भारत और दुनिया भर में जनवरी का महीना सबसे गर्म साबित हुआ। इन सभी घटनाओं को देखकर चौंकना स्वाभाविक है। 2025 में भारत का मौसम अपेक्षाकृत कम गर्म रहा। देश ने इस बार कोई गंभीर लू जैसी स्थिति नहीं झेली। अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री के आसपास रहा। इसका एक प्रमुख कारण यह रहा कि समय-समय पर मौसम ने करवट बदली और बारिश हुई। इस वर्ष पश्चिमी विक्षोभ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सबसे असामान्य बात यह रही कि इस बार मानसून समय से पहले आ गया। सामान्यतः मानसून जुलाई तक सक्रिय होता है, लेकिन इस बार समुद्री सतह के तापमान के बढ़ने के कारण यह जल्दी सक्रिय हो गया। समुद्र का लगातार ऊष्ण रहना भी अब नियमित हो चुका है। इसका मतलब है कि अब साल भर किसी न किसी रूप में बारिश देखने को मिल सकती है। जहां पहले कभी बारिश नहीं होती थी, उस स्थान जैसे शुष्क क्षेत्रों में भी वर्षा संभावित है, और जहां अत्यधिक वर्षा होती थी- जैसे पूर्वोत्तर भारत, वहां विपरीत प्रभाव दिख सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

जो दिखेगा वही बिकेगा, तो दूसरे कलाकारों का क्या?जब मैं बड़ा हो रहा था, रेडियो सीलोन पर बिनाका

गीतमाला में अमीन सयानी गाना सुनाने से पहले गाना बनाने वालों का नाम बताते थे- गीतकार, संगीतकार और गायक। बरसों तक

ये परंपरा रही। धीरे-धीरे साहिर, अनजान, आनंद बख्शी, नक्श लायलपुरी से बात बढ़ते-बढ़ते यहां तक पहुंची कि 'चुपके चुपके रात दिन आंसू बहाना याद है' गुलाम अली की गजल बन गई, हसरत मोहानी का जिक्र ही नहीं हुआ।जबकि हसरत मोहानी उस गजल से कहीं बड़े आदमी थे। 1921 में 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा उन्होंने ही दिया था। अब गाना अरिजीत सिंह का होता है या सोनू निगम का, गीतकार-संगीतकार का नाम बार-बार लेने में रेडियो-टीवी समय बर्बाद नहीं करते।जबकि प्रोग्राम अब ज्यादा समय के हो गए हैं। अमीन सयानी तो हफ्ते में एक बार ही आते थे। ऐसा नहीं है कि गुलाम अली या सोनू निगम का योगदान कम है, लेकिन दर्शक नेपथ्य के कलाकारों को जगह देगा, तो उनकी सामर्थ्य बढ़ेगी। ये थंबनेल का समय है। यूट्यूब या जहां कहीं भी दर्शक एक तस्वीर देख के वीडियो पर क्लिक करता है, एक व्यू बढ़ जाता है। कितने व्यू बने- इससे आमदनी तय होती है। थंबनेल की तस्वीर से तय होता है कि दर्शक ने क्यों क्लिक किया। यहीं से समस्या की शुरुआत होती है। जो दिखेगा, वो बिकेगा- तो अमिताभ भट्टाचार्य का क्या? इरशाद कामिल का क्या? उन तमाम नेपथ्य के कलाकारों का क्या? कुछ कलाएं ऐसी होती हैं, जिनके लिए पूरी टीम काम करती हैं। उसका श्रेय सिर्फ एक का नहीं होता। और जब दर्शक सिर्फ एक को श्रेय देना शुरू कर दे, तो सामर्थ्य का असंतुलन शुरू होता है। जब पहली बार न्यूज एंकरों की होर्डिंग लगी थी देश में, वहीं से टीवी पत्रकारिता का पतन शुरू हो गया था। कथावाचक, कथा से ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया। अब मोहभंग का दौर है- वाचकों से, नायकों से। अब शिकायत कथा से है। पर कथा की अकेले की सामर्थ्य कम हो चली है। उसे तो हमने ही पीछे छोड़ा ना? जमीन का जो पत्रकार था, जो सच लेकर आता था, वो या तो खत्म हो गया या वो भी वाचक बन गया। आज स्थिति ये है कि समाचार में संगीत बज रहा है। सोचिएगा, बहुत त्रासदी का विषय है। शिकायत करते हैं कि दर्शक की देर तक जुड़ने की क्षमता कम हो गई है। अटेंशन स्पान घट गया है। ये झूठ है। फिल्मों में निर्देशक तकलीफ में है। उसकी कुर्सी उसके नीचे से खींच ली गई है। वह बमुश्किल कहानी को बचाकर आप तक लाने का प्रयास कर रहा है। अकसर हार रहा है, कभी-कभी जीत भी जाता है। उसे दर्शक का हाथ चाहिए। फिल्में बनती कैसे हैं? एक व्यक्ति को कहानी कहनी होती है। उसके साथ कलाकार जुड़ते हैं, धन जुड़ता है और फिल्म बनती है। पर सिनेमा ऐसी कला है, जिसमें कई विधाओं की जरूरत होती है- और ढेर सारे धन की भी। करोड़ों रुपए। इतने पैसों में बड़े-बड़े उद्योग शुरू हो जाते हैं, जो सालों तक रोजगार और मुनाफा देते हैं। फिल्म को उद्योग मानें, तो उसकी उम्र दो-तीन साल की ही होती है। लेकिन फिल्म एक कला भी है, और कला कलाकार को बेचैन कर देती है। वो रास्ते निकाल लेता है। दिल से लिखी गई कहानी को समीकरण समझ में नहीं आते। कला प्रेम से उपजती है। वो श्रृंगार का प्रेम हो सकता है, विद्रोह का हो सकता है, असहमति का हो सकता है। प्रेम को समीकरण नहीं सिखाए जा सकते। अब सामर्थ्य धन के पास है और धन आता है थंबनेल से। थंबनेल पर क्लिक कौन करता है? दर्शक। सबसे ताकतवर शख्स। कलाकार वो करना चाहता है, जो पहले नहीं किया गया। धन वही करना चाहता है, जो पहले सफल रहा है। यही भयंकर मतभेद है। तो अब थंबनेल पर जिसकी तस्वीर है, वही सबसे महत्वपूर्ण बन गया है। कहानी अकेली पड़ गई है। फिर भी निर्देशक को उम्मीद रहती है कि वो अपनी कहानी कह पाएगा। कभी-कभी वो कह भी लेता है। अच्छी फिल्में बन भी जाती हैं। लेकिन ज्यादातर मौकों पर निर्देशक हार जाता है। कभी आत्मसमर्पण कर देता है, कभी उसे पता भी नहीं चलता कि वो कब बह गया। पिछली दस फिल्में याद कीजिए, जो अच्छी लगी थीं। उनके निर्देशक-लेखक को खोजिए कि क्या बना रहे हैं अगली बार? हो सकता है आप थंबनेल की भूल-भुलैया में भटक गए हों। असल कहानियां आपको खोज रही हैं, आप उन्हें। दर्शक ताकतवर है। उसे थंबनेल के चक्रवात से बाहर निकलना होगा। लेखक और निर्देशक की सामर्थ्य बढ़ानी होगी। इसमें समय लगेगा... बस शुरू अभी करना होगा। जो कहानियां परदे तक पहुंच रही हैं, उनसे कहीं अच्छी कहानियां धक्के खा रही हैं। ताकत थंबनेल के पास है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा ताकत दर्शक के पास है कि वो किसे क्लिक करे। निर्देशक और कहानियों को आज दर्शक की ताकत चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं अनुभव सिन्हा)

गणितीय ज्ञान की कमी के कारण हम पर कौन हावी होगा?

क्या आपको याद है जब पूरी प्राथमिक कक्षा एक सुर में 'एक एकम एक, एक दूनी दो' से लेकर '16 एकम

16, 16 दूनी 32' तक दोहराती थी। वास्तव में उस वक्त वो 1 से 16 तक के पहाड़े याद कर रही होती थी। जब तक हम 1 से 16 तक के पहाड़े याद करने में पारंगत नहीं हो जाते थे, उन दिनों में हमारे गणित के टीचर ब्लैक बोर्ड पर कुछ भी नहीं लिखते थे। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। उस बुनियाद के बल पर ही हम यह गणना तत्काल कर लेते हैं कि राशन वाले को कितने पैसे देने हैं और यदि किसी वस्तु पर 23 फीसदी छूट है तो हम कितनी बचत कर लेंगे। फिर कैलकुलेटर आए। धीरे-धीरे बच्चे हमसे सवाल करने लगे कि पहाड़े क्यों पढ़ें? जोर-जोर से पहाड़ों का दोहराना खत्म हो गया। फिर हाल ही चैटबॉट आया, जो यदि आप अपनी मातृभाषा में भी कुछ बड़बड़ाओ, तो भी आपकी पसंद की भाषा में वाक्य बना देगा। अब वो दिन दूर नहीं, जब अगली पीढ़ी सवाल करेगी कि वे भाषा भी क्यों पढ़ें। अब सीधे जुलाई 2025 पर आते हैं। ये हैरतअंगेज आंकड़ा है कि नवीं कक्षा के 63इ विद्यार्थी अंकों का सामान्य पैटर्न पहचानने में भी विफल रहे हैं। उन्हें भिन्न व पूर्णांक जैसे सामान्य अंकों की समझ नहीं है। भारत में छठी कक्षा के स्कूली छात्र पुस्तकों के मुख्य पाठों को ही नहीं समझ पाते। पिछले साल दिसंबर में शिक्षा मंत्रालय की ओर से कराए 'परख' राष्ट्रीय सर्वे में ये निष्कर्ष निकला है, जिसे पूर्व में राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण कहते थे। सर्वे में 36 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 781 जिलों में स्थित 74,229 स्कूलों के तीसरी, छठी और नवीं कक्षा के 21,15,022 विद्यार्थियों का आकलन किया गया। इसमें पाया गया कि छठी कक्षा के 54फीसदी विद्यार्थी पूर्णांकों की तुलना करने और बड़ी संख्याओं को पढ़ने में असफल रहे। यह देश की शिक्षा प्रणाली में सीखने की कमजोरी को दर्शाता है। सर्वे में कहा गया कि छात्रों को 7 के गुणज, 3 की घात, अभाज्य संख्याएं पहचानने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए प्रतिशत व भिन्न की गणना करने में भी परेशानी होती है। तो फिर हमारी खरीद के भुगतान, वेतन, ओवरटाइम की गणना करते वक्त हमारे जीवन पर कौन हावी होने जा रहा है? बेशक, एआई? यह कहकर इसे खारिज मत कर देना कि एआई को हमारे रोजमर्रा के जीवन में दखल देने में अभी बहुत समय लगेगा। याद करो कि कैसे 1835 में घोड़ा गाड़ी मालिकों ने 1830 में यूके में लिवरपूल से मैनचेस्टर तक शुरू हुई दुनिया की पहली रेल के प्रभाव को खारिज किया था। उन्होंने कहा कि रेल यातायात कभी भी उनके व्यवसाय पर भारी नहीं पड़ेगा। और रेल ने ना सिर्फ उनके व्यवसाय को खत्म कर दिया, बल्कि कुछ वर्षों में ही पूरे विश्व में औद्योगिक क्रांति को भी गति दी। 'सेपियन्स' के लेखक युवाल नोआ हरारी से जब मीडिया ने पूछा कि क्या एआई के युग में मानव की क्षमता कम हो जाएगी? उन्होंने जवाब दिया कि 'मुझे लगता है, जिन क्षेत्रों में हम सबसे पहले बड़े बदलाव देखेंगे, उनमें वि?त्तीय प्रणाली शामिल है।' क्योंकि वित्त शुद्ध रूप से एक सूचना संबंधी क्षेत्र है। सेल्फ ड्राइविंग वाहन आधुनिक जीवन पर अभी बहुत असर नहीं छोड़ पाए हैं, क्योंकि वे अभी पैदल चलने वालों की आदतें (बुरी आदतें) और गड्ढों के बारे में सीख रहे हैं। पर वित्त के मामले में ये 'इंफॉर्मेशन इन' और 'इंफॉर्मेशन आउट' का मामला ही है। इसीलिए इस क्षेत्र पर नियंत्रण कर लेना एआई के लिए बहुत आसान होगा। हरारी का पूर्वानुमान है कि एक बार एआई वित्त क्षेत्र में हावी हुआ तो यह उन उपकरणों में निवेश शुरू कर देगा, गणितीय जटिलताओं के कारण मानव मस्तिष्क जिनसे निपटने में अक्षम है। अब ऊपर बताए पहाड़ों को देखें, जिन्हें दोहराना बंद करने के कारण हमारे बच्चे अंकों के साथ मजबूत रिश्ता नहीं बना पाए। मोबाइल ने नंबर्स याद रखने की हमारी मेमोरी छीन ली। कोई भी ये मानने से इनकार नहीं कर सकता कि एआई गणना कर सकने वाला एक एजेंट तो है, लेकिन ऐसा औजार नहीं जिसका नियंत्रण हमारे हाथों में हो।

भारत अब 'ग्लोबल साउथ' के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है

(पलकी शर्मा) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही घाना, त्रिनिदाद एंड टोबेगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की आठ दिनों की उल्लेखनीय यात्रा पूरी की। यह सिर्फ कूटनीतिक मैराथन ही नहीं थी, बल्कि भारत के इरादों की स्पष्ट घोषणा भी थी। वैश्विक बदलावों और महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा के इस युग में भारत ग्लोबल साउथ के नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। कई द्विपक्षीय बैठकें, ब्रिक्स सम्मेलन में सहभागिता और चार राष्ट्रीय सम्मान- मोदी की यह यात्रा ?कई मायनों में प्रभावी रही है। लेकिन इसमें एक और बड़ी कहानी निहित है। यह रणनीतिक महत्वकांक्षाओं, भू-राजनीतिक संदेशों और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका का कथानक है। 1. एक ऐसी दुनिया में जिसमें अकसर आतंकवाद के पीड़ितों और प्रायोजकों में भेद नहीं किया जाता, मोदी ने स्पष्ट संदेश दिया। बिना किसी का नाम लिए उन्होंने आतंकवाद पर राजनीति नहीं करने पर जोर दिया। यह पाकिस्तान पर परोक्ष किंतु अचूक निशाना था। उन्होंने एक बार नहीं, बल्कि हर सार्वजनिक संबोधन में इसे बार-बार दोहराया। यह ऑपरेशन सिंदूर के बाद मोदी की यह दूसरी बड़ी विदेश यात्रा भी थी, जिसने आतंकवाद के खिलाफ समर्थन जुटाने के लिए भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान किया। 2. भारत लीथियम, रेयर अर्थ और तांबे जैसे महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर चीन पर अत्यधिक निर्भर रहा है। ऐसे में जबकि चीन व्यापार को हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है, यह निर्भरता कम करना जरूरी है। यहीं पर घाना और नामीबिया हमारे लिए जरूरी हो जाते हैं। घाना में हीरा, मैंगनीज और लीथियम के भंडार हैं। नामीबिया में यूरेनियम, तांबा और सोना हैं। दोनों ही देशों में मोदी ने बड़े सहयोग की बात कही है, खासतौर पर हीरे के क्षेत्र में। यह ऐसी नई आपूर्ति श्रृंखला रणनीति की ओर बढ़ाया गया कदम है, जिसमें खनिज सुरक्षा भी है और जो चीन पर हमारी निर्भरता भी कम करती है। 3. इस दौरे का एक और महत्वपूर्ण उद्देश्य विकासशील देशों में भारत के नेतृत्व को मजबूत करना था। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में मौजूद इन देशों का एक साझा औपनिवेशिक अतीत है और अकसर इनकी गिनती आर्थिक विषमता और वैश्विक स्तर पर कम प्रतिनिधित्व वाले देशों में होती है। मोदी ने इसी साझा इतिहास की ओर संकेत करते हुए वैश्विक संस्थानों में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने सिर्फ भू-राजनीतिक ही नहीं, बल्कि सभ्यतागत सहानुभूति के आधार पर भी एकजुटता की बात कही। स्वयं अपने एक औपनिवेशिक इतिहास के कारण भारत यह बहुत अच्छी तरह से कर सकता है। 4. ब्रिक्स में भारत की भूमिका को अकसर सावधानी के चश्मे से देखा जाता है। चीन और रूस जहां वैश्विक व्यवस्था में पूरी तरह से उलटफेर चाहते हैं, वहीं भारत अंदरूनी सुधारों की वकालत करता है। इस समिट में मोदी सिर्फ इसलिए ही प्रभावी नहीं रहे, क्योंकि वहां पुतिन और शी जिनपिंग गैर-मौजूद थे, बल्कि इसलिए कि उन्होंने कुशल स्टेट्समैन की भूमिका निभाई।

बड़ी लड़ाई में हारकर छोटी सफलताएं बटोर रहा है पाक

आश्चर्य की ही बात कहलाएगी कि पाकिस्तान अपने घरेलू सियासी

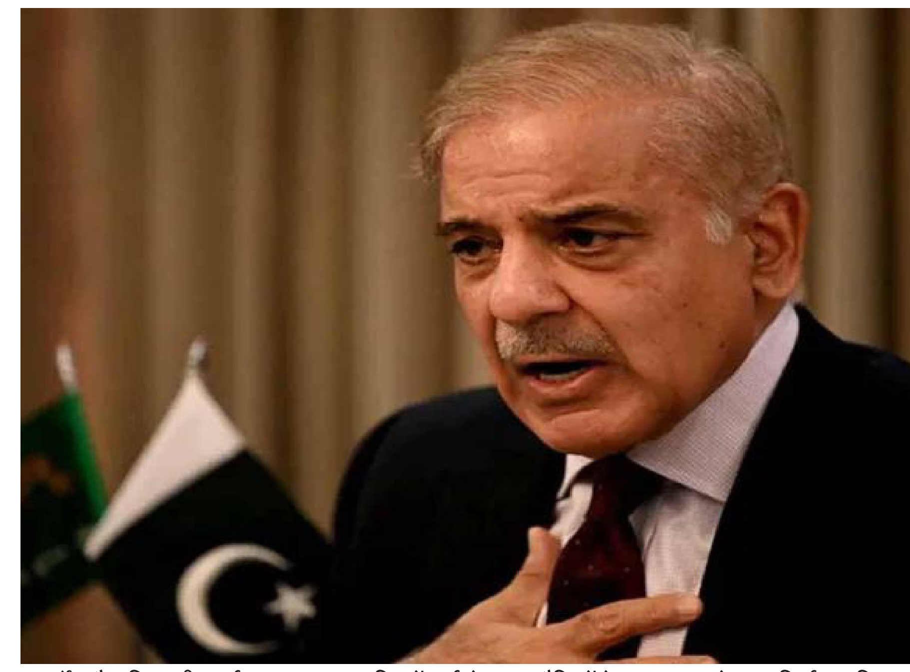

संघर्षों और घिसटती अर्थव्यवस्था के बावजूद अमेरिका, रूस और चीन जैसी महाशक्तियों की नजर में एक प्रमुख क्षेत्रीय खिलाड़ी बना हुआ है। यही कारण था कि वह 193 में से 182 सीटों के बड़े समर्थन के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट जीतने में सफल रहा। जनवरी से दो साल के लिए इसका कार्यकाल शुरू होगा। पहलगाम हमले के कुछ ही सप्ताह बाद संयुक्त राष्ट्र ने पाकिस्तान को यूएन 1373 आतंकरोधी समिति का उपाध्यक्ष और 1988 तालिबान प्रतिबंध समिति का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया था। यह बताता है कि स्वयं संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित आतंकवादियों में से सबसे ज्यादा को पनाह देने वाले पाकिस्तान को विश्व को कैसे देखता है। यह भारतीय कूटनीति की विफलता को भी बताता है। लेकिन अंदरूनी तौर पर पाकिस्तान में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। मई 2023 में इमरान खान की गिरफ्तारी के वक्त पाकिस्तान में भारी राजनीतिक उथल-पुथल मची थी। बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए, जिनमें कई सेवारत फौजियों के परिजन भी शामिल थे। कई सैन्य ठिकानों, रावलपिंडी स्थित जीएचक्यू और कोर कमांडर के घर तक पर हमले हुए। 2024 में पाकिस्तान नेशनल असेंबली के चुनाव में भी ऐसी ही अशांति देखी गई थी। भले ही इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ का चुनाव चिह्न छिन गया, लेकिन इसके बावजूद उसके द्वारा समर्थित 100 निर्दलीय चुनाव जीते। यह असेंबली की कुल सीटों के लिहाज से सबसे बड़ा हिस्सा था। ये तब है जब चुनाव में पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के पक्ष में हेराफेरी हुई थी। पीएमएल (एन) और बिलावल भुट्टो की गठबंधन सरकार अब विश्वसनी?यता खो रही है। कोई आश्चर्य नहीं कि हाल के भारत-पाक संघर्ष को भुना कर खुद को फील्ड मार्शल बनाने वाले आसिम मुनीर जल्द ही इस सरकार को हाशिए पर धकेल दें। भारत के साथ टकराव के बाद पाकिस्तान अपनी जीत-हार को लेकर भले कुछ भी कहता हो, लेकिन तथ्य यह है कि भारत ने ना सिर्फ पाकिस्तानी मिसाइलों, ड्रोन हमलों से अपनी सफलतापूर्वक सुरक्षा की, बल्कि पाकिस्तान की एयर डिफेंस प्रणाली को भी ध्वस्त कर दिया। लड़ाई खत्म होते-होते भारत इस स्थिति में आ गया था कि वह पाकिस्तान में जहां चाहे, हमला कर सकता था। भारत ने रावलपिंडी में पाकिस्तानी सैन्य मुख्यालय के समीप नूरखान और कई अन्य हवाई ठिकानों पर हमला कर इसे साबित भी कर दिया। लेकिन इस सबके बावजूद पाकिस्तान इस लड़ाई को लेकर दुनिया के सामने अपना नैरेटिव पेश करने में बेहतर रहा। भारत के लचर सूचना प्रबंधन के चलते पाकिस्तान को जीत का दावा करने का मौका ?मिल गया। भारतीय कूटनीतिक दवाब को हटाकर वो यह बताने में सफल रहा कि पहलगाम हमले में उसका हाथ नहीं था। 60 से अधिक देशों ने पहलगाम हमले की निंदा की पर एक ने भी पाकिस्तान को दोष नहीं दिया।

जब मशीनें हमें हराने की कोशिश करने लगें, तब क्या करें?

एक टीवी शो में सपना नाम से एक ब्यूटी पार्लर है, उसमें सपना का किरदार निभाते हुए काल्पनिक मसाज

करने वाले कैरेक्टर के हिसाब से पटकथा लिखने वाले लेखक को निकट भविष्य में थोड़ी दुविधा हो सकती है। क्योंकि लेखक के लिए आसान था कि वह हर शो में कई बार एक ही लाइन को दोहराते। महिलाओं के कपड़े पहने उस पुरुष एक्टर को याद करें, जो कहता रहता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं, और फिर तेल लगाते हैं।' उसके कम से कम 50फीसदी पुराने डायलॉग अब बदलने पड़ेंगे। अब वह अपने कथन की शुरुआत कर सकता है कि 'पहले उसके कपड़े उतारते हैं,' और फिर संभवतः वह कहेगा कि 'फिर उसे पार्लर के कपड़े पहनाते हैं...।' क्या आप भौंहें तानकर मुझसे पूछ रहे हैं कि कोई कपड़ों के ऊपर से तेल कैसे लगा सकता है? तो भविष्य के स्पा में आपका स्वागत है। भविष्य के पांच सितारा स्पा कोई तेल नहीं लगाएंगे। जी, हां। भविष्य के स्पा में आपके बाल चिपचिपे नहीं होंगे। आपको तेल और लोशन को धोकर साफ नहीं करना पड़ेगा। आपको किसी को कोई टिप भी नहीं देना पड़ेगा। क्योंकि यह 'एस्केप' द्वारा संचालित मसाज है। यह नए दौर की एक मसाज टेबल है, जो एआई आधारित मशीनों से संचालित होती है। फोर सीजन्स, डब्ल्यू होटल्स, रिट्ज कार्लटन जैसी बड़ी होटल श्रृंखलाएं इसे पहले ही शुरू कर चुकी हैं और इसी हफ्ते मैंने सुना कि भारत के कुछ होटल भी 'एस्केप' खरीदने के लिए मोलभाव कर रहे हैं। आप ताज्जुब कर रहे हैं कि क्या ये डीप फेक है? कैसे ये रोबोट पेशेवर स्पा मसाज थेरेपिस्ट को मात देंगे या इस बात पर चिंतित हैं कि मानवीय हाथों का स्थान मशीनी हाथ ले रहे हैं, तो मुझे यह स्पष्ट करने दें। हाईटेक रिक्लाइनर कुर्सियों की उन सभी तस्वीरों को भूल जाइए, जो आपने मॉल्स या एयरपोर्ट के लाउन्ज में देखी हैं। यह सपना के पार्लर की भांति ही एक औपचारिक उपचार है और यहां पर भी एक पारंपरिक किन्तु अत्याधुनिक टेबल होगी। सिर्फ सपना यानी कोई थेरेपिस्ट नहीं होगा, लेकिन विशाल सफेद बांहें होंगी, जिसके मोटे पंजे आपकी पीठ दबाने के लिए तैयार होंगे। ये कैसे काम करता है? ग्राहक को मसाज शुरू कराने के लिए इस बड़ी मसाज टेबल पर उल्टे मुंह लेटना होता है, जहां वह पारंपरिक फेस पिलो के भीतर से आईपैड को देखता है। ये मशीन आपको नाम से पुकारेगी और बताएगी कि कितनी मिनटों के लिए आपने सुविधा बुक की है। जैसे ही आपने बटन दबाया, यह आपसे दबाव समायोजित करने के बारे में पूछेगी और संगीत शुरू कर देगी। यदि आप असमंजस में हैं तो जैसे सपना हर सप्ताह नई-नई मसाज के बारे में बताती है, ये भी आपको सुझाव देगी। जैसे यदि आप 'एस्केप' मसाज का सबसे अच्छा अनुभव चाहते हैं तो 'इमर्स मोड' को चुनें। पहले आधे समय में ये अधिक कसरत के कारण शरीर के पिछले हिस्से की मांसपेशियों में होने वाला दर्द दूर करेगी। पारंपरिक व एस्केप संचालित मसाजों में प्रमुख अंतर ये है कि इस मसाज में ग्राहक को पूरे समय उल्टा मुंह लेटना होता है। अंत में यह आपसे उसके प्रदर्शन की रेटिंग देने और अपना सामान लेने के लिए कहती है, ताकि दूसरे ग्राहक के लिए जगह खाली हो। आपको यह कैसा लगा? यूजर्स बताते हैं कि यह किंक्स (शरीर के घुमाव और झुकाव वाली जगह), हैमस्ट्रिंग्स और दर्द वाली जगहों के लिए बहुत बेहतर है। लेकिन उन सुगंधित क्रीम के बिना यह मसाज शरीर की सभी इंद्रियों को संतुष्ट नहीं करती है। जब यूजर्स कहते हैं कि यह पैरों की मसाज के लिए सही नहीं है, तो मेरा चेहरा लटक जाता है, क्योंकि यही मसाज मुझे सबसे ज्यादा पसंद है। और जब मैंने सुना कि ये रोबोट आईटी पेशेवरों को सबसे अच्छी लगने वाली गर्दन और सिर की मसाज नहीं कर सकते, तो मेरी इच्छा हुई कि इस मशीन को 5 में से 1 अंक की रेटिंग दूं। फंडा यह है कि यह एक ऐसा युग है, जिसमें मशीनें मानवों पर हावी होने की कोशिश करेंगी। लेकिन यही ऐसा समय भी है, जब वह सर्वाधिक विफल भी होंगी। इसलिए उनकी कमजोरियों को याद कर लीजिए और खुद को उत्कृष्ट बना लीजिए, ताकि भविष्य में मशीनों को हराया जा सके।

भगवंत मान बोले- मोदी वहां जाते,जहां 10 हजार आबादी,इतने यहां जेसीबी देखने खड़े हो जाते हैं,विदेश मंत्रालय ने कहा- ऐसे बयान शोभा नहीं देते

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के पीएम मोदी पर तंज कसने पर आपत्ति जताई। विदेश मंत्रालय ने मान के बयान को गैर जिम्मेदार बताया और कहा कि किसी राज्य के मुखिया का ऐसे बयान शोभा नहीं देता। मान ने प्रधानमंत्री के हाल के विदेश दौरों ब्राजील, घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना और नामीबिया के दौरे की आलोचना की थी। मान ने कहा था कि हमारे पीएम ऐसे देशों की यात्रा कर रहे जहां की आबादी 10 हजार से ज्यादा नहीं। इतने लोग तो हमारे यहां जेसीबी देखने खड़े हो जाते हैं। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मान का नाम लिए बिना कहा, 'हमने एक राज्य के मुखिया द्वारा हमारे मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में की गई कुछ टिप्पणियां देखी हैं। ये बयानबाजी खेदजनक है और भारत सरकार इससे खुद को अलग रखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जुलाई को घाना की संसद को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'आज इस प्रतिष्ठित सदन को संबोधित करते हुए मुझे गर्व महसूस हो रहा है। घाना में होना सौभाग्य की बात है। यह लोकतंत्र की भावना से भरी हुई धरती है। घाना पूरे अफ्रीका के लिए प्रेरणा का केंद्र है।' पीएम मोदी ने कहा, 'घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा से कल नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से, मैं इस सम्मान के लिए घाना के लोगों को धन्यवाद देता हूं। हमारी दोस्ती आपके मशहूर अनानास से भी मीठी है।'पीएम मोदी ने कहा- 25 साल पहले मैं यहां आया था। तब से अब तक हमारी दोस्ती और मजबूत हुई है। बनारस, पटना, कोलकाता और दिल्ली भारत के शहर हैं, लेकिन यहां भी इनके नाम की सड़कें हैं। नवरात्रि, महाशिवरात्रि और जन्माष्टमी यहां खुशी, उत्साह और गर्व के साथ मनाए जाते हैं। चौताल और भटक गाना यहां फल-फूल रहे हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 5 जुलाई को अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलई से मुलाकात की थी। राष्ट्रपति जेवियर ने पीएम मोदी को गले लगाकर स्वागत किया। दोनों नेताओं ने ब्यूनस आयर्स में डेलिगेशन लेवल पर बातचीत की। पीएम बनने के बाद मोदी का यह दूसरा अर्जेंटीना दौरा है। इससे पहले वे 2018 में जी 20 समिट में हिस्सा लेने अर्जेंटीना गए थे।पीएम मोदी ब्राजील में आयोजित हुई 17वीं ब्रिक्स समिट में हिस्सा लेने पहुंचे थे। वहां पीएम ने कहा- ग्लोबल साउथ के देश डबल स्टैंडर्ड का शिकार हो रहे हैं। पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। नामीबियानामीबिया में प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली और किसी भारतीय प्रधानमंत्री की तीसरी यात्रा है। 27 सालों बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री नामीबिया दौरे पर गया था। इससे पहले 1998 में तत्कालीन पीएम अटल बिहारी वाजपेयी नामीबिया गए थे। 1990 में उस वक्त पीएम रहे वीपी सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी सहित बड़े नेता नामीबिया के पहले स्वतंत्रता दिवस पर वहां गए थे। प्रधानमंत्री मोदी को अब तक 27 देश सम्मान दे चुके हैं सम्मान पाने का सिलसिला 2016 में शुरू हुआ था। यानी 9 साल के भीतर पीएम मोदी ने ये 27 अवॉर्ड अपने नाम किए। 2025 को अब तक 7 महीने हुए हैं और इसमें ही पीएम मोदी 7 अवॉर्ड पा चुके हैं। मोदी को जिन 27 देशों से पुरस्कार मिला है उनमें 8 मुस्लिम देश हैं। इसमें कुवैत, इजिप्ट, बहरीन, मालदीव, यूएई , फिलिस्तीन, अफगानिस्तान, सऊदी अरब शामिल हैं।

4 देशों का वांटेड चीनी तस्कर शेरपा कैसे पकड़ाया,तिब्बत से ऑर्डर देकर एमपी में बाघों का शिकार कराता था,दार्जिलिंग में मिला था

भोपाल। 'जैसे ही हमें पता चला कि ताशी शेरपा दार्जिलिंग में छिपा हुआ है, हम लोग बिना समय गंवाए भोपाल से गाड़ी से

रवाना हो गए। करीब 10 दिन की मशक्कत के बाद वो हमारी गिरफ्त में था, लेकिन हमें यकीन नहीं हो रहा था, क्योंकि पिछले 9 साल से हम उसकी तलाश कर रहे थे।' ये बताते हुए एमपी एसटीएसएफ (स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स) के एक अधिकारी रोमांचित हो जाते हैं। वो उस टीम का हिस्सा थे, जिसने इंटरनेशनल वाइल्ड लाइफ तस्कर ताशी शेरपा को गिरफ्तार किया था। शेरपा इस समय नर्मदापुरम की जेल में बंद है। इस बार उसके सुर्खियों में आने की वजह इंटरपोल (इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन) है, जिसने एसटीएसएफ से उसकी जानकारी

representation image

मांगी है।इंटरपोल ने ताशी के खिलाफ 2015 से ही नोटिस जारी किया था, लेकिन वो गिरफ्तार नहीं हो सका था। एमपी एसटीएसएफ ने न केवल उसे पकड़ा बल्कि सजा भी दिलाई।साल 2015 में एमपी एसटीएसएफ ने एक ऐसे गिरोह के 10 सदस्यों को पकड़ा था, जिसने सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में एक बाघ का शिकार किया था। ये गिरोह उस समय पकड़ा गया, जब वह एक और बाघ का शिकार करने टाइगर रिजर्व में दाखिल हुआ था। वहां के महावतों ने उसे देखा और एसटीएसएफ को सूचना दी। गिरोह से पूछताछ में पता चला कि इन्होंने बाघ के अंगों को इटारसी के शेख युनूस को बेचा है। शेख युनूस ने अंतरराष्ट्रीय तस्कर ताशी शेरपा को इटारसी

बुलाया था। एसटीएसएफ को पहली बार ताशी शेरपा के बारे में पता चला था। मोबाइल टावर की लोकेशन के आधार पर

एसटीएसएफ ने ये भी साबित किया कि दोनों के बीच इस सौदे को लेकर कई दौर की बातचीत हुई थी। एसटीएसएफ ने इस पूरे केस में 36 लोगों को आरोपी बनाया था। छिंदवाड़ा, बैतूल, नर्मदापुरम समेत अन्य जिलों से 27 लोगों को गिरफ्तार किया था। मगर, गिरोह के मास्टरमाइंड जेई तमांग और ताशी शेरपा समेत 7 लोग फरार थे।एमपी एसटीएसएफ प्रभारी रितेश सिरोठिया बताते हैं- 2015 में ही इंटरपोल ने तमांग और ताशी के खिलाफ नोटिस जारी किया था। उसे पकड़ने के लिए इंटरपोल, वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल से लेकर कई देशों की एजेंसियों से एसटीएसएफ की बातचीत होती रही। इंटरपोल और इंटरनेशनल एजेंसियों की मदद से ये पता चल गया था कि वह दार्जिलिंग के रास्ते नेपाल और भूटान आना-जाना करता है। इसके बाद हमने भूटान और नेपाल की एजेंसियों से संपर्क किया। एसटीएसएफ की टीम कम से कम एक दर्जन बार उस इलाके में गई। रेकी करने के साथ स्थानीय सूत्र तैयार किए। जनवरी 2024 को टिप मिली कि ताशी दार्जिलिंग में भूटान सीमा के पास छिपा है। इस टिप के मिलने के बाद एसटीएसएफ ने उसे पकड़ने का प्लान तैयार किया।ताशी को पकड़ने गई टीम के एक सदस्य बताते हैं- जब हम लोग वहां पहुंचे तो पता चला कि ताशी भूटान निकल गया है। उसे हम भूटान जाकर नहीं पकड़ सकते थे। ऐसे

में हम लोगों ने स्थानीय एजेंसियों से संपर्क किया। हमने पहले जो सूत्र तैयार किए थे, उन्हें एक्टिव किया। ये बताया कि जैसे ही ताशी बॉर्डर क्रॉस कर दार्जिलिंग आए तो अलर्ट करें। हमें लगा था कि एक या दो दिन में ताशी वापस लौटेगा, लेकिन 10 दिन बीत गए। इस दौरान हम लोग टूरिस्ट बनकर उसके आने का इंतजार करते रहे। 11वें दिन उसके आने की खबर मिली। हम लोगों ने उसे

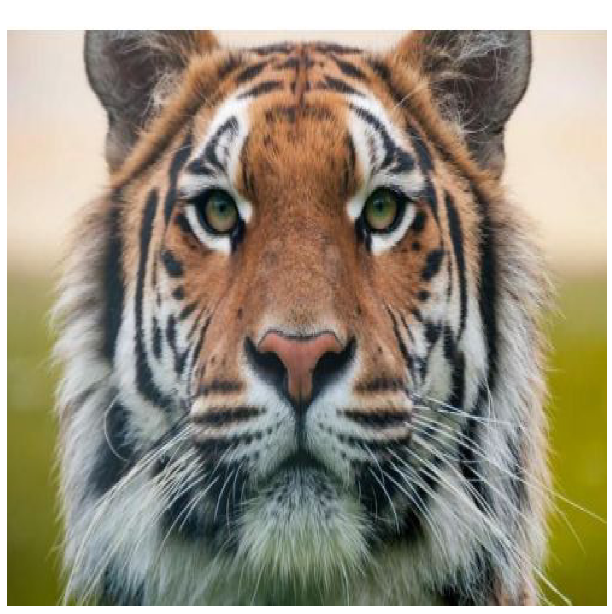

पकड़ने के लिए घेराबंदी की। जब वह सिलिगुड़ी के एक ओवरब्रिज के पास पहुंचा तो उसे गिरफ्तार कर लिया।सहायक जिला अभियोजन अधिकारी अरुण पठारिया बताते हैं कि ताशी सीधे

तौर पर शिकार में शामिल नहीं था। मगर, उसके कहने पर शिकार किया जाता था। ऐसे में शिकार करवाने में उसकी भूमिका को कोर्ट में साबित करना चुनौती थी। हमने उसकी ब्रेन मैपिंग और पॉलीग्राफ टेस्ट की मांग की। कोर्ट की अनुमति के बाद ताशी को नर्मदापुरम जेल से विशेष सुरक्षा में गुजरात की फोरेंसिक यूनिवर्सिटी ले जाया गया, जहां उसके दोनों महत्वपूर्ण टेस्ट कराए गए।चीन के तिब्बत का रहने वाला ताशी शेरपा खुद को जड़ी-बूटी का व्यापारी बताता था। एडीपीओ अरुण पठारिया कहते हैं- उसकी कद काठी की वजह से वह नेपाल और भूटान के लोगों के बीच आसानी से घुल-मिल जाता था। उसे बॉर्डर पार करने में दिक्कत नहीं होती थी। भारत-नेपाल और

भूटान की बॉर्डर पर बहुत सख्ती नहीं होती, इसकी आड़ में वह वन्यजीवों के अंगों की तस्करी करता था।तमांग उसका बॉस है, जो फरार है। ये ऑर्डर पर बाघ या पेंगोलिन का शिकार करवाते थे। एमपी में पारदी गिरोह बेहद कम पैसों में बाघ के शिकार के लिए तैयार हो जाते हैं। शिकार के बाद बाघ की खाल और अंगों को गुपचुप तरीके से बॉर्डर तक ले जाते थे।ताशी शेरपा के बॉस जेई तमांग को एसटीएसएफ ने दिल्ली से गिरफ्तार किया था। उसके पास से बाघ की हड्डियां और पेंगोलिन की खोपड़ी मिली थीं। मगर कोर्ट में ये साबित ही नहीं हो सका और उसे जमानत मिल गई। उसके बाद से वह फरार है। उसकी लिव-इन-पार्टनर लाचुंगपा यानचेन को भी इसी तरह 15 सितंबर 2017 को गिरफ्तार किया था। गंगटोक कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद वह भी फरार है। इन दोनों के अलावा पांच और तस्कर फरार हैं, जिनके खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। इंटरपोल ताशी शेरपा की जानकारी जुटाकर इस पूरे नेटवर्क तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है। इंटरपोल ने जानकारी मांगने के साथ एमपी एसटीएसएफ के अफसरों की तारीफ भी की है। इस तारीफ के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा- इंटरनेशनल वाइल्डलाइफ क्राइम के नेटवर्क को तोड़ने में मिली सफलता के लिए स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स के अधिकारियों का सरकार की ओर से सम्मान किया जाएगा।मध्यप्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में साल 2015 में हुए दो बाघ, पेंगोलिन के शिकार और खाल, अंगों को बेचने के मामले में 7 साल बाद 20 दिसंबर को फैसला आया। कोर्ट ने 27 आरोपियों को दोषी मानकर 5-5 साल के लिए जेल भेज दिया। इंटरनेशनल तस्कर जेई तमांग के खिलाफ 2016 से रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है।बाघ और पेंगोलिन के अंगों की इंटरनेशनल स्तर पर तस्करी के आरोपी का पॉलिग्राफ टेस्ट किया जाएगा। तस्कर ताशी शेरपा के पॉलिग्राफ और ब्रेन मैपिंग टेस्ट के लिए नर्मदापुरम की विशेष कोर्ट ने अनुमति दे दी है। 23 मार्च तक गुजरात फॉरेंसिक लैब में उसका टेस्ट होगा।

मध्य प्रदेश में चालीस लाख रुपए की कीमत का मिला हीरा,मजदूर रातों-रात लखपति बन गया

एम.पी। एम.पी। मध्य प्रदेश

के पन्ना जिले की एक खदान में काम करने वाले मजदूर माधव को खुदाई के दौरान हीरा मिला। यह ११ कैरेट ९५ सेंट का बेशकीमती हीरा है। हैरान करने वाली बात ये है कि युवक पहली बार खदान में मजदूरी करने गया था और पहले ही दिन उसकी किस्मत चमक गई। माधव ने इस हीरे को नियमों के अनुसार पन्ना स्थित हीरा कार्यालय में जमा करा दिया है। अब यह हीरा आने वाली नीलामी में रखा जाएगा। नीलामी से जो भी रकम मिलेगी, उसमें से १२.५फीसदी रॉयल्टी काटकर बाकी पैसा माधव को दे दिया जाएगा। इसकी एक्सपेक्टेड वैल्यू ४० लाख रुपए से भी ज्यादा है। हीरे की खदानों के लिए मशहूर है पन्ना मध्य प्रदेश का पन्ना जिला पूरे भारत में हीरे की खदानों के लिए मशहूर है। यह भारत का प्रमुख हीरा उत्पादक क्षेत्र है। पन्ना में हीरे कई बार कुछ ही फीट गड्ढा खोदने पर हीरे मिल जाते हैं। साथ ही पन्ना के हीरे अपनी अच्छी क्वालिटी के लिए जाने जाते हैं।

36 लाख रुपए में बिका दुनिया का सबसे महंगा पनीर

क्या आपने कभी सुना है कि कोई पनीर का टुकड़ा लाखों रुपए

में बिका हो? स्पेन में एक खास पनीर ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। कैब्रेलेस चीज नाम का ये पनीर, जिसे 10 महीने तक एक गुफा में रखा गया था। अब इसे नीलामी में $42,232 (लगभग रु35 लाख) में खरीदा गया है। पहाड़ों की गुफा में 10 महीने तक 'पका' ये पनीर इस पनीर को एंजल डियाज हेरेरो पनीर फैक्ट्री ने बनाया था। इसे एल लागार डे कोलॉटो नाम के एक रेस्टोरेंट ने खरीदा। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस 'डेयरी डेलिकेसी' (दूध से बनी स्वादिष्ट चीज) को नीलामी में बिका अब तक का सबसे महंगा पनीर घोषित किया है। 5 पाउंड (लगभग 2.3 किलोग्राम) के इस पनीर को गाय के दूध से बनाया गया था। इसकी खासियत ये थी कि इसे 10 महीने तक लॉस माजोस गुफा में पकाया गया था। यह समुद्र तल से लगभग 5 हजार फीट ऊपर है। इन खास गुफाओं की नमी और तापमान पनीर को एक अनोखा स्वाद और महक देते हैं। लगातार तीसरी बार है जब कैब्रेलेस चीज ने दुनिया के सबसे महंगे पनीर का खिताब जीता है।

एक घंटे में 14 किलो ड्राई फ्रूट्स खा गए अफसर:शहडोल में 5 दिन में दूसरा बड़ा घोटाला; 6 लीटर दूध में 5किग्रा शक्कर डालकर बनी चाय

मध्य प्रदेश। मध्यप्रदेश के शहडोल में स्कूल में ऑयल पेंट घोटाले के बाद सरकारी धन के दुरुपयोग करने का दूसरा मामला सामने आया है। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के जिला स्तरीय कार्यक्रम में अफसर एक घंटे के दौरान 14 किलो ड्राईफ्रूट खा गए। वहीं 6 लीटर दूध में 5 किलो शक्कर डालकर चाय भी बनाई गई। कार्यक्रम 25 मई को भदवाही ग्राम पंचायत में हुआ था। इसमें कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, जिला पंचायत सीईओ

नरेंद्र सिंह, जयसिंह नगर की एसडीएम प्रगति वर्मा और जनपद सीईओ समेत कई अधिकारी शामिल हुए थे। ग्राम पंचायत ने मेजबानी करते हुए अफसरों के लिए टेंट, भोजन और नाश्ते की व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम में लगाए गए बिल गुरुवार को सोशल मीडिया में वायरल हुए। इसके बाद ये मामला सामने आ सका। जिला पंचायत के प्रभारी सीईओ एमपी सिंह ने कहा कि हम लोग उस आयोजन में गए थे, लेकिन वहां इतना ड्राईफ्रूट नहीं था। बिलों की जांच करवाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।अफसरों के स्वागत सरकार में ग्राम पंचायत ने कोई कसर नहीं छोड़ी। 5 किलो काजू, 6 किलो बादाम और 3 किलो किशमिश खिलाने के नाम पर 19010 रुपए का भुगतान करवा लिया। अफसरों को चाय पिलाने के लिए 6 लीटर दूध और उसमें मिलाने के लिए 5 किलो शक्कर भी खरीदी गई। उसी बिल में 30 किलो नमकीन, 20 पैकेट बिस्कुट, 5 किलो शक्कर और 6 किलो दूध पर 19 हजार 10 रुपए व्यय किए गए। एक किलो काजू के दो अलग-अलग रेट 25 मई 2025 को ग्राम पंचायत द्वारा एक और बिल लगाया गया। इसमें काजू के दाम में गिरावट देखी गई। दरअसल, जिस बिल में गोविंद गुप्ता किराना स्टोर ग्राम भरी से 5 किलो काजू लाया गया, उसमें काजू की कीमत प्रति किलो 1000 रुपए दर्शाई गई। इसी तारीख को सुरेश तिवारी टी स्टॉल चुहिरी से एक किलो काजू मात्र 600 रुपए में खरीद लिया गया। इसके अलावा 10 रुपए वाले 50 रसगुल्ले भी अफसरों के लिए खरीदे गए। इसे 500 की जगह बिल में 1000 रुपए जोड़कर दाम बढ़ाया गया है।ग्राम पंचायत ने अफसरों और ग्रामीणों को खिलाने के लिए पूड़ी और सब्जी की भी व्यवस्था की थी। पंचायत सरपंच और सचिव ने इसके लिए सुरेश तिवारी टी स्टॉल चुहीरी और नारायण टी स्टॉल चुहीरी से पूड़ी सब्जी के पैकेट खरीदे। साथ ही गोविंद किराना स्टोर से उसे बनाने वाला सामान भी खरीद लिया। भदवाही में जल चौपाल का आयोजन किया गया। इसमें खिचड़ी, पूड़ी सहित सब्जी बनी थी, लेकिन काजू-बादाम सहित अन्य सामग्री नजर नहीं आई। बोरी बंधान कार्यक्रम में पहुंचे थे कलेक्टर भदवाही ग्राम पंचायत में झूंझा नाला है। यह मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा को तय करती है। इसी नाले में 25 मई 2025 को जिला स्तरीय बोरी बंधान कार्यक्रम का आयोजन रखा था। कलेक्टर समेत अन्य अधिकारियों ने बोरी में रेत भरकर नाले में पानी को रोकने का कार्य किया। इस दौरान अफसर एक घंटे भदवाही में रहे। अधिकारियों ने फर्जी बिल के माध्यम से सरकारी धन का दुरुपयोग किया। ग्राम पंचायत से इस खर्च का भुगतान करवाया गयाक्या है जल संवर्धन अभियान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आह्वान पर जिले में भी गांव-गांव में जल गंगा संवर्धन अभियान समाज एवं सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जहां पुरानी जल संरचनाओं कुआ, तालाब, बावड़ियों, जल स्त्रोतों, गांव में बहने वाली नदियों एवं नालों की साफ-सफाई का कार्य किया गया है। हाल ही में सीएम डॉक्टर मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अभियान से जुड़ी प्रगति की भी जानकारी दी थी।

पंजाब विधानसभा सेशन का दूसरा दिन समाप्त,बीबीएमबी से सीआईएसएफ हटाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित,सीएम मान ने केंद्र और कांग्रेस पर साधा निशाना

चंडीगढ़। पंजाब विधानसभा के स्पेशल सेशन का आज (11 जुलाई) को दूसरा दिन था। जोकि दोपहर करीब 2.20 बजे समाप्त हुआ। आज धार्मिक ग्रंथों की बेअदबी को लेकर महत्वपूर्ण बिल कर ड्रॉफ्ट सरकार द्वारा पेश किया गया। इसके अलावा, डैमों की सुरक्षा से सीआईएसएफ को हटाने संबंधी 5 बिल पेश किए गए। इस दौरान सीएम मान ने केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों को लेकर तंज कसा। सेशन की शुरुआत हंगामे के साथ हुई थी। विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह सिंधवां ने जानकारी दी कि सत्र का समय बढ़ा कर 15 जुलाई कर दिया। बीबीएमबी से सीआईएसएफ हटाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया था। साथ ही राज्यों में दो नए शैक्षणिक संस्थानों को लेकर भी मंजूरी मिली है। विपक्षी दल कानून व्यवस्था, लैंड पूलिंग और नशे के मुद्दे पर ही सरकार को घेरने की तैयारी में था, जिस पर जमकर हंगामा भी हुआ। जबकि सीएम भगवंत मान भी साफ कर चुके हैं कि सेशन में विपक्ष वालों को सारा जवाब तारीख वाइस दिया जाएगा। बेअदबी पर कानून सभी पक्षों की सलाह के बाद ही बनाया जाएगा। सबसे आखिरी में पशु क्रूरता संशोधन विधेयक बिल भी विधानसभा में सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।शुक्रवार को सदन की कार्रवाई दोपहर करीब 2.20 पर समाप्त हुई। अगली कार्यवाही सोमवार को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।पशु क्रूरता संशोधन बिल सर्वसम्मति से पास किया गया है। पक्ष विपक्ष के नेताओं के साथ हुई बातचीत के बाद ये बिल पास कर दिया गया।सीएम ने विधानसभा में पशु क्रूरता संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान संत राम उदासी की रचना की कुछ पंक्तियां पढ़कर सुनाईं और कहा कि लोग तोते, कबूतर और कुत्ते पालते हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में तो इन जानवरों के सबसे महंगे ऑपरेशन तक

कराए जाते हैं। सीएम ने बताया कि पंजाब में गडवासू जैसी संस्थाएं मौजूद हैं और इस बिल के पारित होने से पूरे पंजाब में बैलों के खेल आसानी से आयोजित हो सकेंगे। उन्होंने कहा कि उनके अपने गांव में भी ऐसा टूर्नामेंट होता है और लुधियाना, कपूरथला और तरनतारन सहित कई जिलों में ये पारंपरिक खेल आज भी खेले जाते हैं। गांवों की इन पारंपरिक खेलों को हमारी विरासत बताते हुए उन्होंने कहा कि इन्हें संरक्षित रखना चाहिए। वहीं, आवारा कुत्तों के मुद्दे पर सीएम ने कहा कि यह एक गंभीर समस्या है, जब कुत्ते बच्चों और बुजुर्गों को घेर लेते हैं तो बहुत दुख होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष उठाया जाएगा। अंत में सीएम ने बिल का समर्थन करते हुए कहा कि यह सर्वसम्मति से पारित होना चाहिए।सीएम भगवंत मान ने पशु क्रूरता संशोधन विधेयक पर बोलते हुए कहा कि पहली बार बेजुबानों के हक में आवाज उठाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सर बैलों की जोड़ी हमारे लिए खास महत्व रखती है, हमारे गुरु साहब ने भी करतारपुर साहिब में 16 साल तक बैलों से खेती की थी। सीएम ने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उनके एक दोस्त ने उनसे कहा कि वह जानवरों को अपने बेटों की तरह पालते हैं। सीएम ने तमिलनाडु की जल्लीकट्टू और पंजाब की बैलों की दौड़ की तुलना करते हुए कहा कि दोनों एक जैसी परंपराएं हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस विधेयक में एक अहम शर्त रखी गई है कि दौड़ के दौरान पशुओं को डंडा या किसी और चीज़ से मारा नहीं जाएगा, केवल हाथ से थपथपा कर उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा।पंजाब विधानसभा में पशु क्रूरता निवारण (पंजाब संशोधन) विधेयक 2025 पर चर्चा जारी है। कैबिनेट मंत्री बलबीर कौर ने विधेयक का समर्थन करते हुए इसे एक सराहनीय कदम बताया। वहीं, कांग्रेस विधायक विक्रम चौधरी ने इस चर्चा के दौरान आवारा कुत्तों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यह समस्या गंभीर होती जा रही है और इससे बच्चों, बुजुर्गों व आम लोगों को सुरक्षित रखने के उपाय भी किए जाने चाहिए। आप विधायक जसवंत सिंह गज्जर माजरा ने भी इस बिल को समय की जरूरत बताया और समर्थन व्यक्त किया।पंजाब विधानसभा में पंजाब दुकान और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान संशोधन विधेयक 2025 और पंजाब श्रम कल्याण निधि संशोधन विधेयक 2025 को पारित कर दिया गया है। दोनों विधेयक सर्वसम्मति से पास हुए, जिनका उद्देश्य श्रमिकों और व्यापारियों के हितों को बेहतर ढंग से सुरक्षित करना और कार्यप्रणाली को और अधिक सुविधाजनक बनाना है।मोहाली की सीजीसी यूनिवर्सिटी झंजेड़ी को पंजाब विधानसभा ने मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही प्रदेश में विश्वविद्यालयों की कुल संख्या बढ़कर 19 हो जाएगी। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।कांग्रेस विधायक राणा इंद्र प्रताप सिंह ने विधानसभा में शिक्षा के मुद्दे पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार शिक्षा देने की जिम्मेदारी से पीछे क्यों हट रही है। उन्होंने कहा कि प्राइवेट यूनिवर्सिटियों में आज 7 से 9 लाख स्टूडेंट पढ़ रहे हैं, जबकि सरकारी संस्थानों में यह संख्या महज 58 हजार रह गई है। इस पर गंभीर मंथन होना चाहिए। उन्होंने बताया कि 70 देशों से स्टूडेंट पंजाब में पढ़ने आ रहे हैं, लेकिन सरकारी कॉलेजों में उनका रुझान क्यों नहीं है, इसका भी पता लगाया जाना चाहिए। राणा ने कहा कि अब सरकारी यूनिवर्सिटी से ब्रेन ड्रेन हो रहा है, सभी प्रोफेसर प्राइवेट यूनिवर्सिटियों का रुख कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राइवेट यूनिवर्सिटियों पर किसी तरह का नियंत्रण नहीं है, इन्हें रेगुलेटरी अथॉरिटी के तहत लाया जाना चाहिए।

छोटे चॉल में रहे, काम मांगने पर संगीतकार ने फेंकी डायरी,समीर के गाने पर नुसरत फतेह रोए, सबसे ज्यादा सॉन्ग लिखने का वर्ल्ड रिकॉड

मुंबई। आप चाहें मिलेनियल हों, जेनरेशन ज़ी हों, जेनरेशन अल्फा या नई जेनरेशन बीटा हों...एक चीज जो इन सभी को एक-दूसरे से जोड़ती है, वो समीर अनजान के गाने हैं। तीन दशक से वो अपने गानों के जरिए प्यार, दोस्ती, हार्टब्रेक से लेकर पार्टी मोड तक हर मौके और हर फीलिंग के लिए अल्फाज लिख रहे हैं। उनके सपने बहुत छोटे-छोटे थे, लेकिन कलम की जादूगरी ने उन्हें ऐसे मुकाम पर पहुंचा दिया, जहां से वो पीछे देखते हैं तो खुद पर यकीन नहीं होता। कभी शब्दों का ऐसा जाल बुना कि पाकिस्तानी गायक नुसरत फतेह अली खान भी गाते वक्त रो पड़े। एक लाइन के लिए उन्हें 150 टेक लेने पड़े थे। समीर की चाहत कभी रेडियो पर अपना एक गाना सुनने की थी, लेकिन आज उनके नाम चार हजार से अधिक गाने लिखने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। कभी समीर गलियों में अपना गाना बजते सुनना चाहते थे, पिछले तीन दशक से उनके गाने न सिर्फ बज रहे हैं बल्कि अब उनके रीमिक्स भी बन रहे हैं। अपनी सफलता को वह भगवान की नेमत मानते हैं।मैं बनारस से हूं, लेकिन मेरी परवरिश बनारस शहर में नहीं हुई

है। मैं बनारस के एक गांव ओदार में पला-बढ़ा हूं। वो गांव तो अब सपनों में ही दिखता है, हकीकत में कुछ रहा नहीं है। अब गांव जाता हूं तो रोना आता है। गांव की वो चौपाल, कच्चे मकान, महुआ-नीम के पेड़, लोग, संकरी गलियां वो सब नेस्तनाबूद हो गए। गांव का बुरी तरह से शहरीकरण हो गया है। अब मैं सिर्फ इसलिए जाता हूं क्योंकि वो मेरी मातृभूमि है और वहां से मेरी यादें जुड़ी हैं, लेकिन गांव को देखकर बहुत दुख होता है। हम भाग्यशाली थे कि सही मायनों में गांव कहते किसको हैं, वो हमने जिया था। तालाब, पोखर, बगीचा, आती-पाती क्या होता है, आने वाली पीढ़ी को इन लफ्जों का मतलब भी पता नहीं होगा।खैर, पिताजी की तमन्ना नहीं थी कि मैं कभी गीतकार बनूं। वो कहते थे कुछ भी करना, गीतकार बनने की कोशिश मत करना। इस वजह से उन्होंने मुझे लिटरेचर नहीं पढ़ने दिया और मुझे बीएचयू से एमकॉम कराया। वो मेरे गाने लिखने के बिल्कुल खिलाफ थे। हालांकि मेरे लिखने का शौक अपने चरम पर था। मैं सातवीं क्लास में था, जब मुझे लिखने का शौक जगा। उसी उम्र से मैंने नोट बनाने शुरू कर दिए थे। फिर दोस्तों का एक ग्रुप बन गया, जो शायरी करते थे। फिर हम दोस्तों ने एक छोटा सा रूम लेकर उसमें गोष्ठी शुरू की। यहीं से बात ऑर्केस्ट्रा पार्टी तक पहुंची। फिर हमने एक ऑर्केस्ट्रा पार्टी शुरू कर दी, जिसका नाम मनोरंजन ऑर्केस्ट्रा पार्टी था। इसकी एंकरिंग मैं करता था और शेरो-शायरी सुनता-सुनाता था।उन दिनों बनारस में गुप्ता संगीतालय के नाम से एक मशहूर संगीतालय था। वहां, जाकर मैंने बैंजो बजाना सीख लिया। ऐसे में मुझे थोड़ी बहुत संगीत की भी जानकारी हो गई और मैं मुशायरों में जाने लगा। उत्तर प्रदेश का कोई भी ऐसा जिला नहीं होगा, जहां मैंने मुशायरा न किया हो। ये सब करते-करते मैं रेडियो तक पहुंच गया, लेकिन तब तक मेरे दिमाग में कभी नहीं आया कि मुझे गीतकार बनना है। मैं बस चीजों को एंजॉय कर रहा था। मैं पढ़ाई के साथ ट्यूशन भी पढ़ाता था। मैं पत्रकारिता भी कर रहा था। इन सबके बीच मैंने सेंट्रल बैंक की नौकरी भी जॉइन कर ली और दो दिन के लिए काम पर भी गया। जब मैं दूसरे दिन अपनी कुर्सी पर बैठ रहा था, तब मेरे अंदर से आवाज आई कि ये तुम्हारी जगह नहीं है। तुम गलत फैसला कर रहे हो। दिल की बात सुनो और यहां से निकलो। उस जमाने में बैंक की नौकरी मिलना, इंडियन सिविल सर्विस-पीसीएस से कम बड़ी बात नहीं होती थी। मैंने बैंक की नौकरी छोड़ दी। मेरा पूरा परिवार मेरे ऊपर निर्भर था। मेरे पिताजी मुंबई में स्ट्रगल कर रहे थे। दादाजी की नौकरी छूट गई थी। ऐसे में जब मेरी नौकरी लगी तो सबको लगा कि उन्हें एक सहारा मिल गया है। मैंने जब अपना फैसला घरवालों को सुनाया, तो सब रोने लगे। मुझे कहा गया कि ऐसा मत करो। तुम देख रहे हो कि हम लोग ऐसे ही तकलीफ में हैं। पिता पहले से ही मुंबई में संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में तुम भी हमें छोड़कर चले जाओगे तो हमारा क्या होगा? लेकिन मेरी जिद थी और दिल मानने को तैयार नहीं था और मैं निकल गया।मैं 6 अप्रैल 1980 को मुंबई आया था। वो तारीख मुझे आज भी याद है। जब मैं यहां आया तो भौचक्का रह गया कि ये मैं कहां आ गया। मैं मालवाणी के चॉल नंबर 628 और ब्लॉक चार में रहने लगा। 'चॉल में रहने के दौरान के संघर्षों को मैं शब्दों में बयां नहीं कर

सकता। एक बार तो ऐसा हुआ कि मैं शौच के लिए गया था, तभी एक शराबी दरवाजा तोड़ अंदर घुस आया। उसने मुझे गंदी-गंदी गालियां दीं। मैं एक संभ्रात परिवार से आता था, मैं ऐसी सिचुएशन सोच भी नहीं सकता था। उस वक्त मेरी आंखों से आंसू बहने लगे। उस घटना को आज भी याद करके मेरी रूह कांप जाती है।'मैं 23 साल की उम्र में मुंबई आ गया था। उस उम्र तक मैं अपने पिता से सिर्फ दो बार मिला था। वो मुंबई में थे, लेकिन मैं उन्हें बिना बताए आया और अकेले चॉल में रह रहा था। 23 साल की उम्र तक मैं बस दो बार अपने पिता से मिला था। मेरा पालन-पोषण दादाजी ने ही किया था। पिताजी मुंबई में जमने के लिए 17 साल तक संघर्ष करते रहे। जब पिताजी को पता चला कि मैं भी मुंबई में हूं तो उन्होंने मुझे मिलने बुलाया। ये तीसरी बार था, जब मैं उनसे मिलने वाला था। मैं पिताजी से मिलने किसी उम्मीद के नहीं गया था कि वो मुझे अपने साथ रख लें। मैं गुस्से में था कि आज वो जो भी पूछेंगे, मैं उसका उल्टा जवाब दूंगा। पहले तो मुझे लगा ही नहीं कि वो मेरे पिता हैं। मुझे लगा कि मैं किसी रिश्तेदार से मिलने वाला हूं। जब मैं उनसे मिला तो उन्होंने कहा कि तुम बड़े हो गए हो और अपने जीवन का फैसला करने का तुम्हें अधिकार है, लेकिन पिता होने के नाते मैं तुमसे कुछ पूछना चाहता हूं। फिर उन्होंने मुझसे पहला सवाल किया कि क्या तुमने कभी किसी लड़की से मोहब्बत की है? उनका सवाल सुनकर मैं हैरान रह गया। मैंने हां में जवाब दिया। फिर उन्होंने मुझसे कहा कि क्या सोचकर प्यार किया? मैंने उनसे कहा कि प्यार कोई सोचकर नहीं करता है। जब करना होता है तो कर लेता है। उन्होंने कहा- अब पूछो, यह सवाल मैंने तुमसे क्यों किया? मैंने कहा- बताइए। तब उन्होंने कहा कि मैं जानना चाहता हूं कि तुम बावफा आशिक हो या बेवफा आशिक हो। क्योंकि यह इंडस्ट्री महबूबा की तरह है। अगर इससे सच्ची मोहब्बत हो तभी रहना, वरना भाग जाना।उन्होंने दूसरा सवाल पूछा कि तुम यहां क्या सोचकर आए हो। इंडस्ट्री जन्नत की तरह है। यहां सब हूरें मिलेंगी, पैसा मिलेगा, शोहरत मिलेगी। मैंने कहा- हां फिर, उन्होंने कहा- जन्नत में कुछ पाने के लिए आदमी को मरना पड़ता है। क्या तुम मरने के लिए तैयार हो? मुझे लगा पापा ने बात तो बहुत बड़ी कर दी, लेकिन मैं उन्हें दो टूक जवाब देने के मूड से आया था। मैंने इस सवाल पर भी फट से हां कह दिया। फिर पापा ने मुझसे कहा कि चलो अपना बोरिया-बिस्तर उठाओ और घर चलो, लेकिन अगले छह महीने तुम कुछ भी नहीं लिखोगे। अब मैं बताऊंगा कि इस इंडस्ट्री की रवायत और भाषा क्या है।मैं तुम्हें हर म्यूजिक डायरेक्टर के साथ होने वाली मीटिंग में ले जाऊंगा, लेकिन मैं कहीं तुम्हारा परिचय नहीं कराऊंगा। तुम वहां बैठना और चीजों को समझने की कोशिश करना। गाना लिखने के लिए जो सिचुएशन मुझे दी जाएगी, उस पर मैं भी लिखूंगा और तुम भी लिखोगे। मैं हम दोनों का लिखा मुखड़ा आगे सुनाऊंगा, जिस दिन तुम्हारा लिखा पास हो जाएगा, मैं तुम्हें आजाद छोड़ दूंगा। उसके बाद तुम जा सकते हो।एक साल बाद मेरा एक गाना आया। फिल्म का नाम 'बिंदिया चमकेगी' था और उसमें रेखा जी थीं। यहां से मेरे जीवन में संघर्ष की शुरुआत हुई। मैं सुबह निकलता और रात में थका-हारा घर पहुंचता था। पिताजी मेरा संघर्ष देख रहे थे। मुझसे पूछते थे कि कहां-कहां गए, क्या लिखा। मेरा संघर्ष देखकर उन्होंने जीवन में एक बार ही मेरे लिए लक्ष्मीकांत जी बात की। तब उन्होंने पिताजी से कहा कि आज तो आपने कह दिया, दोबारा किसी से ये बात मत कहिएगा। एक बात याद रखिएगा कि बाप की दुकान बाप की होती है। आपने कहा है तो मैं बस इतना कर सकता हूं कि मैं इसे सुनूंगा। ये जब भी मेरे पास आएगा, मैं इसका लिखा पढ़ूंगा। जिस दिन ये मेरे मन मुताबिक अपना मुखड़ा लिखेगा, उस दिन मैं आपको कॉल करूंगा कि आइए, अब आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड कर रहा हूं। मुझे लक्ष्मीकांत जी से एक गाना पास कराने में चार साल लग गए। मैं हर दूसरे दिन उनके पास जाता और अपना लिखा सुनाता। वो मुझे हर बार कहते कि अभी वो बात नहीं है। चार साल बाद एक दिन ऐसा आया कि मैंने उन्हें अपना लिखा सुनाया और वो उन्हें पसंद आ गया। फिर उन्होंने वो गाना बनाया और पिताजी को कॉल कर कहा कि आइए आपके बेटे का गाना रिकॉर्ड करने वाला हूं। वो गाना गोविंदा की फिल्म 'लव 86' का था। इस तरह लक्ष्मीकांत प्यारेलाल के यहां मेरी एंट्री हुई।एक म्यूजिक डायरेक्टर थे, जो मेरे पिताजी के एक अच्छे-खासे दोस्त थे। मैं उनके पास जब ऐसे जाता था तो बहुत इज्जत से मिलते थे। चाय पिलाते और हालचाल लेते। उस दिन उन्होंने सामने से बोला कि मैंने सुना है कि तुम कुछ लिखते हो। कभी सुनाया नहीं तो कुछ सुनाओ। मैंने उन्हें एक घंटे तक अपनी कविता सुनाई और वो गौर से सुनते रहे। अचानक वो इतना खफा हुए कि मेरी डायरी तीसरी मंजिल से नीचे फेंक दी। फिर बहुत गुस्से में आकर बोले कि क्यों अपने पिताजी का नाम खराब कर रहे हो? इतने बड़े पिता का नाम तुम्हारी वजह से खराब हो जाएगा। मैं एक काम करता हूं, मैं तुम्हें टिकट के पैसे देता हूं। तुम अपने पिता को बताना भी मत और इस शहर से चले जाओ। तुम बैंक में नौकरी कर रहे थे, यहां आने की जरूरत क्या थी?मैं उन्हें कुछ बोल भी नहीं सकता था। मैं कांपते पैरों से चुपचाप उठा, अपनी डायरी उठाई और उसे माथे से लगाया। मैंने 222 नंबर की बस पकड़ी और सीधे उषा खन्ना जी के पास चला गया। ऐसे तो वो अक्सर लोगों से घिरी रहती थीं। सौभाग्य से उस दिन वो अकेली थीं। मैंने उनसे कहा कि आंटी मैंने कुछ गाने लिखे हैं, आपको सुनाऊं? उन्होंने हामी भर दी। मैंने सिर्फ पांच मुखड़े सुनाए और उषा जी ने कहा कि अब बस कर। ये पांचों गाने मुझे दे दे। मैं अगले हफ्ते इन्हें रिकॉर्ड करूंगी। जगह कौन सी होगी, वो मैं तुम्हें कॉल करके बताऊंगी। फिल्म 'बेखबर' के लिए मेरा गाना रिकॉर्ड हुआ। इस तरह हिंदी इंडस्ट्री में मेरी शुरुआत हुई। उससे पहले तक मैं रीजनल फिल्मों के लिए लिख रहा था। मैं जिस दिन उषा जी से मिला, उस दिन किस्मत मेरे साथ थी। जब मैं उषा जी के पास से निकला, तभी मुझे मुरली नाम का एक सिंगर मिला। उसने मुझसे कहा कि आप भोजपुरी लिखते हो, चलो आपको चित्रगुप्त जी से मिलवाता हूं। चित्रगुप्त जी भोजपुरी इंडस्ट्री का बड़ा नाम थे। मैं भी उनके पास जाने के लिए तैयार हो गया। मेरे पिताजी ने उनकी फिल्म 'बलम परदेसिया' लिखी थी। उनका पूरा परिवार मुझसे बड़े प्यार से मिला। चित्रगुप्त जी ने मुझसे कहा कि देखो बेटा, मैं तो भोजपुरी फिल्में बनाता हूं तो यहां तो मैं तुम्हें मौका दूंगा, लेकिन मेरे दो बेटे हैं आनंद-मिलिंद। वो भी तुम्हारी तरह युवा हैं और संघर्ष कर रहे हैं। तुम सब साथ बैठो और कुछ अच्छा बनाओ। फिर उन्होंने आनंद-मिलिंद को बुलाया और मुझसे मिलवाया। हम सबने साथ में काम शुरू कर दिया। उसी समय फिल्म प्रोड्यूसर नासिर हुसैन के बेटे मंसूर खान डायरेक्शन में कदम रखना चाहते थे। नासिर ने बेटे से कहा था कि कोई छोटी फिल्म बनाकर खुद को प्रूव करो, तब मैं तुम्हें बड़ी पिक्चर दूंगा। मंसूर ने वीडियो फिल्म 'अम्बर्टो' बनाई, जिसमें आमिर खान थे। उस वीडियो फिल्म में मैं आमिर खान, आनंद-मिलिंद सबने साथ में काम किया। मैंने उस फिल्म के लिए गाना भी लिखा। नासिर साहब और मंसूर सबको मेरा लिखा पसंद आया था। 'कयामत से कयामत तक' हाथ से गई, फिर लगा सारे दरवाजे बंद हो गए मंसूर ने कहा कि चलो अब कहानी पर काम करते हैं। ऐसे में 'कयामत से कयामत तक' की शुरुआत हुई। जब म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर की बात आई, तब नासिर जी ने कहा कि हमारे यहां तो आरडी बर्मन और मजरूह सुल्तानपुरी ही काम करते हैं। मंसूर ने कहा कि उसे आनंद-मिलिंद के साथ ही काम करना है। बेटे की जिद पर नासिर जी का जवाब आया कि फिल्म में हीरो-हीरोइन, म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर सब नए हैं। ऐसे में प्रपोजल कैसे बनेगा। फिर तय हुआ कि म्यूजिक डायरेक्टर और राइटर दोनों की पसंद का होगा। म्यूजिक के लिए मंसूर ने आनंद-मिलिंद को चुना और राइटर में मजरूह सुल्तानपुरी आ गए। मेरा पत्ता कट गया। फिल्म आई और गजब की हिट रही। मैं बहुत निराश हो गया कि एक दरवाजा खुला था, वो भी बंद हो गया। मैंने आनंद से अपनी दुविधा बताई तो उसने कहा कि वो आगे जो भी फिल्म करेंगे, उसमें मेरे लिए जगह बनाएंगे। कुछ दिन बाद ही 'दिल' के लिए आमिर ने आनंद-मिलिंद को बुलाया। आनंद-मिलिंद वहां मुझे अपने साथ लेकर गए। आनंद-मिलिंद को जब म्यूजिक का ऑफर मिला तो उनसे राइटर का नाम पूछा गया तो उन दोनों ने मेरा नाम लिया। इन्होंने कहा कि एक बार मेरा गाना सुना जाए। फिर मैंने उन्हें 'खंबे जैसी खड़ी है' सुनाया। ये गाना सभी को बहुत पसंद आया। 'दिल' फिल्म में मेरी एंट्री हो गई और वो फिल्म जब रिलीज हुई तो मेरी किस्मत ही बदल गई।तीन साल के अंदर फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत लिया 'दिल' के बाद मैंने 'आशिकी' के गाने लिखे। इस फिल्म के गानों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। इस फिल्म के गाने 'नजर के सामने' के लिए साल 1991 में मुझे अपना पहला फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। फिर साल 1993 में 'दीवाना' फिल्म के गाने 'तेरी उम्मीद, तेरा इंतजार' और साल 1994 में 'हम है राही प्यार के' के गाने 'घूंघट की आड़' के लिए भी मैंने फिल्मफेयर अवॉर्ड जीता। इंडस्ट्री में मेरे पिताजी ने लंबे समय तक काम किया और वो बहुत डिजर्विंग थे, लेकिन उसके बाद भी उन्हें कभी अवॉर्ड नहीं मिला। जब मुझे मेरे पहला फिल्मफेयर मिला था, तब मेरे पिताजी वहां मौजूद थे। वो पैरालिसिस का चौथा अटैक झेल रहे थे और चल भी नहीं पा रहे थे, लेकिन मेरे सम्मान के लिए वो मंच तक आए। उन्होंने स्टेज से कहा था- 'जो मैं नहीं पा सका, वो मेरे बेटे ने हासिल किया। मैं चाहता हूं कि भविष्य में इसे और भी उपलब्धियां मिलें।' 'आशिकी' के लिए महेश भट्ट ने डायरेक्शन दांव पर लगाया 'आशिकी' पहले चाहत के नाम से सिर्फ एक गानों का एल्बम बन रहा था। गुलशन कुमार उसे फिल्म बनाना चाहते थे, लेकिन हीरो-हीरोइन की वजह से उन्होंने वो आइडिया ड्रॉप कर दिया था। डिस्ट्रीब्यूटर्स ने कहा था कि हीरो-हीरोइन अच्छे नहीं हैं। मेरी फिल्म 'दिल' हिट हो चुकी थी, लेकिन नदीम-श्रवण बहुत ज्यादा संघर्ष कर रहे थे। मुझे पता था कि टी-सीरीज बैनर अपनी फिल्मों का बेस्ट प्रमोशन करता है। मैंने 'आशिकी' के गाने में अपनी जवानी की पूरी सोच लगा दी थी। दिमाग में कहीं न कहीं था कि अगर ये फिल्म चल गई तो पूरी जिंदगी बदल जाएगी। जब गुलशन जी ने कहा कि वो एल्बम बनाने वाले हैं तो हम सब निराश हो गए। मैं महेश भट्ट के पास गया। उन्होंने जब सुना तो कहा ऐसे कैसे एल्बम बना देगा। गुलशन महेश भट्ट से बहुत ज्यादा डरते थे। महेश भट्ट ने घर में घुसते ही कहा कि सुना है कि गुलशन कुमार पागल हो गया है। गुलशन जी को भी समझ आ गया कि कुछ तो गड़बड़ है। फिर महेश जी ने उनसे कहा कि मैंने सुना है कि तुम 'आशिकी' को फिल्म नहीं एल्बम बना रहे हो? उन्होंने महेश जी को बताया कि फिल्म को लेकर बहुत खराब रिस्पॉन्स आया है, इस वजह से वो ऐसा सोच रहे हैं। फिर महेश जी ने कहा, गुलशन तू पागल हो गया है। मैं तुम्हें बता रहा हूं कि ये फिल्म तुम्हारे बैनर और इस सदी की सबसे बड़ी म्यूजिकल हिट होगी। महेश भट्ट ने पेपर मांगकर उस पर लिखा कि अगर ये फिल्म और इसका म्यूजिक नहीं चला तो वो डायरेक्शन छोड़ देंगे। फिर उसी पेपर पर नीचे गुलशन कुमार ने लिखा कि मैं इस फिल्म को ऐसे प्रमोट करूंगा कि आप हिंदुस्तान के वॉशरूम में भी जाएंगे तो वहां भी आशिकी दिखेगी। फिर गुलशन ने कहा कि लेकिन एक समस्या और है। फिल्म के हीरो-हीरोइन दोनों बहुत खराब लग रहे हैं। महेश जी ने आइडिया दिया कि तुम चिंता मत करो, हम उनकी शक्ल पहले दिखाएंगे ही नहीं। उनके चेहरे पर कोट डाल देंगे। तुम म्यूजिक को प्रमोट करो, जब म्यूजिक हिट हो जाएगा, फिर चेहरे को रिवील करेंगे।मेरा बस इतना सपना था कि रेडियो सिलोन पर मेरा एक गाना बज जाए तो मैं लौटकर बनारस चला जाऊं, लेकिन आज चार हजार से अधिक गाने मेरे नाम हैं। इस वजह से ईश्वर पर मेरी आस्था अटूट है। मैंने अपनी पहली इनिंग में आनंद-मिलिंद और नदीम-श्रवण के साथ अच्छा काम किया।ये वो समय था, जब मैं एक साथ 110 फिल्में कर रहा था। इनमें से आनंद-मिलिंद के साथ और नदीम-श्रवण के साथ 50 फिल्में थीं। मैं कामयाबी के पीक पर था, जब गुलशन की हत्या हुई। उसके बाद लगा जैसे मेरे लिए सब कुछ खत्म हो गया। मैं पहली बार अपनी लाइफ में टूटा था।मैं संघर्ष में कभी नहीं टूटा था, लेकिन गुलशन जी के जाने से मैं टूट गया।

'मुझे पाकिस्तान जाने के लिए कहा गया',रीम शेख ने अहमदाबाद हादसे के बाद ट्रोलिंग और हिंदू लड़के से शादी की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पा

मुंबई। टीवी एक्ट्रेस रीम शेख

हाल ही में विवादों में घिर गईं। जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें वह अहमदाबाद प्लेन क्रैश पर वो पैपराजी के सवाल का जवाब देती दिखीं। इस वीडियो के सामने आते ही लोगों ने उन्हें खूब ट्रोल किया। अब रीम ने इस विवाद पर बात की है। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद उन्हें बहुत गंदी गालियां दी गईं। हिंदी रश से बात करते हुए रीम ने बताया, 'जब मैं सेट पर गई, तब तक मुझे कुछ नहीं पता था। फोन शाम को मिला। तब मैंने देखा कि सोशल मीडिया पर बातें चल रही हैं। मुझे लगा कि अब सफाई देना जरूरी होगा कि क्या हुआ और क्या नहीं हुआ।'रीम ने कहा कि वह आमतौर पर ऐसे मामलों पर बयान नहीं देतीं। उन्होंने कहा, 'मैं उनमें से नहीं हूं जो विक्टिम कार्ड खेलें। न मीडिया के सामने, न दोस्तों के सामने। अगर मैं दुखी हूं, तो बस हूं। मैं उस वक्त सेट पर आई, सुबह 7:30 बजे उठकर आई थी। एक घंटे में तैयार होकर 4-5 लोग मेरे आसपास थे।' रीम ने आगे कहा, 'किसी ने मुझसे कहा- 'कल के बारे में बताइए।' मैं सोचने लगी- कल क्या हुआ था। फिर किसी ने बताया गया कि एयर इंडिया का हादसा हुआ है। उससे पहले मैं हंस रही थी, पोज कर रही थी, लेकिन जब यह सवाल पूछा गया तो मुझे लगा अगर मैं अचानक चेहरा दुखी बना लूं, तो वह बनावटी लगेगा। मैं यह नहीं कर सकती थी।'रीम ने कहा, 'अगर आपको मुझे गालियां देनी हैं, इनसेंसिटिव कहना है, देशद्रोही बोलना है तो कहिए, लेकिन सिर्फ इसलिए कि मैंने मीडिया के सामने दुखी चेहरा नहीं बनाया, इसका मतलब यह नहीं कि मुझे हादसे को लेकर फर्क नहीं पड़ा।'रीम ने ये भी कहा, 'मुझे और बुरा इस वजह से लगा क्योंकि मेरी अपनी बहन एयर इंडिया में काम करती है। जब यह खबर आई, तो मेरे पास 10-12 कॉल आ गए थे। सब पूछ रहे थे- तुम्हारी बहन कहां है। हमारे घर पर उस वक्त क्या माहौल था, यह कोई नहीं समझ सकता।' रीम ने ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए कहा, 'लोगों ने बहुत गंदी-गंदी गालियां लिखीं। मुझे देशद्रोही कहा। किसी ने कहा- 'इसे पाकिस्तान भेजो।' कमेंट्स में ही नहीं, डीएम में भी लोग बुरी बातें लिखते रहे। मैं हैरान थी। मैंने तब असली ट्रोलिंग देखी कि लोग किसी को इस हद तक परेशान कर सकते हैं।' रीम ने कहा, 'उस वक्त मुझे एहसास हुआ कि किसी से लिंकअप या अफवाह होना बहुत छोटी बात है। असली ट्रोलिंग यह होती है जब लोग कहें- 'तुम इस देश में रहने के लायक नहीं हो।' यही असली ट्रोलिंग है।'वहीं, रीम ने अपनी शादी को लेकर उड़ रही अफवाहों पर भी बात करते हुए कहा, 'एक बार किसी ने मेरी शादी की झूठी खबर पोस्ट कर दी थी। मेरी दादी ने वो खबर सच मान ली। मैं खुद उनके सामने हंस रही थी।'हाल ही में एक बार फिर चर्चा शुरू हुई कि रीम ने किसी कृष गुप्ता नामक लड़के से गुपचुप शादी कर ली है। जिस पर रीम ने कहा, 'मुझे उस नाम का कोई लड़का दूर-दूर तक नहीं पता। शायद किसी का दोस्त होगा।' उन्होंने कहा कि उनके पास पीआर टीम भी नहीं है जो ऐसी झूठी खबरों को संभाले। ऐसी खबरें देखकर मैं खुद चौंक गई थी, और हंस भी रही थी।

मराठी-हिंदी भाषा विवाद पर शिल्पा शेट्टी ने बचते हुए जलेबी की तरह घुमाया जवाब संजय दत्त बोले- कहना क्या चाह रहीं

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर पिछले कुछ दिनों से माहौल एक बार फिर से काफी गरमाया हुआ दिख रहा है। मामले ने कुछ इस तरह से तूल

पकड़ा है कि अब फिल्मी सितारे भी इसे लेकर कोई ओपनियन नहीं देना चाहते। गुरुवार को कन्नड़ भाषा में बनी पैन इंडिया फिल्म 'केडी' के ट्रेलर लॉन्च पर शिल्पा शेट्टी से इसी बारे में सवाल किया गया। हालांकि, उनका जवाब जलेबी की तरह निकला और साफ था कि वो कुछ भी ऐसा कहने से बचना चाह रही थीं जिससे फिल्म पर या उनपर कोई असर पड़े। आइए, पूरी कहानी जानते हैं कि उनसे क्या पूछा गया और उन्होंने इसपर कैसा जवाब दिया। कई बार सोशल इशूज फिल्मी सितारों के लिए खाई और कुएं वाली हालात पैदा कर देते हैं। इस बार शिल्पा शेट्टी के साथ भी वही हुआ है। जहां फिल्मी कलाकार भाषाओं की सीमाओं को तोड़ते हुए अपनी एक्टिंग का हुनर हर तरफ दिखा रहे हैं वहीं देश के एक बड़े हिस्से में भाषा को पहचान बनाने की कोशिश की जा रही है।ट्रेलर लॉन्च के मौके पर महाराष्ट्र में इन दिनों चल रहे मराठी और हिन्दी भाषा के जंग को लेकर सवाल किया गया और पूछा गया, 'एक नई भाषा का ज्ञान होना अच्छी बात है, लेकिन क्या उसको लेकर जबरदस्ती करना...इसको लेकर आप क्या कहेंगे? ये सवाल सुनते ही शिल्पा ने पहले कहा- इसके बारे में संजू बोलेंगे। शिल्पा की इस बात ने माहौल को हल्का बना दिया और फिर संजय दत्त ने कहा, 'पहले तो मैं समझा नहीं कि आप क्या बोलना चाह रहे हो। जरा स्पष्ट बातों में बता सकें कि आप क्या चाहते हैं?'इस इवेंट में निर्देशक प्रियदर्शन मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल थे। वहीं बीच में संजय दत्त की बातों को काटते हुए कहा जाता है, 'सबकुछ पैन इंडिया हो गया है और इस वक्त हम बात कर रहे हैं...जो सिनेमा की लैंग्वेज है वो सबको जोड़ती है और हम सबके लिए एक ही है।'इसके बाद जर्नलिस्ट ने कहा, 'ये गलत है क्योंकि मेरा सवाल बहुत वैलिड है।' इसपर शिल्पा ने मराठी में जवाब दिया और कहा, 'मैं मराठी जानती हूं, मैं महाराष्ट्रियन की ही बेटी हूं लेकिन आज हम आज हम यहां फिल्म केडी के बारे में बात करने आए हैं। अगर आप किसी और कॉन्ट्रोवर्सी पर बात करना चाहते हैं तो मैं उसे बढ़ावा नहीं दे सकती। यह फिल्म पहले से ही एक मल्टी लिंग्वल प्रोजेक्ट है और मुझे यकीन है कि हम इसे मराठी में भी डब कर सकते हैं।'यहां बताते चलें कि ये विवाद 16 अप्रैल को जारी पहले सरकारी प्रस्ताव (जीआर) से शुरू हुआ जहां कक्षा 1 से लेकर 5 तक हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल किया गया था। यहीं से इस फैसले की आलोचना हुई और सरकार पर गैर-हिंदी भाषी स्टूडेंट्स पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया। कईयों ने इसे सांस्कृतिक हमला कहा। इसके बाद से ही महाराष्ट्र में मराठी और हिंदी भाषा को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है और अब ये सियासी रूप ले चुका है।फिल्म की बात करें तो केडी के डायरेक्टर प्रेम हैं जिन्होंने साउथ इंडस्ट्री को कई हिट फिल्में दी हैं। हालांकि इस फिल्म की रिलीज़ डेट फिलहाल तय नहीं की गई है। इस फिल्म से करीब 20 साल बाद शिल्पा शेट्टी और संजय दत्त एक बार फिर एक-दूसरे के साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म का टीजर लोगों को काफी पसंद आया है जिसमें संजय दत्त एक दमदार किरदार 'धाक देवा' के रूप में नजर आ रहे हैं और ध्रुव सर्जा 'केडी' की भूमिका में हैं। शिल्पा शेट्टी इस पूरी कहानी में अहम मोड़ लाने वाले किरदार में हैं।

खुशी कपूर संग अफेयर की अटकलों के बीच वेदांग बोले,'हमारे बीच अपने आप एक अपनापन है और हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है'

मुंबई। एक्टर वेदांग रैना ने जोया अख्तर की फिल्म 'द

आर्चीज' से बॉलीवुड में शुरुआत की। इस फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर भी थीं। जिसके बाद से दोनों के बीच अफेयर की अटकलें लंबे समय से हैं। हालांकि, किसी ने भी पब्लिकली इस रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। हाल ही में वेदांग ने अपने खुशी के साथ बॉन्ड को लेकर बात की। दरअसल, हाल ही में वेदांग और खुशी ने फैशन ब्रांड अजोर्ट के क्ष्योरसेफस्पेस कैंपेन के लिए एक बार फिर साथ काम किया। जिसको लेकर हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में वेदांग ने कहा, 'खुशी के साथ काम करना बहुत आसान और मजेदार था। हमारे बीच अपने आप एक अपनापन है। हमारा रिश्ता सहज और सच्चा है और ये कनेक्शन इस कैंपेन में साफ दिखता है।'अपने करियर की जर्नी पर बात करते हुए वेदांग ने कहा, 'खुद को समझने और अपने आप को जाहिर करने की मेरी यात्रा सीख और आत्मचिंतन से भरी रही है।'वेदांग ने आगे कहा, 'मुझे सच में खुद को समझने में वक्त लगा, बाहरी असर और उम्मीदों से आगे जाकर। अब मैं अपनी ताकत और कमजोरियों को अपनाना सीख रहा हूं। अपने काम, फैशन और मौजूदगी के जरिए खुद को सच्चाई से दिखाने की कोशिश कर रहा हूं। ये सफर नया है और अभी जारी है, लेकिन हर कदम मुझे अपने असली रूप के करीब ले जाता है।'वेदांग ने 'जिगरा' में आलिया संग काम किया वेदांग ने 'द आर्चीज' के बाद आलिया भट्ट के साथ फिल्म 'जिगरा' में भी काम किया। 'जिगरा' में वेदांग ने 'एक हजारों में मेरी बहना है' गीत गाकर अपनी गायकी भी दिखाई थी।

करण जौहर की नई तस्वीर देख बुरी तरह घबराए फैंस, तेजी से गिर रहा वजन और ज्यादा हो गए दुबले

मुंबई। करण जौहर का दिनोंदिन वजन घट रहा है और वह एकदम दुबले होते

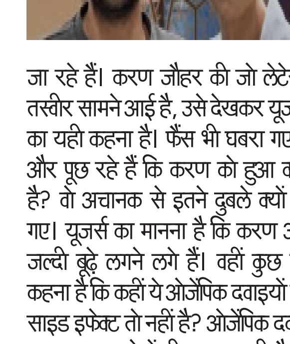

जा रहे हैं। करण जौहर की जो लेटेस्ट तस्वीर सामने आई है, उसे देखकर यूजर्स का यही कहना है। फैंस भी घबरा गए हैं और पूछ रहे हैं कि करण को हुआ क्या है? वो अचानक से इतने दुबले क्यों हो गए। यूजर्स का मानना है कि करण अब जल्दी बूढ़े लगने लगे हैं। वहीं कुछ का कहना है कि कहीं ये ओजेंपिक दवाइयों का साइड इफेक्ट तो नहीं है? ओजेंपिक दवाई वजन कम करने में भी मदद करती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।